3 राज्य
8 संस्करण
19.52 लाख
पाठक

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

रजत जयंती विशेष संस्करण

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, सोमवार 15 सितम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 20 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शाह टाइम्स देहरादून अपनी पत्रकारिता की सफल यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती अंक का प्रकाशन कर रहा है। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25 वर्षों की यात्रा के साथ दैनिक शाह टाइम्स राज्य की विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने तथा राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए हम विकल्पहीन संकल्प के साथ प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। राज्य के समग्र विकास की हमारी सोच को साकार करने में शाह टाइम्स भी अपनी सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन के साथ सहयोगी बने, यही अपेक्षा है। शाह टाइम्स की गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच उसकी पाठकों में लोक. प्रियता का प्रमाण है। समाजहित से जुड़े दायित्वों के निर्वहन की इसकी निरंतरता बनी रहे, यही मेरी कामना है। शाह टाइम्स के 25 वर्ष रजत जयंती अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि **दैनिक शाह टाइम्स** की और से रजत जयंती अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों की सफल यात्रा का कालखण्ड निश्चय ही गर्व और सम्मान की अनुभूति का विषय होता है।

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही समाचार पत्रों की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। राज्य सरकार द्वारा संचा. लित जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का दायित्व निभाना ही सार्थक पत्रकारिता मानी जाती है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के महत्त्वपूर्ण दायित्वों के कारण ही इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। सार्थक पत्रका. रिता का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। दैनिक शाह टाइम्स अपनी स्वस्थ पत्रकारिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सहभागी बने, यही अपेक्षा है। दैनिक शाह टाइम्स के 25 वर्षों की इस रजत जयंती यात्रा एवं इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंशीधर तिवारी
महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क उत्तराखंड

आज हृदय अपार संतोष और गर्व से भरा है कि 25 वर्ष पूर्व दैनिक शाह टाइम्स के रूप में जिस छोटे से पौधे को मैंने अपने हाथों से सींचा था, आज वह एक विशाल, घना और छायादार वटवृक्ष बन चुका है। हमें इस बात का भी गौरव है कि इस पूरी यात्रा में हमने पत्रकारिता के उच्च आदर्शों और मूल्यों को कभी डिगने नहीं दिया। इस गौरवपूर्ण रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर, मैं अपने समस्त प्रबुद्ध पाठकों, सम्मानित विज्ञापनदाताओं, स्नेही शुभचिंतकों और प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी को हृदय की अतल गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं अर्पित करता हूं।

सम्पादक

25 वर्ष: सच का बेमिसाल सफर

देहरादून। पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, समाज को दिशा देना भी है। इस विचारधारा को आत्मसात करते हुए, वर्ष 1999 में मुजफ्फरनगर से प्रकाशित होने वाला प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक शाह टाइम्स, पृथक राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की भूमि पर वर्ष 2001 में पहली बार कदम रखता है। राज्य गठन के साथ ही समाचार जगत में यह एक नया अध्याय था। कुमाऊं मंडल से हल्द्वानी संस्करण और गढ़वाल मंडल से देहरादून संस्करण के रूप में शाह टाइम्स ने अपने क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया। यह केवल एक अखबार की शुरुआत नहीं थी, बल्कि नवोदित राज्य के विकास की यात्रा में एक सहयोगी की भूमिका और समाज के प्रति एक उत्तरदायित्वपूर्ण यात्रा का आरंभ था। उत्तराखंड के निर्माण से लेकर विकास तक के हर मोड़ का साक्षी बनने की यात्रा।

प्रकाशन यात्रा: शब्दों से सरोकार तक

उत्तराखंड के निर्माण के साथ ही जब नई व्यवस्थाएं आकार ले रही थीं, उसी समय शाह टाइम्स ने इस नवोदित राज्य की नब्ज को पहचाना। हल्द्वानी और देहरादून से शुरू हुए इन दो संस्करणों ने पहाड़ के गांवों से लेकर राजधानी के गलियारों तक, जनभावनाओं को स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा केवल समाचार छापने की नहीं थी। यह यात्रा जन-सरोकारों की, स्थानीय मुद्दों की, और नीतियों पर जन अभिव्यक्ति को स्थान देने और सवाल उठाने की थी।

सकारात्मक पत्रकारिता का दर्पण

पिछले 25 वर्षों में जब उत्तराखंड ने राजनीतिक उठापटक, प्राकृतिक आपदाएं और विकास की ऊंचाइयों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की, तब शाह टाइम्स हर मोड़ पर एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। चकराता के जंगलों में आग हो या जोशीमठ का भू-धंसाव, चारधाम यात्रा की कठिनाइयां हों या राज्य की राजनीति में आया संकट हो।

शाह टाइम्स की रिपोर्टिंग ने जनता की समस्याओं को न केवल उजागर किया, बल्कि नीति-निर्माताओं तक पहुंचाया। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी प्रभावशाली ढंग से जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनीतिक तटस्थता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान रही है।

एम. फहीम 'तन्हा'

चुनौतियों भरा, लेकिन डिगा नहीं सफर

पिछले 25 वर्षों में शाह टाइम्स ने पत्रकारिता के उसूलों पर कभी समझौता नहीं किया। कई बार बाजार की प्रतिस्पर्धा ने चुनौती दी, कभी तकनीकी संसाधनों की कमी ने रफ्तार धीमी की, तो कभी राजनीतिक दबावों ने कठिन हालात खड़े किए। लेकिन हल्द्वानी और देहरादून संस्करण की टीमों ने सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना खबरों की तलाश में, सच्चाई की खोज में, और जनहित की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया।

जनता का प्रेम: सबसे बड़ा पुरस्कार

खबरें छुपाता नहीं, छापता है के स्लोगन को आत्मसात करते हुए दैनिक शाह टाइम्स ने राज्य के हर जिले, हर तहसील और हर कस्बे तक अपनी पकड़ बनाई। इस अखबार को पाठकों ने हमेशा विश्वसनीय साथी माना। एक ऐसा साथी जो, न तो सनसनी फैलाता है, न ही किसी प्रकार की चाटुकारिता की पत्रकारिता करता है, बल्कि तथ्यों के साथ सच की बात करता है। 25 वर्षों बाद भी शाह टाइम्स पत्रकारिता में एक सम्मानित नाम है और जनता का अटूट विश्वास भी।

समर्पण की टीम

किसी भी अखबार की सफलता के पीछे एक जुझारू टीम होती है। हल्द्वानी और देहरादून की टीमों सहित शाह टाइम्स के सभी संस्करणों में प्रत्येक स्टेशन पर कार्यरत संपादकीय टीम के साथियों ने समाचारों की डेडलाइन से परे जाकर, जनसरो. कारों, क्षेत्रीय मुद्दों और लोक संस्कृति को महत्व दिया। संवाददाताओं से लेकर संपादकों तक, सभी ने ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी, जिससे अखबार कुर्सी से नहीं, जमीन से जुड़ा महसूस हुआ। शाह टाइम्स की संपादकीय टीम का संचालन कार्यकारी संपादक के रूप में 21 वर्षों से आनन्द बत्रा सुमन सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

नवाचार और भविष्य की ओर दृष्टि

आज जब पारंपरिक रूप से चलने वाला प्रिंट मीडिया डिजिटल हो रहा है, तो शाह टाइम्स ने भी डिजिटल विस्तार, सोशल मीडिया, और मोबाइल रीडिंग जैसे पहलुओं में अपने प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। पत्रका. रिता के मूल्य, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व व जनहित से जुड़े सरोकार जैसे सिद्धांत डिजिटल होने के बावजूद जस के तस हैं।

रजत से स्वर्ण की ओर

25 वर्षों की यह रजत यात्रा शाह टाइम्स की सदाबहार प्रासंगिकता का प्रतीक है। उत्तराखंड के जन-जीवन से जुड़ाव, राज्य के हर मोड़ पर सच्चाई को सामने रखने का साहस के प्रति निष्ठा। यही शाह टाइम्स की पहचान है। अब यह रजत पड़ाव स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की तैयारी है। **शब्द रुके नहीं हैं, यात्रा जारी है।**

ऐतिहासिक दिन: जब एनडी तिवारी बने सम्पादक

दैनिक शाह टाइम्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय तब जुड़ गया, जब उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री, पंडित नारायण दत्त तिवारी, देहरादून के सुभाष रोड स्थित अखबार के कार्यालय में पधारे। यद्यपि उनका आगमन एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित था, किंतु संपादकीय कक्ष की दहलीज पर कदम रखते ही उनके भीतर का जन्मजात पत्रकार सहसा जाग उठा। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के तत्काल तत्कालीन स्थानीय संपादक नरेंद्र सेठी और उप-संपादक मोहम्मद शाहनजर के साथ उस दिन की प्रमुख खबरों पर गहन विमर्श किया। लगभग एक घंटे तक, पंडित तिवारी ने स्वयं बड़ी दिलचस्पी और गहनता से समाचार संपादन की कमान संभाली। यह अविस्मरणीय क्षण दैनिक शाह टाइम्स की संपादकीय स्वतंत्रता, उसकी अकाट्य साख और पत्रकारिता के प्रति उसकी अडिग गंभीरता का एक उदात्त प्रमाण बन गया।

8 संस्करणों का सफर

दमदार भूमिका

मुजफ्फरनगर

शाह पब्लिकेशन द्वारा 6 सितंबर 1999 को जनसरोकारों और सकारात्मक पत्रकारिता के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए शुरू किया गया हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स आज तीन राज्यों में 8 संस्करणों के साथ निष्पक्ष और सबसे भरोसेमंद पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इन राज्यों के विकास में शाह टाइम्स ने सदैव एक प्रेरक की भूमिका निभाई है। यह अखबार 25 वर्षों में एक विशाल वृक्ष बन गया, जो उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसके स्लोगन खबरें छुपाता नहीं। छापता है की व्यापक पहचान और पाठकों के बीच इसकी विश्वसनीयता से लगाया जा सकता है। यह अखबार पूरे उत्तराखंड में एकमात्र ऐसा प्रकाशन है जो सभी जिलों में सामान्यत: एक समान पठन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिला।

देहरादून

26 मार्च 2001 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से गढ़वाल संस्करण की शुरुआत करने वाला दैनिक शाह टाइम्स उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। इस अखबार ने राज्य के सामाजिक, राजनी. तिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परि.श्य में घटित तमाम प्रमुख घटनाओं को न केवल सूक्ष्मता से कवर किया, बल्कि विकास से

जुड़ी जनसमस्याओं को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया।

नई दिल्ली

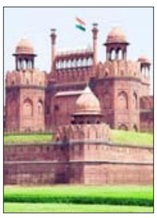

देश की राजधानी नई दिल्ली से 29 नवंबर 2002 अपने नई दिल्ली संस्करण की शुरुआत कर राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज की। ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिल्ली न केवल भारत की सत्ता का केंद्र है, बल्कि विविधता में एकता, आधुनिकता और परंपरा का अद्वितीय संगम भी है। अपनी निर्भीक पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ .ष्टिकोण के साथ यह संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक व राजनीतिक परि. श्य का एक विश्वसनीय दर्पण बन चुका है।

मुरादाबाद

दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद 11 अप्रैल 2003 में अपने मुरादाबाद संस्करण की शुरुआत की। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद न केवल अपने हस्तशिल्प उद्योग के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता, व्यापारिक सक्रियता और शैक्षणिक प्रगति का भी केंद्र रहा है। इन वर्षों में दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद मंडल की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को निष्पक्ष, संवे. दनशील तथा जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

हल्द्वानी

22 अप्रैल 2003 को कुमाऊं संस्करण के साथ दैनिक शाह टाइम्स ने कुमाऊं मंडल में जनभावनाओं, विकास संबंधी मुद्दों और प्रशासनिक गतिविधियों को निष्पक्षता और गंभीरता से प्रस्तुत करते हुए इसने जनता और शासन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम तैयार किया है। क्षेत्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह संस्करण कुमाऊं की पत्रकारिता में एक विश्वसनीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मेरठ

मेरठ संस्करण की शुरुआत मेरठ 13 फरवरी 2007 में हुई थी। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक .ष्टि से समृद्ध मेरठ न केवल 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी के लिए जाना जाता है, बल्कि यह आज भी खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेरठ मंडल की राजनीतिक हलचलों, सामा. जिक बदलावों, प्रशासनिक

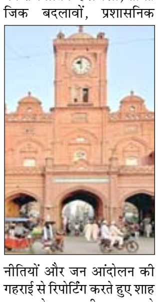

नीतियों और जन आंदोलन की गहराई से रिपोर्टिंग करते हुए शाह टाइम्स ने जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जुड़े पत्रकारिता व साहित्य के बड़े हस्ताक्षर

शाह टाइम्स की इस 25 वर्षों की रजत यात्रा में पत्रकारिता एवं लेखन के प्रसिद्ध हस्ताक्षर डॉ. मेहरुद्दीन खां, पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध श्याम अंजान और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलेश्वर सहित कई अन्य बड़े वरिष्ठ पत्रकारों और साहित्यकारों के उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग ने अखबार की सफलता को नई ऊंचाइयां दीं। जिसमें संपादकीय टीम के साथ तकनीकी टीम और अन्य स्टाफ का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बरेली

बरेली संस्करण की 18 जुलाई 2003 को में शुरुआत कर शाह टाइम्स ने रुहेलखंड क्षेत्र की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान रखने वाला बरेली, झुमका नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां का सर्जिकल, फर्नीचर व बांस उद्योग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण बरेली के विकास यात्रा का सजीव दस्तावेज बन चुका है।

लखनऊ

उप्र की राजधानी लखनऊ से 1 अगस्त 2009 आठवें संस्करण की शुरुआत की। अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और साहित्यिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और उद्योग के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है। अपनी निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण लखनऊ और उत्तर प्रदेश के विकास यात्रा का सशक्त साक्षी बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभागों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षक दिवस पांच सितम्बर को सभी शिक्षकों के लिए की गई कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषणा की गई थी। इस सुविधा का लाभ बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के साथ ही श्रम, समाज कल्याण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के शिक्षकों-कर्मचारियों को भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इन सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्धारित प्रोफार्मा पर सूचना मांगी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयां को इस योजना का लाभ मिलना था।

यूपी का रहस्यमयी मठ, जो भी अंदर गया, जिंदा नहीं बचा

बलिया। यूपी के बलिया में एक रहस्यमयी मठ है, जिसके अंदर जिसने भी प्रवेश किया, वह जिंदा नहीं बचा। इसकी मान्यता काफी अजीबो-गरीब है। यहां आज दिन तक कोई ऐसा मठाधीश नहीं रहा, जो जीते जी मठ से कभी बाहर निकला हो। इस मठ में खुद कपिलमुनि पांडेय ने तपस्या करते हुए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि कोई भी मठाधीश इस सीमा को पार न करे। तब से लेकर आज तक इस मठ की परंपरा और डर, दोनों बरकरार हैं। यहां के मठाधीश बाहर की दुनिया नहीं देख सकते हैं। यह रहस्यमयी मठ बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रकबा टोला गांव में है। इस मठ का नाम मुन जी बाबा की मठिया है। वर्तमान मठाधीश जयनारायण पांडेय के अनुसार वह इस परंपरा की आठवीं पीढ़ी में महंथ हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) कंप्यूटर पदों की भर्ती में गैर बीएड डिग्रीधारकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने पर सरकार से दो हफ्ते में जवाब तलब किया है। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने जौनपुर निवासी प्रवीन मिश्रा व अन्य की ओर से वर्ष 2024 में बने छठे संशोधन नियम और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2025 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती को चुनौती देने

सरकार की दलील मानने से किया इन्कार

वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पद पर नियुक्ति के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य है, जबकि राज्य सरकार ने इसे केवल वांछनीय योग्यता बताकर भर्ती की राह आसान करने की कोशिश की। कोर्ट ने साफ किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि छठे संशोधन नियम व आयोग के विज्ञापन में कहा गया कि कंप्यूटर शिक्षक के पद पर बीएड केवल वरीयता मानी जाएगी, अनिवार्य नहीं, जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक कंप्यूटर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए बीएड अनिवार्य योग्यता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि एनसीटीई की 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचना में बीएड को माध्यमिक स्तर के सभी अध्यापक पदों के लिए न्यूनतम योग्यता घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार इसे बदल नहीं सकती। वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2018 की भर्ती में बीएड योग्य अभ्यर्थियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। छात्रों के हित में संशोधन कर अधिक उम्मीदवारों को अवसर देने की कोशिश की गई। अदालत ने सरकार की दलीलों को मानने से इन्कार कर दिया।

यूपी के सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान शुरू

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य के सभी सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत विद्यार्थी खुद अपना परिसर सजाएंगे। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। सरकार की इस नई पहल के तहत अब सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान किया जाएगा, ताकि वो अपने परिसर को खुद सजा सकें और साफ-सुथरा रख सकें। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, साथ ही बागवानी के जरिए से पर्यावरण चेतना भी बढ़ाना है। श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास में टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत की जाएगी, पानी की टंकियों और नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूपी में आज रात से भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, वार्ता

पूरे प्रदेश में दो दिन तक अभी उमस और परेशान करेगी। सोमवार देर शाम से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। तापमान भी गिर सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्यांचल में सोमवार व मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वांचल में भारी या मध्यम बारिश हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार देर शाम से पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना है, जिसकी शुरुआत नेपाल बार्डर से सटे कुशीनगर व अन्य जिलों से हो सकती है। बारिश उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित होगी। तीन से चार दिन तक बारिश के आसार हैं। तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है, लेकिन रविवार और सोमवार को प्रदेश में छिटपुट

दो दिन और सताएगी गर्मी-उमस

बूंदाबांदी के बीच उमस परेशान करती रहेगी। सोमवार के बाद से पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं है। लो प्रेशर एरिया की वजह से सोमवार शाम से मध्यांचल में मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का खास असर देखने को नहीं मिलेगा। यूपी में बीते कुछ दिनों से भारी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा है। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से शाम तक धूप बनी रही।

चावल के दाने पर तस्वीर देख चौंके राहुल

रायबरेली, वार्ता

अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उस समय चौंक गए, जब उन्होंने अपनी तस्वीर चावल के एक दाने पर देखी। कलाकार ने अरहर के दाने पर भी राहुल की तस्वीर उकेरी थी। इसे देखकर राहुल गांधी ने कलाकार की जमकर तारीफ की। रायबरेली के कलाकार मो. नसीम ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चावल पर बनी तस्वीरें नेता प्रतिपक्ष को भेंट कीं।

कलाकार मो. नसीम ने बताया कि राहुल गांधी ने यह तस्वीरें देखकर कहा कि इतनी महीन कारीगरी कैसे कर लेते हैं? उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार आई, तो ऐसा सम्मान देंगे, जिसे आपने सोचा

रायबरेली के कलाकार ने गिफ्ट किया मोमेंटो

तक नहीं होगा। नसीम ने बताया कि 11 सितंबर को सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे तब उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर को चावल के एक दाने पर बनाया। दाल के दाने पर उन्होंने एक्रेलिक पेंट्स से राहुल गांधी की तस्वीर बनाई और उन्हें गिफ्ट की। नसीम ने बताया कि पिछले 25 वर्ष यानी 1999 से यह कलाकारी कर रहे हैं। 5 बार का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है। रायबरेली का नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया है। मो. नसीम ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी उनके हुनर की तारीफ की थी, सम्मान भी दिया था। मो. नसीम के घर पर इसी तरह से चावल के दाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित दिग्गज हस्तियों का चित्र बनाकर रखा ह। मो. नसीम ने बताया कि कई बार मुंबई में नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें सम्मानित किया है। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा का दाल के दाने पर चित्र बनाने के बाद उन्होंने भी अमेठी में मिलने के लिए उन्हें बुलाया है।

शुरुआत में राहुल गांधी को छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। राहुल गांधी के रायबरेली दौर को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें

नई दिल्ली, वार्ता

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें हिंदी देश की सबसे बड़ी आबादी में बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी फैसले को याद करते हुए 14 सितंबर 1953 को हिंदी दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारा देश मूलतः भाषा प्रधान राष्ट्र है। हमारी भाषाएं संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम रही हैं। हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी सहित सभी

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में बिहू के गीत, तमिलनाडु में ओवियालु की आवाज़, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति के पद, बंगाल में बाउल संतों के भजन, कजरी गीत और भिखारी ठाकुर का बिदेसिया - इन सभी ने देश की संस्कृति को जीवंत और कल्याणकारी बनाए रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि संत तिरुवल्लुवर के पद दक्षिण में उतनी ही श्रद्धा से गाए जाते हैं जितनी उत्तर में उन्हें रुचि के साथ पढ़ा जाता है और कृष्णदेव. राय दक्षिण में भी उतने ही लोक. प्रिय थे जितने उत्तर में। अमित शाह ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की देश भक्तिपूर्ण रचनाएं हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास हर भारतीय के लिए पूजनीय हैं और संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम में अनुवादित पाए जाते हैं।

सेंसेक्स 81101.32
निफ्टी 24868.60

सोना रु. 109707
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 128008
प्रति किलो

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा।

खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत शुक्रवार को बाजार बंद होने पर जारी किए गए थे। वहीं कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जाएगा। इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा। खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही। खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी। बीते

सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.94 अंक (1.48 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ शुक्रवार को 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1. 51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2. 10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.90 प्रतिशत मजबूत हुए। सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत के अधिक की तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा। ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े। निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज ऑटो का शेयर 6.99 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक में दो प्रतिशत के अधिक की साप्ताहिक तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 7. 15 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.57 फीसदी, इटरनल में 2.35 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलिवर में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपए में रही 17 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। रुपया बीते सप्ताह दबाव में रहा और ऐतिहासिक निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद 16.75 पैसे की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 88.26 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा गत सप्ताह गुरुवार को 88.35 रुपए प्रति डॉलर तक फिसल गयी थी। उसी दिन बीच कारोबार में यह 88.49 रुपए प्रति डॉलर तक भी लुढ़की थी। निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर लिवाली से रुपए पर दबाव रहा, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने से रुपए को कुछ समर्थन मिला और यह सप्ताहांत पर 88.26 रुपए प्रति डॉलर रहा।

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेलों में घटत-बढ़त, दालों के दाम बढ़े

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए, जबकि गेहूं में तेजी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गए।

घरेलू थोक जिस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपए कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपए प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 10 रुपए महंगा होकर 2,859.13 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी 24 रुपए बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंगफली तेल में 288 रुपए और वनस्पति में 112 रुपए प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। सूरजमखी तेल 70 रुपए और पाम ऑयल 140 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं सोयाबीन तेल 30 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम बढ़ गए। उड़द दाल में 42 रुपए और दाल मूंग में 38 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। तुअर दाल भी आठ रुपए महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 23 रुपए प्रति क्विंटल

बढ़ गई। चना दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में लगातार दो सप्ताह की नरमी के बाद फिर तेजी लौट आयी। गुड़ के औसत भाव करीब 54 रुपए प्रति क्विंटल और चीनी के 29 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7892.79 रुपए, मसूर काली 8115.39 रुपए, मूंग दाल 10089.95 रुपए, उड़द दाल 10446.72 रुपए, अरहर दाल 10571.89 रुपए प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.13 रुपए और चावल 3759 रुपए प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4329.01 रुपए और गुड़ 4980.74 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है।

यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितम्बर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है। अब महिलाएं भारी जेवर की बजाय हल्के जेवर ज्यादा पसंद करती हैं जिन्हें वे ऑफिस या घरों में भी रोजाना पहन सकें, न कि सिर्फ खास मौकों पर। इसलिए, लोग शादियों में भी हल्के जेवर दे रहे हैं। यह जेब के लिए किफायती भी है और फैशन पसंद युवा वर्ग के लिए बिल्कुल सही है। यही कारण है कि अब बड़े सेट ज्यादा नहीं बिक रहे हैं। ज्वेलरी डिजाइनर वालिया ने कहा कि हमारे देश में कुछ भी हो जाए, लोग शादी-विवाह में गहने जरूर देते हैं। लेकिन बजट को देखते हुए अब वे कैरेट पर समझौता कर रहे हैं। दक्षिण भारत में पहले 22 कैरेट से कम का सोना बिकता ही नहीं था, अब वहां भी 18 कैरेट का सोना बिकने लगा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ केरेट के सोने को भी हॉलमार्क देने का फैसला करते हुए सरकार ने अब उसकी बिक्री को भी मान्यता दे दी है। द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (टीबीजेए) के चेयरमैन रामअवतार वर्मा ने भी स्वीकार किया कि लोग अब पहले के मुकाबले कम सोना खरीद रहे हैं, लेकिन दाम इतने ऊंचे हैं कि व्यापारियों की आय बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सोने की कीमत अभी और बढ़ेगी, क्योंकि पहले भी दाम में कितनी ही तेज उछाल के बाद भी इसने कभी वापस मुड़कर नहीं देखा। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। उसका कहना है कि इस साल देश में सोने की खपत पांच साल के निचले स्तर पर 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। पिछले साल यह 802.8 टन रही थी। अप्रैल-जून तिमाही में खपत 10 प्रतिशत कम होकर 134.9 टन रही थी।

बॉर्डर खुला, चार दिन बाद दिखी चहल-पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सील रुपईडीहा बॉर्डर सुबह 10 बजे खोल दिया गया। इससे दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू हो गया।

कड़ी जांच के बाद ही सभी को आगे भेजा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच आईसीपी के पास लैंड पोर्ट में लगी ट्रकों की कतार भी करीब समाप्त हो गई। नेपाल में उपद्रव और बॉर्डर सील होने के कारण भारत-नेपाल व्यापार पांच दिन तक ठप रहा। इस दौरान भारत के निर्यातकों का करीब 22 करोड़

खत्म हुई ट्रकों की कतार, दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू

रुपए का टर्नओवर प्रभावित हुआ है। वहीं, लैंड पोर्ट प्रशासन को भी 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि नेपाल के हालात को देखते हुए ट्रकों से सामान्य शुल्क ही लिया गया। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में प्रतिदिन रुकने पर लगने वाला जुर्माना माफ कर दिया गया। आवागमन शुरू होने से शनिवार सुबह बॉर्डर पर रौनक लौटी। करीब 10 हजार लोग नेपाल से भारत आए। एसएसबी के अनुसार करीब पांच हजार नेपाली नागरिक भी यहां से नेपाल गए। साप्ताहिक अवकाश के कारण नेपाल में सरकारी कार्यालय बंद रहे। रविवार से सरकारी कार्यालयों के भी खुलने की उम्मीद है, जिससे हालात और भी सामान्य होंगे। बॉर्डर खुलने से स्थानीय व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बलराम मिश्रा, संरक्षक विजय मित्तल और रतन अग्रवाल ने बताया कि धीरे-धीरे व्यापार पटरी पर लौटने की उम्मीद है। व्यापारी नेताओं के अनुसार शनिवार को नेपाल से बड़ी संख्या में खरीदार रुपईडीहा बाजार आए। इससे एक दिन में करीब 50 लाख रुपए के कारोबार की उम्मीद है। नेपाली नागरिकों ने सबसे ज्यादा खाद्य पदार्थों की खरीद की।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

25 Years Anniversary

हल्द्वानी, सोमवार 15 सितम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 20 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

shahtimes2015@gmail.com | आश्विन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 | 22 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सूचना

सभी सम्मानित पाठकों और विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि **दैनिक शाह टाइम्स** के रजत जयंती विशेषांक के क्रम में आज का अंक 12 + 12 = 24 पृष्ठ का है।

–**व्यवस्थापक**

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को विरासत बनीं

■ सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हुई

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत की सात नई प्राकृतिक धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर के डेक्कन ट्रैप्स तथा आंध्र प्रदेश की तिरुमला पहाड़ियां प्रमुख हैं। इन सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हो जाएगी।

इनमें 49 सांस्कृतिक, 3 मिश्रित और 17 प्राकृतिक श्रेणी की धरोहरें शामिल हैं। यूनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडल भारत की इन जगहों के चयन पर बताया कि इन धरोहरों को सूची में शामिल किया जाना देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूची में शामिल सात नए स्थलों पर एक नजर–डेक्कन ट्रैप्स (पंचगनी और महाबलेश्वर, महाराष्ट्र), सेंट मैरी आइलैंड क्लस्टर का भूवैज्ञानिक धरोहर (उडुपी, कर्नाटक), मेघालयन एज गुफाएं (ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय), नगा हिल ओफियोलाइट (किफाइरे, नगालैंड), एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश), तिरुमला हिल्स का प्राकृतिक धरोहर (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), वरकला का प्राकृतिक धरोहर (केरल)। विगत 12 सितम्बर को किए गए औपचारिक ऐलान में कहा गया कि कुल सात प्राकृतिक धरोहरें सूची में जोड़ी गई हैं। यूनेस्को की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी धरोहर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले उसका टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में होना अनिवार्य है। यूनेस्को में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उनके इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

■ सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर जिताया, कुलदीप ने तीन विकेट लिए

दुबई। भारत ने एशिया कप के छठे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने 128 रन का टारगेट 16वें ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पाक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीत बल्लेबाजी चुनी और 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए साहिबजादा फरहान (40) और शाहीन अफरीदी (33) के अलावा कोई बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका। कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके। बुमराह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट पंड्या और वरुण चक्रवर्ती को मिला। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने 31-31 रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 47 रन बनाए।

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, मकानों में दरारें आईं

नई दिल्ली। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। भूकंप के बाद असम के कई जिलों में मकानों में दरार आ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें।

अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्रपेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल, भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था।

आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख आज

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए रविवार को ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं, तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितम्बर है।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना-2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच-परख के लिए एक अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं

असम में पीएम बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को दिया बढ़ावा, गरीबों को ठुकराया

गुवाहाटी, वार्ता

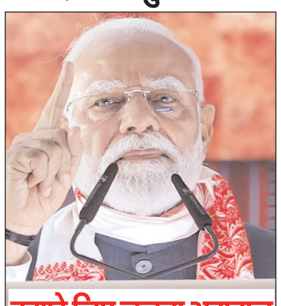

हमारे लिए जनता भगवान

■ मोदी ने 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भव: है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

■ पीएम ने असम बायो एथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं।

नासिक में सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है, जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितम्बर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन सेंटरों पर लगभग 60 लोग काम कर रहे थे। ये लोग इंटरनेट के माध्यम से कॉल करते थे, जाली नंबरों और दस्तावेजों का उपयोग करके नकली बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर पीड़ितों से क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारियां हासिल कर ठगी करते थे। सीबीआई ने नासिक और कल्याण में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ कम्प्यूटर, आठ फोन, फर्जी बीमा पॉलिसी, पांच लाख रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

लखनऊ में बड़ा विमान हादसा टला

■ उड़ान भरने से ठीक पहले रोकी गई फ्लाइट

■ सांसद डिंपल यादव समेत 151 यात्री थे सवार

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया, जब इंजन में तकनीकी गड़बड़ी से विमान को अचानक रोक दिया गया। यात्रियों की जान सांसत में आ गई। विमान को रनवे से वापस लौटाया गया।

यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना किया गया। वहीं इंजीनियरों की टीम देर तक विमान में गड़बड़ी का पता लगाती रही। मामला शनिवार सुबह का है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई-2111 चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 10.30 बजे के आसपास उड़ान भरकर 12.30 बजे तक दिल्ली पहुंच जाती है। सुबह विमान उड़ान के लिए तैयार था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। विमान रनवे पर पहुंचा। उसके इंजनों ने रफ्तार पकड़नी शुरू की। उड़ान से ठीक पहले इंजन थ्रस्ट लेते हैं, जिससे एक झटके में विमान जमीन छोड़कर हवा में आ जाता है। लेकिन, दिल्ली जाने वाली यह उड़ान रनवे से उड़ान ही नहीं भर पाई। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव और गोंडा के सपा नेता सूरज सिंह विमान में सवार थे। सूरज सिंह ने सोशल मीडिया पर मामले को साझा किया। उन्होंने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 2बी सीट मिली थी। वह विमान में सवार हुए। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद इंजनों को थ्रस्ट नहीं मिला। तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ। लिहाजा इंडिगो के विमान को वापस लौटा लिया गया, लेकिन तेज रफ्तार विमान को अचानक रोक देने से यात्रियों में दहशत पैदा हो गई। यात्रियों को शांत करवाकर दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। वहीं इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रनवे पर विमान आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसके चलते विमान की जांच करवाई गई। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रनवे से विमान को लौटाने के बाद इंजीनियरों की टीम ने खराबी तलाशी।

बसपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपा अहम दायित्व

■ सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व गुजरात में संगठन को करेंगे मजबूत

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर-चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डा. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर-पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर-छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी। सेक्टर-एक और सेक्टर-दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर-एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर-दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है।

हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट

■ कहा: ठोस कानून क्यों नहीं, चुनाव आयोग और केंद्र से तीन नवम्बर तक जवाब मांगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं, उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवम्बर तक जवाब मांगा है। पूछा है कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिये 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था। नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिये 271 करोड़ का लेन-देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं। याचिकाकर्ता की दलील में कहा गया है कि करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते।

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो का दावा

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बंकर में छिपे थे आसिम मुनीर

■ बोले- पाक एयर डिफेंस हमारी एक मिसाइल भी नहीं रोक पाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लो ने आगे कहा कि भारत ने 7 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। केजेएस ढिल्लो ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर से रोकी गई

■ यूपी में चार, हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया।

19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उप्र में बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4 फीसदी कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। राज्य में 12 सितम्बर तक 133फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है।

अभियंता दिवस के अवसर पर समस्त इंजीनियर्स को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ
सिंचाई खण्ड, अल्मोड़ा

समस्त अभियन्ताओं को अभियन्ता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राष्ट्रीय राजमार्ग, रानीखेत

इं. अशोक चौधरी
अधिशासी अभियन्ता
इं. के० एस० बिष्ट
सहायक अभियन्ता
इं. शेखर सिंह जड़ौत
सहायक अभियन्ता
इं. एम.एल. वर्मा
सहायक अभियन्ता
इं. पी.पी. गोस्वामी
सहायक अभियन्ता
इं. गिरीश चन्द्र पाण्डेय
सहायक अभियन्ता
इं. ललित शर्मा
अपर सहायक अभियन्ता
इं. पंकज कुमार
अपर सहायक अभियन्ता
इं. ललित मोहन अंगारी
अपर सहायक अभियन्ता
इं. पूजा बिष्ट
कनिष्ठ अभियन्ता

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. संजय पांडे
अधिशासी अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

निर्माण शाखा उत्तराखंड, पेयजल निगम बागेश्वर
इं. विपिन कुमार रवि
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

जगदीश चंद्र जोशी
सहायक अभियंता
जिला पंचायत बागेश्वर।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. चंद्रकांत टम्टा
नगर पालिका
बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

आनंद सिंह खोलिया
सहायक अभियंता
विद्युत वितरण खंड
बागेश्वर

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. नरेश कुमार
सहायक अभियंता
सिंचाई उप खंड कपकोट।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

इं. प्रमोद सिंह मेहता
कनिष्ठ अभियंता
उप खंड बागेश्वर।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

ग्रामीण निर्माण विभाग
बागेश्वर
इं. संजय भारती
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई
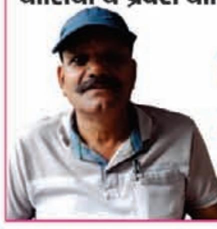
इं. महेश चन्द्र पंत
सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. ए. एस. देवड़ी
अधिशासी अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. दीनदयाल
सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

(जल संस्थान बागेश्वर)
इं. दिनेश चंद्र
अपर सहायक अभियंता।

अभियंता दिवस की समस्त जनपद वासियों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई

लघु सिंचाई विभाग बागेश्वर
इं. भरत सिंह रावत
अधिशासी अभियंता

जिला पंचायत अल्मोड़ा की ओर से इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
ई०, जगदीश प्रसाद
ई०, चंचल जोशी
ई०, देवेंद्र भंडारी
ई०, संजय कुमार
ई०, नीरु थापा
ई०, प्रेमा पाटनी
ई०, भावना आर्य
ई०, दिशा कल्पासी

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं० शचीन्द्र मोहन गुरुरानी
सहायक अभियंता
ग्रामीण निर्माण विभाग
प्रखंड भिकियासैंण।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. सौरभ जोशी
उप खण्ड अधिकारी
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. राजेन्द्र बेलवाल
उप खण्ड अधिकारी
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. अमित कटारिया
अधिक्षण अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. भाष्कर पाण्डेय
अधिशासी अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. भूपाल सिंह बिष्ट
अवर अभियंता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
द्वाराहाट।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. नीरज थापा
अवर अभियन्ता
उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन
चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. पंकज कुमार
अपर सहायक अभियन्ता
लघु सिंचाई, विकासखण्ड चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. पंकज कुमार
अपर सहायक अभियन्ता
लघु सिंचाई, विकासखण्ड चौखुटिया।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. ललित सिंह सिराड़ी
कनिष्ठ अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि० रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इं. राजेन्द्र कुमार चौधरी
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि० रानीखेत।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रान्तीय खण्ड रानीखेत
इं. दीप चन्द्र पाण्डेय
अधिशासी अभियन्ता
इं. अजय टम्टा
सहायक अभियन्ता

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पी.एम.जी.एस.वाई. खण्ड अल्मोड़ा
इं. अरविन्द सिंह रौथाण
अधिशासी अभियन्ता
इं. दीप चन्द्र पाण्डेय
सहायक अभियन्ता
इं. दीप चन्द्रा
अपर सहायक अभियंता
इं. भाष्कर पाण्डेय
कनिष्ठ अभियन्ता

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पेयजल निगम
घिंघारीखाल रानीखेत
इं. हिमांशु वर्मा
इं. जयपाल तोमर
इं. एम. एन. जोशी
इं. शंशाक कोठारी
इं. सुभाष कुमार
इं. पंकज सिंह रावत

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
निर्माण इकाई उत्तराखण्ड
पेयजल निगम
हरीश प्रकाश
इं. भीम राव निराला
इं. प्रीतम सिंह
इं. सुभाष बेलवाल
इं. नेहा रावत

उत्तराखंड के 21 परीक्षा केंद्रों में 7254 परीक्षार्थियों ने दी बीएड प्रवेश परीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा रविवार को आयोजित उत्तराखण्ड राज्य बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 राज्य भर के 21 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक आयोजित हुई। इस राज्य स्तरीय परीक्षा के लिए कुल 7 हजार 770 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था जिनमें से 7 हजार 245 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 516 अनुपस्थित रहे। दूसरी ओर नैनीताल स्थित कुविवि के डीएसबी परिसर में पंजीकृत 153 में से 142 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। उत्तराखण्ड राज्य बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2025 के नोडल अधिकारी एवं कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के कुल सचिव डा. मंगल सिंह मन्द्रवाल ने बताया कि परीक्षा के प्रदेश के सभी केन्द्रों पर सुचारू एवं शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न हुई। दूसरी ओर कुविवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने इस अवसर पर परीक्षा आयोजन में सहयोग देने वाले समस्त गुरुजनों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों विशेषकर परीक्षा संचालन टीम, प्रेक्षकों तथा केन्द्राध्यक्षों व कक्ष निरीक्षकों तथा सहयोगी स्टाफ को इस राज्य स्तरीय परीक्षा को सफल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए बधाई एवं धन्यवाद दिया। प्रो. रावत ने कहा कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय राज्य स्तरीय परीक्षाओं के संचालन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और भविष्य में भी परीक्षाओं के संचालन के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। दूसरी ओर कुविवि के डीएसबी परिसर नैनीताल में रविवार को आयोजित उत्तराखंड राज्य की बी एड प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। परिसर में बने केंद्र में कुल 153 परीक्षार्थी में से 142 ने परीक्षा दी। परीक्षा प्रात: 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक हुई तथा इस दौरान परिसर के गेट बंद रहे। प्रो. ललित तिवारी पर्यवेक्षक तथा नीरज सिंह सहायक पर्यवेक्षक रहे। डीएसबी परिसर के केंद्र प्रभारी डा. संतोष कुमार ने बताया कि परीक्षा नियमानुसार संपन्न हुई। परीक्षा संपन्न करान में डा. मनोज सिंह बिष्ट, डा. हिरदेश कुमार, डा. नेत्र पाल शर्मा, डा. भारती जोशी, डा. ऋचा पांडे, डीएस बिष्ट, अखिलेश कुमार, संजय बहुगुणा, रितेश कुमार, सीडी पंत तथा विकास, डा. नवीन पांडे, डा. नगमा, डा. उजमा, डा. प्रदीप तथा डा. अंचलेस ने सहयोग दिया।

हिन्दी को गर्व से अपनाएं: प्रो. मनमोहन चौहान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक चेतना परिषद प्रोफेशनल सोसाइटी द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर प्रवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों में हिंदी भाषा के महत्व और उसकी समृद्धि को उजागर करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत अक्षरांश-कविता लेखन प्रतियोगिता, प्रज्ञात्म-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (प्रथम एवं द्वितीय चरण), शास्त्रार्थ-भाषण प्रतियोगिता और कथा कल्पना-कथा लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण-पत्र और मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. आनंद सिंह जीना के स्वागत अभिभाषण से हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा होने के साथ-साथ हमारी संस्कृति और पहचान की अभिव्यक्ति है। हमें इसे न केवल सरल रूप में अपनाना चाहिए, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। भाषा के माध्यम से हमारी सोच, हमारी संस्कृति और हमारी संवेदनाएं स्पष्ट होती हैं। इसलिए छात्रों से मेरा आग्रह है कि वे हिंदी को गर्व के साथ अपनाएं और इसके प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएं। समिति की परामर्शदात्री डा. विनीता राठौर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डा. सुभाष चंद्र, निदेशक संचार डा. जेपी जायसवाल, प्रभारी शारीरिक शिक्षा डा. एनके सिंह, सह-अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. छाया शुक्ला, डा. अमित केसरवानी, डा. मनीन्द्र मोहन और आदर्श डंगवाल उपस्थित रहे।

एक नजर...

आबकारी विभाग ने पकड़ी कच्ची शराब

काशीपुर। संयुक्त आबकारी आयुक्त कुमाऊँ मंडल के आदेशानुसार चलाए गए अभियान के दौरान जिला आबकारी अधिकारी ऊधम सिंह नगर के नेतृत्व में दिवाकर चौधरी एक्साइज इंस्पेक्टर, क्षेत्र-03 काशीपुर के द्वारा लीड करते हुए समस्त टीम द्वारा ग्राम कलियावाला एवं रम्पुरा, काशीपुर में मुखबिर की सूचना के आधार पर दबिश दी गयी। छापेमारी के दौरान एक अभियुक्त से भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब बरामद की। अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत एक अभियोग दर्ज किया गया। इस अभियान में आबकारी निरीक्षक दिवाकर चौधरी, उप आबकारी निरीक्षक असीस सिद्दीकी, प्रधान आबकारी सिपाही, कैलाश भट्ट एवं आबकारी सिपाही कृष्णा चंद्र और सुनीता रानी कंबोज का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा।

पूर्व मंत्री ने आपदा क्षेत्रों का निरीक्षण किया

बागेश्वर। पूर्व मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल ने विधान सभा क्षेत्र कपकोट के पिंडर घाटी में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को सरकार द्वारा हर संभव मदद दिलाए जाने का भरोसा दिलाया। सांसद प्रतिनिधि बिक्रम शाही, भाजपा वरिष्ठ नेता लक्ष्मण देव सहित अन्य कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मंत्री प्रदेश उपाध्यक्ष बलवंत सिंह भौर्याल ने शनिवार को तल्ला वाछम, बदियाकोट सहित अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दैवीय आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उन्हें हर सम्भव सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही क्षेत्र में सड़क, पेयजल, बिजली, आदि के संबंध में मिलने वाली शिकायतों का अधिकारियों से वार्ता कर समाधान करने के निर्देश दिए। भ्रमण में विक्की देवली, लोकपाल दानू, ग्राम प्रधान दिनेश दानू, कमला आर्या, आनंद राम मौजूद रहे।

20 नाली भांग की खेती नष्ट की

बागेश्वर। जिला पुलिस ने एक बार फिर 20 नाली भांग की खेती की नष्ट की। लोगों को नशे के दुष्प्रभाव, भांग की खेती ना किये जाने की अपील की गई। पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर व कपकोट के निर्देशन में प्रभारी कोतवाली बैजनाथ उ.नि. प्रताप सिंह नगरकोटी एवं कोतवाली बैजनाथ पुलिस टीम द्वारा ग्राम पिंगलो क्षेत्र में करीब 2 नाली भांग की खेती को नष्ट किया गया। इसी क्रम में थाना कपकोट पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सूपी, तरसाल पतियासार मे करीब 18 नाली भांग की खेती को नष्ट किया। इस दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय ग्रामीणो को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत नशे का सेवन ना करने, नशे के दुष्प्रभाव, भांग की खेती ना किये जाने की अपील की गई। मानस नेशनल नार्कोटिक्स हेल्पलाइन पोर्टल (1933) के बारे में आमजन को जानकारी दी गई। किसी भी प्रकार के नशा तस्करी की सूचना डायल 1933 पर देने को जागरूक किया गया।

विक्टोरिया और शिव शक्ति की जीत

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में विक्टोरिया प्रीमियर लीग प्रतियोगिता जारी है। रविवार को प्रतियोगिता के नौंवे दिवस दो मुकाबले खेले गए। जिसमें विक्टोरिया क्लब और शिव शक्ति की टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता का पहला मुकाबला अल्मोड़ा क्रिकेटर्स और विक्टोरिया क्लब के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अल्मोड़ा क्रिकेटर्स ने निर्धारित ओवरों में 158 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में उतरी विक्टोरिया की टीम ने धुआधार बल्लेबाजी करते हुए महज 13.3 ओवरों में लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। वहीं, दूसरे मुकाबले में शिव शक्ति की टीम ने जेआर फाइटर्स की टीम को हराकर प्रतियोगिता के अलगे चक्र में प्रवेश किया। मैच में अम्पायर की भूमिका में सत्येन्द्र कुमार सिंह व शमशाद अल्वी रहे। स्कोरर की भूमिका में मयंक और अभय ने निभाई। यहां क्लब के अध्यक्ष मनोज सिंह पवार, अनिल टम्टा, किशन लाल, जगदीश चौहान, ललित कनवाल, रोहित भट्ट, गौरव कुमार, दीप चंद्र जोशी, पप्पू जोशी, अनिल कनवाल, सूरज परिहार, नरेंद्र बगड़वाल, आबिद अली, संजय वर्मा, संगम पांडे, प्रकाश जोशी, मदन रावत, शंकर जोशी, राजेंद्र राणा, अतुल वर्मा, उज्ज्वल जोशी आदि रहे।

पंतनगर विश्वविद्यालय के चार छात्रों ने आईसीएआर पीजी परीक्षा के टॉप 10 में

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। पंतनगर विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के चार छात्रों ने आईसीएआर पीजी प्रवेश परीक्षा 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 10 रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। निहारिका पांडे (एआइआर-3), नंदिका बजाज (एआइआर-6), रिया (एआइअर-8) और दिव्या लिंगवाल (एआइआर-9) ने इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्राप्त की है। यह फेलोशिप उन्हें देशभर के आईसीएआर मान्यता प्राप्त कृषि विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने इस उपलब्धि पर छात्रों को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता और मेहनती विद्यार्थियों का प्रमाण बताया। महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अलका गोयल ने कहा कि यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है और यह साबित करती है कि पंतनगर विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और प्रतिभा मौजूद है।

गांधी पार्क में सरकार के खिलाफ दिया धरना

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। तीन सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर उत्तराचंल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन मुखर हो गया है। रविवार को संगठन से जुड़े शिक्षकों और कर्मचारियों ने गांधी पार्क में धरना दिया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर जल्द समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि गोल्डन कार्ड में कई विसंगतियां हैं, जिनका अब तक निदान नहीं हो सका है। वहीं, फारगो नियमावली की विसंगति के चलते भी शिक्षक व कर्मचारी परेशान हैं। गोल्डन कार्ड की विसंगति दूर करने, सीजीएचएस के तहत लंबित भुगतान, फारगो नियमावली विसंगति निराकरण, शिथिलीकरण शासनादेश उपरांत पदोन्नति, टीईटी की बाध्यता खत्म करने, स्थानांतरण एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन, अशासकीय स्कूलों में नियुक्त प्रक्रिया, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, बेसिक शिक्षकों के प्रकरणों का निस्तारण, प्रधानाचार्य व प्रवक्ता के रिक्त पदों पर पदोन्नति आदि की मांग की। धरना प्रदर्शन में गोकुल मेहता, रमेश पांडे, डा. मनोज कुमार जोशी, दिगम्बर फुलोरिया, पंकज पांडेय, एमएस राजपूत, बीआर आगरी, नंदन सिंह रौतेला, भगवत सिंह सतवाल, सुरेश नैनवाल, धीरेंद्र कुमार पाठक, संजय जोशी, तारा बिष्ट, निधि डांगी, गणेश भंडारी, दीपक तिवारी, कैलाश उपाध्याय, गिरिजा भूषण जोशी आदि मौजूद रहे।

सीधी भर्ती नियमावली की तिलांजलि

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्यो की सीधी भर्ती के खिलाफ शिक्षकों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को राजकीय शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने सीधी भर्ती नियमावली को तर्पण देकर प्रतियां जल में प्रवाहित की। सरकार से जल्द भर्ती को रद कर पदोन्नति से भरने की मांग उठाई। वहीं, विरोध में 17 सितंबर को सीएम आवास कूच करने का ऐलान किया। नगर के गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने संकल्प लिया कि जब तक शिक्षकों की न्यायोचित मांगों का निस्तारण नहीं किया जाता तब तक असहयोग आंदोलन जारी रहेगा। शिक्षकों ने कहा कि वर्तमान में राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड अपने प्रमुख मांगों पदोन्नति, प्रधानाचार्य सीधी भर्ती

निरस्त करने, स्थानांतरण लागू करवाने के साथ ही विभाग व शासन में वर्षों से लंबित 34 सूत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहा है। लेकिन सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। शिक्षकों ने माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्यो की सीधी भर्ती को रद कर पूर्ण रूप से पदोन्नति से भरने की मांग उठाई। जनपद कार्यकारिणी अल्मोड़ा में सभी सदस्यों से आह्वान किया कि आगामी 17 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास कूच कार्यक्रम को सफल बनाए। यहां कार्यक्रम में राजकीय शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष भूपाल सिंह चिलवाल, जिलामंत्री राजू महरा, बीडी पंत, खुशहाल महर, बृजेश डसीला, राजेंद्र खरायत, हुकुम सिंह पलियाल, वीरेंद्र सीजवाली, चारू जोशी, ललित तिवारी, हीरा सिंह डोबाल, हीरा सिंह बोरा, कैलाश सिंह डोलिया, चंचल सिंह पपोला, दीप जोशी, दीप पांडे, सुरेश वर्मा, किशन खोलिया, जनार्जन तिवारी, कमल गोस्वामी, डा. प्रकाश पंत, भारत भूषण जोशी, नितेश कांडपाल, देवेश बिष्ट, राधा लसपाल, पूनम भंडारी, पंकज भट्ट, घनश्याम पांडे, चंदन महरा, वीरेंद्र नेगी, गौरव नेगी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

2151 ने दी सीडीएस और एनडीए की परीक्षा

अल्मोड़ा। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित सीडीएस और एनडीए की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा में कुल 3072 अभ्यर्थियों में से 2151 ने परीक्षा दी, जबकि 921 ने परीक्षा छोड़ी। जिला मुख्यालय के विभिन्न केंद्रों में सुबह-शाम तीन पालियों में परीक्षा संपन्न कराई गई, जिसमें एनडीए की पहली और दूसरी पाली की परीक्षा में पंजीकृत 1843 में से 509 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, जबकि तीसरी पाली में सीडीएस की परीक्षा संपन्न हुई। इसमें कुल पंजीकृत 1229 में से 817 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 412 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। नोडल अधिकारी सीईओ अत्रेश सयाना ने बताया कि जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों में परीक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल तैनात किया गया था।

सरकार के साथ बाबा रामदेव का पुतला फूंका

कांग्रेस ने एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के नाम पर घोटाले का आरोप लगाया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग ने राज्य सरकार की सह पर मसूरी में जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के नाम पर घोटाला करने का कांग्रेस ने आरोप लगाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार ने बाबा रामदेव और उनके सहयोगी बालकृष्ण के साथ मिलकर टेंडरों के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये का महाघोटाला किया हैं। जिसका पूरे राज्यवासी विरोध करते हैं। रविवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगत डसीला के नेतृत्व में कार्यकर्ता एसबीआईए तिराहे पर एकत्र हुए। यहां नारेबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने सरकार व बाबा रामदेव एवं उनके सहयोगियों का सामूहिक पुतला दहन किया। कहा कि उत्तराखंड में सत्ता मद में चूर होकर

भाजपा सरकार के मुखिया पुष्कर सिंह धामी, बाबा रामदेव और बालकृष्ण को जनता का पैसा लुटा रहे है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घोटाले को लेकर कांग्रेस आम जनता के बीच में जाएगी। सरकार के घोटालों को उजागर करेगी। इस मौके पर हरीश त्रिकोटी, कुंदन गिरी, रमेश सिंह, ईश्वर पांडे, दान सिंह, बालकृष्ण, प्रदीप, नवीन मौजूद थे। **अल्मोड़ा।** उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा मसूरी स्थित जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के नाम पर बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के साथ मिलकर किए गए हजारों करोड़ रुपये के कथित घोटाले के विरोध में रविवार को रानीखेत कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के तहत रविवार को रानीखेत के गांधी चौक में धामी सरकार, बाबा रामदेव और बालकृष्ण का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और इस महाघोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की। शाम करीब 04 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं होती, तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, महिला ज़िलाध्यक्ष गीता पवार, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, नगर अध्यक्ष चिलियानौला कमलेश बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज जोशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, सभासद सुंदर कुवार्बी, विश्व विजय सिंह माहरा, विनीत चौरसिया, विजय तिवारी, नवीन बोरा, हर्षित किरौला आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चुनाव के बहिष्कार का ऐलान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। नगर व्यापार संघ बागेश्वर की रविवार को आपातकालीन बैठक हुई। बैठक में जिला व्यापार संघ और प्रदेश व्यापार संघ द्वारा मनमानी और अवैध तारीखे से चुनाव प्रकिया चलाये जाने का विरोध किया गया। साथ ही जिला व्यापार संघ द्वारा कराये जा रहे नगर व्यापार संघ के चुनाव का सामूहिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान नगर व्यापार संघ का कार्यकाल आगामी 2 अक्टूबर तक है। वर्ष 2022 के चुनाव का हिसाब अभी तक नगर व्यापार संघ को नहीं दिया गया है। कहा कि सविधान के अनुसार वर्तमान चुनी हुई कमेटी के कार्यकाल समाप्त होने में अभी एक माह शेष है। जबकि अभी मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति और सदस्यता भी नहीं करवाई गई है।

जिला व्यापार संघ द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। नगर के व्यापारियों की वार्षिक सदस्यता शुल्क 100 रुपये हैं, जबकि जिला व्यापार संघ बागेश्वर द्वारा अवैध रूप से 150 रूपये की पर्ची काटी जा रही हैं। इसके साथ ही कई खामियों के बीच जल्दबाजी में चुनाव कराए जाने का नगर व्यापार संघ बहिष्कार करती है। बैठक में कवि जोशी अध्यक्ष नगर व्यापार संघ बागेश्वर, हेम जोशी उपाध्यक्ष, पुष्कर किरमोलिया सचिव, राहुल साह सह सचिव, जगदीश कार्की कोषाध्यक्ष, पंकज पांडे, शेर सिंह बिष्ट, नितेश कुमार वर्मा, नन्दन कुमार, दयाल पांडे, रमेश दानू, जगदीश रावल, पंकज, महेश अधिकारी, हरीश जीना, कमल किशोर, सुनील पांडे, अंकुर उपाध्याय, रोहित कांडपाल, अंकित गोयल, नीरज रावत, सोनू कुम्लटा, नन्दन नगरकोटी, जगदीश नेगी, उदित सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

शिविर में पर्यावरण का महत्व समझाया

बागेश्वर। द हंगर प्रोजैक्ट नई दिल्ली के तत्वाधान में स्वयंसेवियों द्वारा विकास खंड गरुड़ के 8 इंटर कालेज व 2 जूनियर हाईस्कूलों में छात्र छात्राओं को शिविर के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन को समझना होगा। समय रहते इसकी परवाह नहीं की गई तो आने वाले समय में जीवन बहुत कठिन होगा। जिसका सर्वाधिक बुरा प्रभाव प्राकृतिक जलस्रोतों पर पड़ेगा। इसके साथ जंगलों में आग न लगाने, अधिक मात्रा में पेड़ लगाने व पेड़ो का दोहन न करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे। जबकि संस्था की ओर से बसंती कपकोटी, बिमल सिंह, मंजू बोरा, लक्ष्मी राणा आदि मौजूद थे।

शिक्षकों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उदयराज हिंदू इंटर कालेज में आयोजित हिंदी दिवस पर विद्यालय के हिंदी शिक्षक शिक्षिकाओं को प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता तथा वरिष्ठ प्रवक्ता मेजर मुनीशकांत शर्मा द्वारा बुके और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री गुप्ता समेत शिक्षक शिक्षिकाओं ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता महेश चंद्र आर्य ने कहा कि हिंदी के इतिहास में भारतेंदु हरिश्चंद्र बालकृष्ण भट्ट मैथिलीशरण गुप्त रामधारी सिंह दिनकर, सूर तुलसी रसखान तथा प्रसाद, पंत निराला वर्मा जैसे छायावादी कवियों का महत्त्वपूर्ण

योगदान रहा है। मनोज कुमार विश्नोई प्रेम प्रकाश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं शिक्षक कवि शुभम लोहनी ने अपनी ओजमयी कविताओं से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। संचालन हिंदी शिक्षिका रंजना चौहान ने किया। इस अवसर पर हिंदी प्रवक्ता दिनेश चंद्र गोस्वामी, रामचंद्र सिंह, मनोज कुमार शर्मा, सुनील कुमार उपाध्याय, विजय पाल सिंह चौहान, कौशलेश गुप्ता, कपिल भारद्वाज, अनिल कुमार सिंह, मुकेश पाल, प्रमोद कुमार सिंह, नीलम सूंठा, कल्पना नौडियाल, पूनम चंयाल, एकता अग्रवाल, मनीषा चौहान समेत शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

डांडिया नाइट में आएंगी मानुषी छिल्लर

काशीपुर। ज्ञानार्थी कॉलेज परिसर में 26 सितंबर 2025, शुक्रवार को भव्य डांडिया नाइट का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार कार्यक्रम शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, संगीत और डांडिया नृत्य की मनमोहक झलकियां देखने को मिलेंगी। विद्यार्थियों और नगरवासियों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। निदेशक डॉ. मनोज मिश्रा ने बताया कि मानुषी छिल्लर की उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा को चार चाँद लगाएगी।

हिंदी मैंने तुझको ढूंढा...

हिंदी मैंने तुझको ढूंढा,
हिंदी के पखवाड़ों में।
तेरे नाम का शोर मचाते,
सम्मेलन में नारों में।

नेमप्लेट इंग्लिश में होती,
घर-कोठी के द्वारों में।
हिंदी की दुकान लगाते,
ये पश्चिम के बाजारों में।

मजबूरी में तुझे टांगते,
आफिस की दिवारों में।
तेरे नाम का बजट मांगते,
सत्ता के गलियारों में।

लेकिन मैंने तुझको देखा,
गीतों में स्वरधारों में।
माता की ममतामयी लोरी,
पापा की दुलारों में।

स्कूलों की सुबह प्रार्थना,
बच्चों की कतारों में।
लोकनृत्य लोकगीत में,
कविता राग, मल्हारों में।

तुझे रोज पढ़ता है वीरा,
हिंदी के अखबारों में।
कवियों की कविताओं,
हिंदी साहित्यकारों में।

गोविन्द कश्यप 'वीरा', हल्द्वानी।

ज़मीन की धोखाधड़ी लाखों का चूना लगाया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। प्लाट बेचने के नाम पर पांच लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की गुहार एएसपी से लगाई गई है। मौहल्ला खालसा निवासी संदीप सक्सैना पुत्र कृष्ण कुमार सक्सेना ने एएसपी अभय सिंह को प्रार्थना-पत्र सौंपकर बताया कि ग्राम रम्पुरा काशीपुर निवासी एक व्यक्ति ने ग्राम सरवरखेड़ा में स्थित एक प्लाट उसे दिखाया और खुद को उसका मालिक बताते हुए पांच लाख रूपये में बेचने का सौदा किया। इस पर 30 नवंबर 2022 को बयाने के रूप में अपने मोबाइल से ऑनलाइन साठ हजार रुपये उक्त व्यक्ति को अदा किये तथा तय किया गया कि उक्त व्यक्ति अपने उक्त प्लाट की रजिस्ट्री 30 मई 2023 तक करा देगा और उक्त सौदे की कुल बची रकम चार लाख चालीस हजार रूपये बैनामे से पूर्व या बैनामे की तिथि पर अदा कर दी जाएगी। प्रार्थना-पत्र में संदीप ने बताया कि 30 मई 2023 से पूर्व उसने शेष रकम चार लाख चालीस हजार रूपये ऑनलाइन व नकद उक्त व्यक्ति को अदा कर दी और उक्त प्लाट की रजिस्ट्री कराने को कहा लेकिन उक्त व्यक्ति के द्वारा टालमटोल करते रकम प्राप्त करने के बावजूद भी उक्त प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करायी गयी। शक के चलते उक्त प्लाट की जानकारी निकाली गई तो पता चला कि उक्त प्लाट किसी अन्य के नाम पर है, जो कि राजस्व रिकार्ड में भी दर्ज है। संदीप ने धोखाधड़ी कर पांच लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए उक्त व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गुहार एएसपी से लगाई है।

जलभराव से निजात, मेयर का धन्यवाद

कौशांबी कालोनी में महापौर दीपक बाली का स्वागत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। विकास की दूरदर्शी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल मार्गदर्शन में महापौर दीपक बाली द्वारा काशीपुर के कराए जा रहे चहुमुंखी विकास से अभीभूत होकर कौशांबी कॉलोनी के लोगों ने महापौर का शानदार अभिनंदन कर शहर के विकास हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अभिनंदन समारोह में कौशांबी कॉलोनी के दर्जनों स्त्री पुरुषों ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अकथनीय सहयोग के चलते महापौर दीपक वाली जिस तेजी से शहर में विकास कार्यों को धरातल पर उतार रहे हैं उसके चलते साफ दिखाई दे रहा है कि अब काशीपुर बदल रहा है। जल भराव की समस्या का जिस तरह से महापौर ने समाधान कराया है उसके

लिए हम उन्हें साधुवाद देते हैं। उधर महापौर ने कहा कि यह सब आपके ही आशीर्वाद का परिणाम है क्योंकि आपने ही मुख्यमंत्री की बात का मान रखते हुए मुझे मेयर की कुर्सी पर बैठाया है और अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मैं जनता की सेवा में जुटा हुआ हूं। मैं जितना कहता हूं उतना करता हूं। महापौर ने कहा कि कॉलोनी वासी जब भी चाहेंगे वह तब तब उनके बीच आएंगे। स्वागत करने वालों में कमलेंद्र चौधरी, मंजू यादव, कुलदीप सिंह, ओम प्रकाश, अशोक कुमार अग्रवाल, गुरदेव सिंह, पराग तायल, मनोज शर्मा, अमित जैन, अनिल पंत, यशवीर यादव, विनोद ठाकुर, अवनीश शर्मा, रमेश अरोड़ा, पार्षद रवि प्रजापति सहित अनेक लोग मौजूद रहे। संचालन सुरेंद्र सिंह ने किया।

तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर में प्रतियोगिताएं

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज द्वारा विद्या भारती की 37वीं प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन राधेहरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा मैदान में किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड के

13 स्कूलों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. सुमिता श्रीवास्तव प्राचार्या राधेहरि डिग्री कालेज, डॉ. विजयपाल सिंह प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखण्ड रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल के महत्व को भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के अध्यक्ष सत्यप्रकाश गुप्ता ने की। इस दौरान जीडी मठपाल प्रबंधक, सुरेन्द्र सिंह जीना कोषाध्यक्ष, डॉ. रजनीकांत शुक्ल प्रांतीय मंत्री, त्रिवेन्द्र सिंह प्रधानाचार्य, डॉ. यशपाल रावत, महानंद शर्मा, गोपाल कृष्ण, महेश चन्द्र शर्मा, नत्थीलाल बंगवाल, सुरेशानन्द जोशी, इन्द्रपाल परमार, रविन्द्र रावत, अब्बल सिंह तोपाल, मनोज रयाल, शैफाली पाण्डे व कार्यालय प्रमुख सुरेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

जमीन में गड़े ड्रम से शराब बरामद

दो भाई घर की दीवार फांदकर फरार, गिरफ्तारी के लिए दबिशें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुखानी पुलिस ने घर ने आंगन से भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद हुई। लेकिन अवैध कच्ची शराब की तस्करी करने वाले दो सगे भाई अंधेरे का फायदा उठाया और घर की दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिस ने एक घर के अंदर रखे बेड के नीचे दबे ड्रम से 250 पाउच कच्ची शराब बरामद कर उसे अपने कब्जे में ले लिया, साथ ही फरार चल रहे दोनो भाईयों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई शुरू करते हुए उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे है। बता दे कि एसएसपी पीएन मीणा के निर्देश के बाद जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम व तस्करों की गिरफ्तारी के कड़े निदेश दिए गए है। इसी के तहत नशा व शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते शनिवार की रात्रि मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी की मुखबिर की सटीक सूचना मिली की क्षेत्र के कंजर बस्ती, पीपल के पेड़ के पास, कलावती बैंकट हॉल फतेहपुर गुजरौड़ा के पास एक घर में शराब की तस्करी की जा रही है। सटीक सूचना पर मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी ने मय टीम के साथ बताए गए स्थान पर छापेमारी की। लेकिन पुलिस की भनक लगते ही शराब तस्कर दोनो भाई अंधेरे का फायदा उठाकर घर की दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिस ने जब घर के अंदर की तलाशी ली तो पास में पड़ा बेड देखा। पहले तो कुछ समझ नहीं पाई फिर पुलिस ने बेड को हटाकर देखा तो जमीन खुदी हुई थी। पुलिस को शक हुआ और वहां पर खोदा तो एक नीले रंग का ड्रम मिला जिसमें कच्ची शराब की 250 पाउच बरामद हुए। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। शराब तस्करी में फरार चल रहे दोनो संगे भाई अरुण आर्या पुत्र हरीश राम, व करन आर्या पुत्र हरीश राम निवासी फतेहपुर गुजरौड़ा की गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकाने में दबिश दे रही है। बताया जा रहा कि फरार चल रहे दोनों शराब तस्कर भाईयों के खिलाफ पहले से ही छह आबकारी अधि. नियम के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इधर मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी ने बताया कि फरार दोनों भाईयों की तलाश की जा रही है। दोनों के खिलाफ गुंडा अधिनियम की कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों से निर्देश मिले हैं। आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

सिंथिया में 'बाघेंन' का मंचन आज

हल्द्वानी। भाव राग ताल नाट्य अकादमी, पिथौरागढ़ द्वारा पहाड़ के पलायन की पीड़ा पर आधारित प्रसिद्ध नाटक बाघेंन का मंचन कल यानि आज सोमवार को शाम 6 बजे सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मुखानी, हल्द्वानी में किया जाएगा। सिंथिया स्कूल के निदेशक डा. प्रविंद्र रौतेला ने बताया कि नवीन जोशी की कहानी पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण प्रीति रावत ने किया है और निर्देशन कुमार कैलाश द्वारा किया गया है। नाटक संवेदनशील और मर्मस्पर्शी कथानक के साथ पहाड़ी जीवन, पलायन और जड़ों से जुड़े रहने के संदेश को प्रमुखता से प्रस्तुत करता है। नाटक को अब तक दिल्ली, कोलकाता सहित देश के कई शहरों में सराहा गया है। हाल ही में 12 सितंबर को खटीमा में हुए शो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने बताया यह नाटक पहाड़ी संस्कृति, जीवनशैली और जमीनी सच्चाइयों को दर्शाने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपने मूल से जुड़ने का संदेश देता है।

पाकिस्तान से मैच पर उबाल

बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारत-पाकिस्तान के मध्य होने वाली क्रिकेट मैच के विरोध में विभिन्न लोगों ने रविवार को बीसीसीआई और मोदी सरकार का पुतला फूंकते हुए आक्रोश जाहिर किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान के साथ मैच कराने का औचित्य है। पाकिस्तान के पाले आतंकवादियों ने पहलगाव में 28 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी और न जाने हमारे देश के कितने वीर जवानों को शहीद किया है। इतना सब होने के बावजूद बीसीसीआई और मोदी सरकार पाकिस्तान के साथ मैच करवा रही है। पाकिस्तान और भारत के बीच मैच करवा कर बीसीसीआई और मोदी सरकार ने देश का अपमान किया है। पुतला फूंकने वालों में मन्नू गोस्वामी, लक्ष्मीकांत, विनोद कुमार पिन्नु आदि शामिल रहे। इधर, पाकिस्तान के साथ खेले जा रहे क्रिकेट मैच के खिलाफ शिवसेना कार्यकर्ताओं ने कालाढूंगी चौराहे पर बीसीसीआई और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान कुमाऊं मंडल प्रमुख हेमंत कुमार भईयू ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने देश को झकझोर कर रख दिया है। हाल ही में हुए पहलगाम हमले में माताओं-बहनों का सिंदूर उजड़ गया, मासूमों का खून बहाया गया। ऐसे में पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना शहीदों और पीड़ितों का अपमान है। उन्होंने कहा कि पुलवामा 2019 और पहलगाम 2025 जैसे हमलों के बाद भी भारत-पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेले, यह अस्वीकार्य है। राज्य उप प्रमुख रूपेंद्र नागर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सरकार शहीदों और महिलाओं के सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं के हत्यारों के साथ क्रिकेट खेलने की अनुमति देती है, यह दोहरी नीति नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि संवेदना और आत्मसम्मान का विषय है। प्रदर्शन करने वालों में दीपक राजपूत, मनोज गुप्ता, अभिषेक कश्यप, सूरज आर्या, मुकेश बिष्ट, पूरन सागर, मोनू सिंह, सचिन नागर, प्रदीप पाठक, अभिषेक कुमार, राहुल कश्यप कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

सेवा पखवाड़ा में आपदा प्रभावितों की मदद करेगी मंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड कृषि उत्पादन मंडी बोर्ड ने प्रदेश में आई आपदा को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस (16 सितंबर) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर सेवा कार्यों के तहत व्यापक राहत और सहयोग अभियान चलाने की घोषणा की है। मंडी बोर्ड के अध्यक्ष डा. अनिल डब्बू ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि मंडी परिषद के सभी कर्मचारी एक दिन का वेतन आपदा राहत कोष में देंगे, वहीं मंडियों से जुड़े व्यापारियों के सहयोग से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राशन वितरित किया जाएगा। डा. डब्बू ने जानकारी दी देते हुए बताया कि 16 सितंबर को सभी मंडियों में चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। जबकि 17 सितंबर को मंडियों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी और किसान भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि आपदा से कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है। इस स्थिति में उत्तराखंड मंडी बोर्ड एक करोड़ रुपये की सहायता राशि का चेक 16 सितंबर को मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान करेगा। डा. डब्बू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 1200 करोड़ रुपये की आपदा राहत सहायता के लिए आभार जताया और सभी वर्गों से इस कठिन समय में अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की।

सड़क के लिए आंदोलन की रणनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ग्राम पंचायत रानीबाग में रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत सदस्य ज्योति डसीला ने की। जबकि संचालन उपप्रधान पवन साह द्वारा किया गया। बैठक में रानीबाग तिराहा से रॉयल एनफील्ड शोरूम तक की जर्जर सड़क की समस्या पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय साह ने कहा कि इस सड़क की खस्ता हालत की जानकारी कई बार राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को दूरभाष के माध्यम से दी जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व प्रधान आनंद कुमार कुजरवाल ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ तो क्षेत्र की जनता को साथ लेकर आंदोलन किया जाएगा। उपप्रधान पवन साह ने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि अब वहां सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को हर रोज जाम और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि जल्द ही सड़क सुधार का कार्य शुरू नहीं हुआ तो राष्ट्रीय राजमार्ग हल्द्वानी के अधिशासी अभियंता का घेराव कर आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा। बैठक में वन पंचायत सरपंच जानकी टाकुली, कमल बिष्ट, मोहन बुद्धलाकोटी, धीरज पंत, हरीश सिंह, नीरज नौगाई, संदीप थापा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

घटना को अंजाम देने की फिराक में एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में अवैध तमंचा लेकर घूम रहे एक युवक पुलिस ने गांधी इंटर कालेज स्थित मोर्चरी के पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की रात्रि मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी, कांस्टेबल जगदीश भंडारी व मोहम्मद अजहर के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी गांधी स्कूल स्थित मोर्चरी के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। जो टीम को देख भागने लगा, शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी करते उसे दबोच लिया। जिसकी जामातलाशी के दौरान 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान पकड़े गये युवक ने अपना नाम तपन दास पुत्र विनोद दास निवासी ऊंचापुल कृष्णा कालोनी हल्द्वानी बताया। आरोपित के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

शिक्षकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानाचार्य सीधी विभागीय भर्ती के विरोध और शत-प्रतिशत पदोन्नति की मांग को लेकर तर्पण कार्यक्रम के तहत राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने रविवार को विधायक सुमित हृदयेश से मुलाकात की और ज्ञापन देकर अपनी मांगों पर समर्थन प्रदान करने का अनुरोध किया।

शिष्टमंडल ने प्रधानाचार्य पद पर सीधी विभागीय भर्ती को पूर्ण रूप से निरस्त करने, प्रधानाचार्य पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति व्यवस्था लागू करने और स्थानांतरण नीति में आवश्यक सुधार किए जाने की मांग की। विधायक सुमित हृदयेश ने शिक्षक संघ की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और तत्काल समर्थन पत्र जारी करते हुए सरकार से आग्रह किया कि संघ की इन न्यायसंगत मांगों पर शीघ्र और सकारात्मक कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज ही शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है और उनकी जायज मांगों की अनदेखी किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से सरकार के समक्ष उठाएंगे। संघ के पदाधिकारियों ने विधायक के इस सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय लेगी। इस दौरान मदन गिरी गोस्वामी, कविता कपकोटी, महेश जोशी, गोकुल मर्तोलिया, गिरीश कांडपाल, राजेंद्र सिंह परवाल, विवेक पांडे, राजेश बेलवाल, कन्नू जोशी, प्रमोद चंद्र भट्ट, त्रिलोक बृजवासी, धीरेंद्र मिश्रा, प्रमोद जोशी सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

युवक पर दुष्कर्म का आरोप

घर में घुसकर जबरन बनाए शारीरिक संबंध

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक महिला ने एक युवक पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने और उस समय धोखे से लिए गए अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देने के आरोप लगाया है। पीडिता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर सौंपी, पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कार्यवाई शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थानाक्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली एक विवाहिता महिला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि कुछ समय पहले नई बस्ती वार्ड-27 में रहने वाला राहुल सागर नामक युवक उसके घर में उस समय घुसा जब वह घर में अकेली थी। आरोप है कि युवक ने उसे अकेला पाकर जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और धोखे से अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर भाग निकला। आरोप है कि युवक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है और शारी. रिक संबंध न बनाने पर सोशल मीडिया में वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का आरोप है युवक तीन चार साल से लगातार उसे परेशान कर रहा है। जिससे वह काफी तंग आ चुकी है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरु कर दी। इधर कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर दबिश दी जा रही है, शीघ्र उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बढ़ते अपराधों से शिवसैनिक चिंतित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संगठन को मजबूत बनाने और विस्तार के लिए शिवसेना महानगर इकाई की एक बैठक कुमाऊं मंडल के सचिव पदमपाल के आवास पर संपन्न हुई। इसके साथ ही शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

बैठक में शिवसेना महानगर मंत्री दीपक राजपूत के नेतृत्व में कुमाऊं द्वार टैक्सी मालिक एवं चालक कल्याण समिति काठगोदाम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत नेगी, मनोज आर्या उपसचिव, गोविंद सिंह बिष्ट सदस्य, बॉबी गोस्वामी को सदस्य चुने जाने प्रदेश उपप्रमुख रूपेंद्र नागर उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। बैठक में शिव सैनिकों ने शहर में बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता जताई, अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था, बिना सत्यापन के शहर में व्यापार कर रहे लोगों को लेकर, शराब, महानगर में बढ़ते सड़क हादसे, अराजकता नशाखोरी जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी मंथन किया गया। इस मौके पर शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार, जिलाध्यक्ष त्रिलोक सिंह, सरजू प्रसाद पांडे, सुनील गुप्ता, अशोक सिंधी, सुशील गुप्ता, सुनील गुप्ता, प्रमोद आर्य, अभिषेक कश्यप, चंदन सिंह राणा, पुरुषोत्तम सिंह, राजू गुप्ता, नरेश कुमार, मुकेश बिष्ट, पंकज जायसवाल, आयुष वार्ष्णेय, कुलदीप पाठक, सूरज आर्या, रोहित सूरी, गुरुवंश आहूजा, अशोक कुमार, सागर कश्यप, सरदार मोनू सिंह, करन कश्यप, अक्षय मौर्य, रिंकू राजपूत, कमलेश कुमार सहित कई शिव सैनिक मौजूद थे।

सरकार जगाने के लिए थाली बजाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बागजाला गांव में अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी के नेतृत्व में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 28वें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने अपनी मांगों की अनदेखी कर रही प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ इस बार थाली बजाकर विरोध जताया। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने कैंडल मार्च, वाहन रैली, भैंस के आगे बीन बजाना और मोबाइल फ्लैश लाइट मार्च जैसे प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन कर चुके है। धरना स्थल पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ भी किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आठ सूत्रीय मांगों को लेकर 20 सितंबर को बुधपार्क, हल्द्वानी में भूमि अधिकार सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में नैनीताल जिले के सभी प्रभावित लोगों को बुलाया जाएगा, जहां एकजुट होकर आंदोलन की नई रणनीति तैयार की जायेगी। धरना प्रदर्शन में डा. उर्मिला, वेद प्रकाश, आनन्द सिंह नेगी, अंबेडकर मिशन के अध्यक्ष जीआर टम्टा, सुंदर लाल बौद्ध, एडवोकेट गंगा प्रसाद, कमला लटवाल, डा. कैलाश पांडेय, रईस अहमद, रियासत अली, प्रेम सिंह नयाल आदि मौजूद रहे।

विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल / जिला न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल के निर्देशन में सिविल जज (सी.डि.)/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल पारुल थपलियाल के द्वारा रविवार को हिंदी दिवस के मौके पर ज्योलीकोट स्थित नेन्सी कॉन्वेंट स्कूल व नेन्सी नर्सिंग कॉलेज में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम सिविल जज (सी.डि.)/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिक साक्षरता एवं जगरूकता शिविर का शुभारंभ किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर में बताया गया की हर वर्ष 14 सितंबर को पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषा के महत्व, प्रतिष्ठा और प्रचार प्रसार को रेखांकित करना है। इसी दिन वर्ष 1949 में भारत की संविधान सभा ने हिन्दी को भारत संघ की राजकीय भाषा के रूप में स्वीकार किया था तभी से यह दिन हिन्दी भाषा के गौरव का प्रतीक बन गया है। शि. विर मे सचिव द्वारा नशा उन्मुलन, साइबर अपराध, पॉस्को अपराध के बारे मे भी विस्तार पूर्ण विधिक जानकारी दी गई।जागरुकता शिविर मे हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर विषय राष्ट्रीय जीवन में हिन्दी का महत्व, एकता के लिए हिन्दी को जोड़ना, हिन्दी के माध्यम से विधिक जागरूकता का प्रचार पर छात्र छात्रों द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। शिविर में प्राविधिक स्वयंसेवक उमा भंडारी द्वारा हिंदी दिवस व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के क्रियाकलापों के बारे मे विस्तार पूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में रिटेनर अधिवक्ता तारा आर्या द्वारा नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के बारे मे जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंतिम सत्र मे सिविल जज (सी.डि.)/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता तथा कविता पठान के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी देकर पुरस्कृत किया गया। शिविर में यशवंत कुमार, अंबिका तथा प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षक व शिक्षिकायें उपस्थित रही।

सामाजिक सरोकारों को समर्पित रहेगा पीएम का जन्मदिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन बड़े पैमाने पर करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता मज़हर नईम नवाब ने बताया कि यह कार्यक्रम सामाजिक सरोकारों को समर्पित रहेगा और देशभर में विविध सेवा गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाएगा। श्री नवाब ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन जनता की सेवा को समर्पित रहा है। उनके जन्मदिवस पर भाजपा प्रत्येक वर्ष सेवा पखवाड़ा आयोजित करती है, जिसके माध्यम से न केवल रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और जनसेवा जैसे कार्यक्रम संचालित होते हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने और उन्हें उसका लाभ दिलाने का कार्य भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस सेवा पखवाड़ा में भाजपा के सभी अनुषांगिक संगठन और मोर्चे सक्रिय भागीदारी करेंगे। यह न केवल प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को यादगार बनाता है, बल्कि जनता की सेवा कर एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। श्री नवाब ने यह भी बताया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जन्मदिन 16 सितम्बर को है। इस अवसर पर भी जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हिंदी को पहले व्यवहार मे बरतना जरूरी: प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हिंदी दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को हिंदी राजभाषा, शिक्षण, रोजगार, भविष्य और चुनौतियां विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को स्थान दिलाने के प्रयास तभी सफल होंगे, जब हम अपने दैनिक व्यवहार में हिंदी का प्रयोग शुरू करें। प्रो. लोहनी ने कहा कि आज़ादी के 76 साल बाद भी हिंदी को सही मायनों में राजभाषा नहीं बनाया जा सका है। मंत्रालयों अदालतों और सरकारी दस्तावेजों में आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व है। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने प्रचार सामग्री में हिंदी के उपयोग की पहल की, जिससे दुनियाभर में हिंदी का संदेश गया। कुलपति ने बताया कि विवि की वेबसाइट का हिंदी संस्करण जारी करने का उद्देश्य भी यही है कि विद्यार्थियों में अपनी भाषा के प्रति आत्मगौरव और आत्मविश्वास जगे। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया की हिंदी को खुले दिल से अपनाने की ज़रूरत है, शुद्धतावादी आग्रहों से भाषा के बोलने वाले घट सकते हैं। कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार में दिए जा रहे योगदान की भी सराहना की गई। प्रो. लोहनी ने बताया कि मेरठ विश्वविद्यालय में रहते हुए उन्होंने प्रवासी साहित्य को हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल किया था। इस अवसर पर प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. जितेंद्र पांडे, प्रो. राकेश चंद्र रयाल, डा. शशांक शुक्ला, डा. सुशील उपाध्याय, डा. नरेंद्र सिजवाली आदि मौजूद रहे।

हजारों की नगदी समेत सटोरिया धरा

हल्द्वानी। सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए बनभूलपुरा पुलिस ने एक सटोरिये को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से हजारों की नगदी व सट्टे की पर्चियां बरामद हुई। जानक. ारी के अनुसार बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील कुमार के नेतृत्व में शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीते शनिवार की रात्रि एसआई जगवीर सिंह मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी गश्त के दौरान टीम ने रिजवान पुत्र शाहिद निवासी निषाद स्कूल के पास इंदिरानगर बनभूलपुरा को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। जिसकी तलाशी के दौरान सट्टे की पर्चियां, पैन व 13480 रूपये की नगदी बरामद हुई। सटोरिये के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

16 गोल्ड समेत 27 पदक जीते

दिल्ली में उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 8 से 11 सितंबर तक आयोजित 14वीं नेशनल वोविनाम चौंपियनशिप में वोविनाम एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 27 पदक जीते। उत्तराखंड टीम ने 16 गोल्ड, 5 सिल्वर और 6 ब्राउन मेडल अपने नाम किए। महासचिव विनोद लखेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखंड की बालिका वर्ग की खिलाड़ियों ने अलग-अलग वेट कैटेगरी में दमदार प्रदर्शन किया। जिसमें उत्तराखंड के बालिकाओं में करुणा लखेरा अपरा. जिता श्रीवास्तव, तनिष्का परिहार, पलक, गायत्री सिंह प्रेरणा उत्प्रेती, दीपिका आर्य, सानिया बढई, ने अपनी अलग-अलग वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल, प्राप्त किया सुनंदा रावत, कृतिका रावत, एवं कुमकुम बिष्ट ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया, वहीं बालक वर्ग में मोहित जोशी, आर्यन कुमार टमटा, तरुण साह, अभ्युदय शर्मा, हर्षित कुमार, सिद्धार्थ कोशियारी, मोहित सिंह मेहता, निहाल शर्मा ने गोल्ड मेडल, प्राप्त किया। हिमांशु बसेड़ा, कार्तिकेय पाल, विवान पांडे, ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। जबकि कृष्ण कुमार, अजय शर्मा, मानस सिंह बिष्ट, अभिराज सोनावले, सिद्धार्थ जोशी, आयुष बर्मन, ने ब्राउन मेडल प्राप्त किए। उन सभी खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर वोविनाम संगठन का उत्तराखंड के कार्यकारिणी अध्यक्ष हिमांशु कुलेठा, अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत, टीम कोच अनीता लखेरा, टीम मैनेजर अमित चौधरी, शिवानी गुप्ता, कृष्ण कुमार, यतेंद्र सिंह, प्रकाश पांडे, सुमन साह, शालिनी भट्ट ने बधाई दी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

महिला का पीछा करने वाले युवक को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। पिछले एक माह से एक युवक द्वारा एक महिला का पीछा कर छेड़खानी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। परेशान होकर महिला ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। वहीं पुलिस ने घटना से संबंधित मामले अभियोग दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला ने थाने में शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि पिछले लगभग एक माह से उसे अनहद फैक्ट्री के ऑफिस जाते समय महतोष क्षेत्र के हाईवे पर एक युवक अपनी मोटरसाइकिल से उसका पीछा करता है और उसके साथ अश्लील इशारे भी करता है। कई बार जबरदस्ती महिला को मोटरसाइकिल पर बैठाने का प्रयास भी किया है। महिला के साथ की गई छेड़खानी को गंभीरता देखते हुए पुलिस ने अभियोग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर थानाध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में रविवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भाखड़ा पुल के पास आरोपी युवक मोहम्मद गुड्डू पुत्र मोहम्मद यामीन निवासी सरवर खेड़ा को मय मोटरसाइकिल की गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास एक नाजायज चाकू भी बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर न्यायालय के समक्ष भेजने की तैयारी कर रही है।

ग्रामीण इलाकों को नशा मुक्त करेगी पुलिसः एसपी सिटी

■ **नशा मुक्ति के लिए किया जाएगा एंटी ड्रग कमेटी का गठन**

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नशा मुक्ति अभियान के तहत एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि ग्रामीण इलाकों को नशा मुक्त करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा एंटी ड्रग कमेटी गठित की जाएगी व नशा कारोबारियों को चिन्हित कर उनकी चल अचल संपत्ति को अधिग्रहण किया जाएगा।

रविवार को ग्राम मझोला में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा द्वारा नशा मुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन किन्ही कारणों से वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उधम सिंह नगर एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने तय समय पर पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में चल रहे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए नशा तस्करों को चिन्हित किया जाएगा और उनकी चल अचल संपत्ति का अधिग्रहण होगा, जिसके लिए ग्रामीण इलाकों में पुलिस विभाग द्वारा एंटी ड्रग कमेटी गठित की जाएगी जो ग्रामीणों के साथ मिलकर कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि नशा कारोबारी की जानकारी देने वालों की गोप. नीयता बनाई जाएगी। इस दौरान खटीमा कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी ने ग्रामीणों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी की जानकारी साझा की और बचने के उपाय बताएं।

वहीं मझोला ग्राम प्रधान पति मुकेश सक्सेना ने नशे से हो रही लगातार मौतों पर और सत्रह मील चौकी में स्टाफ की कमी पर भी चिंता जाहिर की।

वहीं रघुलिया बनगवां के पूर्व प्रधान गुरदयाल सिंह ने ग्राम सभा में चल रहे नशे के कारोबार पर कार्रवाई की मांग की, जिससे कि युवा पीढ़ी को बचाया जा सके। जिन नशा कारोबारियों पर मुकदमे दर्ज है उन पर गैंगस्टर की कार्यवाही किए जाने की उन्होंने मांग की।

कार्यक्रम का संचालन सोनू राय और अध्यक्षता एसएसआई ललित मोहन रावल ने किया। इस दौरान मौके पर एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, खटीमा सीओ विमल सिंह रावत, कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी, एसआई ललित सिंह बिष्ट, सहायक एसआई पूरन चन्द्र पांडेय, ग्राम ग्राम प्रधान दिव्या सक्सेना, प्रधान प्रेम सिंह, गौरी शंकर, पूर्व प्रधान कांता प्रसाद आदि मौजूद रहे।

एक नजर

विधायक उमेश का हिंदू संगठनों ने फूंका पुतला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आज जोरदार नारेबाजी के बीच खानपुर के विधायक उमेश कुमार के पुतले को आग के हवाले किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गत दिनों बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को हरिद्वार में जानकारी मिली कि एक पिकप में गौ मांस ले जाया जा रहा है जब कार्यकर्ताओं ने वाहन का पीछा किया तो चालक तेजी से वाहन भगाने लगा कुछ आगे जाकर वाहन एक गौवंश से टकराकर रूक गया।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जब मौके पर वाहन की तलाशी ली तो उसमें गौमांस भरा मिला। मामलें की जानकारी पुलिस को दी गई। तभी विधायक उमेश कुमार कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंच गये और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को धमकी देते हुए वाहन में बैठे हुए लोग बचाने लग गये। साथ ही गौमांस से भरे वाहन को आग लगाकर साक्ष्यों को मिटाने का प्रयास किया। जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि हिन्दू विरोधी तत्वों को बर्दाशत नहीं किया जाएगा। पुतला फूकने वालों में राजेन्द्र सिंह मेहरा,जिला मंत्री राजेंद्र सिंह मेहरा, रमेश सिंह बिष्ट, वीरेंद्र यादव, पीयूष, नगर उपाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह,हरीश यादव, प्रिंस कोहली, अर्चना सिंह, बिदुलता गुप्ता, सचिन मलिक, विशाल कोहली, अलका अरोरा,सुदेव दास गुप्ता,संजय कोली, गौरव मिश्रा, अभिषेक शर्मा, सचिन शर्मा,मनीष कश्यप,चंद्रपाल,सनी मौर्य,पिंकू मौर्या, पुष्पेंद्र मौर्य,शिवम मौर्य,पूजा लटवाल,कल्पना सक्सेना आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रति किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देश भर में सेवा पखवाड़ा अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसको लेकर भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश से सह संयोजक भारत भूषण चुघ बरा मंडल के गांव सरकड़ा पहुंचे। जहां उन्होंने सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को जानकारी दी।

उन्होंने कहा की सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्तिकरण और समर्पण के भाव से जोड़ने का बेहतरीन अवसर है। श्री चुघ ने का यह कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ताओं का ही नहीं बल्कि नागरिकों के लिए संदेश है कि सब मिलकर शहर प्रदेश और देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा इस कार्यक्रम के माध्यम से सेवा परमो धर्म को सार्थक करते हुए गरीब और वंचित समाज के उत्थान के लिए कार्यकर्ता सेवा कार्य करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता, वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, खेलकूद प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों की जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन और सरकार द्वारा आयोजित जनकल्याणकारी योजनाएं जनता के समक्ष रखी जाएगी। श्री चुघ ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर कार्यकर्ता, वृद्धजनों, अनाथों, गरीबों और दिव्यांगजनों की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं ताकि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम साकार हो सके। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सत्यवान, उपाध्यक्ष सेवाराम आर्य, चंद्रपाल गंगवार ,नसीम खान, परमजीत सिंह, अहमद हुसैन ,पुष्पेंद्र सिंह, सलीम अहमद, गुरविंदर सिंह, सुख चैन सिंह, राम सिंह, रमेश बाबा, रक्षपाल सिंह, राशिद खान, यूनिस खान, फुरकान खान ,जसवीर सिंह, तस्लीम खान ,चंद्रशेखर ,समीर खान, लालता प्रसाद ,मनजीत सिंह, जसवंत सिंह समेत तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक का संचालन मण्डल महामंत्री राम सिंह गिल ने किया।

भूमि पूजन के साथ महानगर की प्रमुख रामलीला की तैयारियां शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। नगर की प्राचीन मुख्य बस स्टैंड वाली रामलीला मैदान में भूमि पूजन के साथ ही तैयारियां युद्धस्तर पर प्रारम्भ हो गयी है। सगड़ा कहलाने वाली इस रस्म में पंडित वेद प्रकाश नें धार्मिक मंत्रेच्चार के बीच विधिविधान से भूमि पूजन संपन्न कराया।

इस वर्ष की श्रीराम लीला में प्रभु श्रीराम चन्द्र जी का किरदार निभाने वाले समाजसेवी मनोज अरोरा एवं हनुमान जी का किरदार निभाने वाले समाजसेवी सुशील गाबा सहित समस्त रामलीला कमेटी एवं श्री रामनाटक क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों नें भूमि पूजन में प्रतिभाग किया। श्रीरामलीला कमेटी के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बताया कि सगड़े की इस रस्म के तहत श्री रामलीला के लिए भूमि पूजन किया जाता है ताकि आयोजन सफलता पूर्वक हो, भगवान श्री राम का आशीर्वाद मिले, नकारात्मक ऊर्जा दूर हो, और भूमि की समृद्धि हो। यह आयोजन के सभी बाधाओं को दूर करने और भक्तों के लिए सुख-शांति की कामना के साथ -साथ रामलीला को भव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होता है। महामंत्री विजय अरोरा नें कहा कि भूमि की समृद्धि और शुद्धिकरण के रूप में भूमि पूजन देवी भूमि और वास्तु पुरुष की पूजा है, जिसका उद्देश्य भूमि को शुद्ध करना और उसकी समृद्धि सुनिश्चित करना है।समन्यवयक नरेश शर्मा ने कहा कि इस प्राचीन एवं भव्य परंपरा से नई पीढ़ी को जोड़कर इनई पीढ़ी को भगवान राम के आदशों से परिचित कराना है। भूमि पूजन इस प्रयास की शुरुआत का प्रतीक है।

श्री राम नाटक क्लब के अध्यक्ष विशाल भुड्डी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रभु श्रीराम जी के जीवन चरित्र के दर्शन कराती रामलीला के मंचन के लिये स्थानीय युवा एक माह से अभ्यास कर रहें है। इस हेतु पात्र वितरण, अभ्यास, नये दृश्यों के समावेश से लेकर लीला को हर हालत में रात्रि 9 बजे से लेकर रात्रि डेढ़ बजे की समयसीमा के अंदर ही मंचन करनें को नाटक क्लब संकल्पबद्ध है।इस दौरान श्रीरामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष अमित गंभीर, उपाध्यक्ष विजय जग्गा, राकेश सुखीजा, मोहन लाल भुड्डी, महावीर आजाद, अमित अरा. ेरा बोबी, आशीष ग्रोवर आशू, गौरव राज बेहड़, राजेश छाबड़ा,जगदीश टंडन, गौरव तनेजा, हरीश सुखीजा,आशीष ग्रोवर आशू, प्रेम खुराना, मनोज मुंजाल, अनिल तनेजा, सचिन मुंजाल,आशीष मिड्क्का, विजय विरमानी, रमन अरोरा, संजीव आनंद,अमित चावला, हरीश अरोरा, ओम प्रकाश अरोरा, देवी शंकर अग्रवाल टिल्लू, राजकुमार कक्कड़, गौरव जग्गा, रामकृष्ण कन्नौजिया, मनोज गाबा, सौरभ राज बेहड़, मोहक अरोरा, सुभाष तनेजा, सनी आहूजा, सचिन आनन्द, आयुष्मान सुशील गाबा आदि मौजूद थे।

विधायक ने किया रामलीला मैदान में सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विधायक शिव अरोरा ने विधायकनिधि से स्वीकृत इंद्रा कॉलोनी रामलीला मैदान मे रामलीला मंच व आस पास सौंदर्यकरण के कार्य का नारियल फोड़कर लोकार्पण किया, इससे पहले रामलीला मैदान मे रामलीला प्रारम्भ होने से पूर्व ध्वज स्थापना व भूमि पूजन हुआ तो वहीं शिव नाटक क्लब ने जानकारी दी। 19 सितंबर को इंद्रा कॉलोनी मे रामलीला प्रारम्भ होंगी, जिसका उद्धघाटन विधायक शिव अरोरा द्वारा किया जाएगा। वही ध्वज स्थापना व भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा भी शामिल रहे। उन्होंने कहा प्रभु श्री राम के जीवन पर आधारित रामलीला मंचन से पूर्व आज यहां सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है, तो वहीं पिछले साल रामलीला के पवित्र मंच से कमेटी के आग्रह पर यहां पर सौंदर्यकरण कार्य की घोषणा की थी, कि इस साल नए आकार व नये रंग में रामलीला का मंच नजर आएगा और रामलीला मैदान में हुए सौंदर्यकरण कार्य को देख मन को काफी आत्म संतोष मिला। इस दौरान जगदीश सुखीजा, नरेश घई, सुरेंद्र घई बब्लू, जीतू गुलाटी, बिट्टू अरोरा, जोली कक्कड़, वेद ठुकराल,विजय कुमार, किशन सुखीजा, प्रदीप कामरा, हरबंस ठुकराल, मदन लाल कक्कड़, सुमित छाबड़ा, किरन विर्क, चेतन अरोरा, सन्नी घई, मोहन अरा. ेरा, सजीव भसीन, अवतार खुराना,राजकुमार भुसरी, जगमोहन अरोरा, डम्मी चोपड़ा, अरुण अरोरा, प्रवीण बत्रा, राजदीप बठला राजीव भसीन, विकास सागर, मनोज मदान, ममता जीना, रेनू जुनेजा, महेंद्र आर्य, मयंक कक्कड़ जसवंत सैनी,विजय पारुठी, नरेश राजपूत, दीपक देवल आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध बंदूक, जिंदा कारतूस के साथ एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों व अवैध शस्त्र हथियार रखने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के दिशा निर्देश समय-समय पर दिए जाते हैं। इसी क्रम में गदरपुर पुलिस को टेलीफोन पर एक सूचना मिलती है कि महिला को उसके ससुराल वाले परेशान कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और उसे पुलिस की मदद की आवश्यकता है। सूचना के बाद पुलिस हरकत में आ गई और सकेनिया चौकी प्रभारी मय टीम के ग्राम फतेहगंज पहुंचे तो मौके पर बलराम सिंह के घर के बाहर गेट पर एक व्यक्ति खड़ा था, जिसके हाथ में एक देसी बंदूक 315 बोर की थी, जिसे मौके पर ही पकड़ लिया। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम करतार सिंह पुत्र बलराम सिंह निवासी फतेहगंज बताया। तलाशी लिए जाने पर उसके पास से जेब में रखे काले रंग के बैग में दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुए। पकड़े गए युवक से असलाह का लाइसेंस मांगे जाने पर लाइसेंस नहीं दिखा पाया और असलाह अवैध पाया गया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह चौहान, उप निरीक्षक मुकेश मिश्रा, कांस्टेबल जीवन फुलेरा, कॉन्स्टेबल विजेंद्र नेगी मौजूद रहे।

बाजपुर से थराली गांव के लिए राहत सामग्री का एक ट्रक रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य के निर्देश पर किसान कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी और ज्येष्ठ उप प्रमुख रनजीत सिंह सोनू के द्वारा बाजपुर विधानसभा से थराली गांव के लिए आपदा पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री के एक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

राहत सामग्री का एक ट्रक रवाना करने में किसान कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी और ब्लॉक अध्यक्ष पवन शर्मा, नगर अध्यक्ष सत्यवान गर्ग, जिला पंचायत सदस्य फुरकान अहमद, ज्येष्ठ उप प्रमुख रनजीत सिंह सोनू श्रीनिवास गर्ग पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिल सैन, हरमीत सिंह, हाजी अमीर अहमद, जसवंत सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंचम सिंह, नितिन बिष्ट, राजेंद्र सिंह, बृजेश यादव, सोनू सिंह, गुरु प्रताप काका सिंह, रवि बंसल, मतलूब, पूर्व प्रधान भगवान सिंह, गुड्डू, अधिक से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरएएन किड्स में मची हिंदी दिवस की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। आरएएन किड्स स्कूल के प्रांगण में कक्षा 2 का हिंदी दिवस "हिंदी - एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज" बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन विंग कमांडर ए के राय, विशेष अतिथि लीना काण्डपाल, प्रधानाचार्या भूरारानी ब्रांच भावना भनोट एवं एडवाइजर रेखा कर्नाटक द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

सर्वप्रथम विद्यालय की हैड मिस्ट्रेस गरिमा घई ने सभी अतिथियों व माता-पिता का स्वागत किया। कक्षा 2 के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गणेश वंदना, योगा-करो योग रहो निरोग, प्राकृतिक खाद्यान अपनाओ, उपमन्यु की कहानी (नाट्य मंचन), शास्त्रीय नृत्य, महाभारत की प्रस्तुति (नृत्य), हिंदी दिवस की धूम इन्धनुषीय रंग के रंग आदि प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के चेयरमैन विंग कमांडर एचके राय ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की । कार्यक्रम में माता-पिता के लिए कई खेलों का आयोजन किया गया तथा उपहार प्रदान किए गए। विद्यालय की एडवाइजर रेखा कर्नाटक ने हिंदी दिवस पर अपने विचार प्रकट किए। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती कांडपाल ने विद्यार्थियों के प्रयास को बहुत सराहा। अंत में प्रधानाचार्या श्रीमती भनोट ने सबका आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों के प्रयास को बहुत सराहा । अंत में प्रधानाचार्या ने सबका आभार व्यक्त किया।

हिंदी दिवस पर नवोदय विद्यालय में हुए कार्यक्रम

■ **हिंदी हमारी राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है: प्रधानाचार्य पांडे**

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के परिसर में हिंदी दिवस पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार पांडे की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका संचालन आरबी सिंह राणा ने किया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के आदेश के क्रम में किया गया।

इस अवसर पर आरबी सिंह राणा, पैनल अध्यक्ष का सहाना बेगम तथा प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार पांडे ने हिंदी दिवस के उपलक्ष में अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। वहीं प्रधानाचार्य पांडे ने कहा कि हिंदी केवल हमारी मातृभाषा और राजभाषा ही नहीं बल्कि यह राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यालय में बच्चों द्वारा निबंध लेखन एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वहीं विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकर्ताओं द्वारा गुड टच बेड टच, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, नशे के दुष्परिणाम, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिन्ह एवं राष्ट्रीय निशान, नशे के दुष्परिणामों एवं नशे से दूर रहने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी देकर बच्चों को जागरूक, सचेत और प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर पीएलवी विमल कुमार, प्रभु दयाल, भगवती राणा, लाल सिंह ठग्गो देवी, कमल गोस्वामी, पिंकी, मीरा देवी, माया, प्रीति, आशा रानी, गीता शर्मा, मंजू बिष्ट तथा विद्यालय के स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

उत्तराखंड क्रांति दल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

■ **पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों का किया गया स्वागत**

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में रविवार को उत्तराखंड क्रांति दल के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी की अध्यक्षता में पार्टी की एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में अन्य संगठनों से आए कार्यकर्ताओं हरेंद्र प्रसाद उर्फ बाबा, हरीश खोलिया तथा तेज सिंह सामंत ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। वहीं लंबे समय से निष्क्रिय चल रहे पार्टी के कार्यकर्ता शिव शंकर भाटिया ने घर वापसी की। इस दौरान पार्टी को मजबूत करने के लिए टूल्स प्रबंधन करने की सहमति बनी।

वहीं बैठक में तय किया गया कि सप्ताह के प्रत्येक रविवार को उत्तराखंड को बचाने के लिए संघर्ष करने और चलो गांव की ओर अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पार्टी की बैठक भी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन संतोष मेहरोत्रा ने किया। बैठक में शिवलाल रस्तोगी, भवानी शंकर उर्फ कमल, गोविंद सिंह बिष्ट, शहाबुद्दीन अंसारी तथा कैलाश भट्ट आदि उपस्थित रहे।

अज्ञात युवक का मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। रविवार सुबह नगर के बिजटी चौक के समीप उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पेट्रोल पंप से कुछ मीटर की दूरी पर एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने चौराहे के पास स्थित एक खाली मैदान में युवक का शव पड़ा देखा। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद उप निरीक्षक कैलाश देव, सिपाही चंद्रप्रकाश व अशोक बोहरा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को सुरक्षित कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार, मृतक युवक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। शव की स्थिति देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि मौत करीब एक दिन पहले हुई होगी। मृतक के चेहरे और गले पर सूजन के निशान भी देखे गए हैं, जिससे संदेह और गहरा गया है। उप निरीक्षक कैलाश देव ने बताया कि युवक के कपड़ों में कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। आसपास के थानों और चौकियों में गुमशुदगी की रिपोर्टों को भी खंगाला जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस ने किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है, लेकिन शव की हालत को देखते हुए हत्या की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा रहा है। मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और जल्द ही घटना से जुड़े तथ्य सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है। दिनदहाड़े शहर के व्यस्त क्षेत्र के समीप शव मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कम्प मचा है।

देहरादून में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में नानकमत्ता के केजेएम स्कूल के चार बच्चे सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में नगर के केजेएम सीनियर सेकेंड्री स्कूल के चार छात्र व छात्राओं को सम्मानित किया गया है। रविवार को केजेएम सीनियर सेकेंड्री स्कूल नानकमत्ता के चार छात्र- छात्राओं गरिमा जोशी, लक्षद्वीप सिंह ,रोहित जोशी, सचिन आर्य जिन्होंने हाइस्कूल परीक्षा 2025 में हिंदी विषय में 100 में से 100 प्राप्त किए ,उनको उत्तराखंड भाषा संस्थान देहरादून में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि माननीय भाषा मंत्री उत्तराखंड सुबोध उनियाल , कृषि मंत्री उत्तराखंड गणेश जोशी ,वरिष्ठ सलाहकार एवं संस्थापक वैली ऑफ वर्ड्स संजीव चोपड़ा ने सभी छात्र- छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर कैलाश चंद्र जोशी, प्रधानाचार्य महेश जोशी सिंह ,प्रधानाचार्य दलजीत सिंह ,उपप्रधानाचार्य पीयूष गुप्ता व समस्त स्टाफ ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया गया।

रविवार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चकरपुर में वार्डन विद्या देवी की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया गया। परा. विधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने कहा कि यह दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित किया था,इस समय से हर वर्ष यह दिन हिंदी भाषा के गौरव और सम्मान के लिए मनाया जाता है। हिंदी हमारी मातृभाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति परंपरा और सभ्यता की आत्मा है, हिंदी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने जिला विधि सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर की ओर से मिलने वाली निशुल्क विधिक सेवाओं व राष्ट्रीय नालसा हेल्पलाइन नंबर 1500 की जानकारी भी दी। इस मौके पर दर्जनों छात्राएं उपस्थित रही।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दिलाई बार पदाधिकारियों को शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। बार एसोसिएशन सितारगंज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आलोक वर्मा ने शपथ दिलाई। शनिवार शाम महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष दयानंद सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष योगेंद्र यादव, उपाध्यक्ष मंगल सिंह, सचिव शक्ति प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष रामवदन सिंह, वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र कुमार व गुरमीत सिंह तथा कनिष्ठ सदस्य राजा सरकार, सरिता और मोबीन अली ने शपथ ग्रहण की। समारोह में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट के न्यायाधीश आलोक वर्मा, जिला जज सिकंद त्यागी समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया। न्यायाधीश आलोक वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि न्याय पाना हर व्यक्ति का अधिकार है।तीसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दयानंद सिंह को बधाई दी। संचालन सचिव शक्ति प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएस मेहता, पूर्व अध्यक्ष बीडी कांडपाल, सदस्य एमके राय, दीप जोशी, रुद्रपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव फोगाट, पूर्व अध्यक्ष दिवाकर पांडे, दीपक रुबाली, हरीश शर्मा समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

नन्ही परी को न्याय देने की मांग सीमांत के लोगों में आक्रोश व्याप्त

■ राज्य सरकार से मामले में ठोस कदम उठाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। बीते 2014 में नैनीताल जनपद के काठगोदाम क्षेत्र में सात वर्षीय नन्ही परी के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी के बरी होने पर परिजन और आम जनमानस आहत हैं। परिजनों ने पत्रकार वार्ता कर कहा कि मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई और फैसले तक की उन्हें भनक तक नहीं लगी।

दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर कमजोर पैरवी का आरोप लगाते हुए कहा कि पास्को कोर्ट और हाईकोर्ट में दोष सिद्ध होने के बाद भी सर्वोच्च न्यायालय में न्याय नहीं मिला। परिजनों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल की जाए और आरोपियों को कठोरतम सजा दिलाई जाए। परिजनों ने दो. हराया कि उनकी सिर्फ एक ही मांग है कि बेटी के गुनाहगारों को फांसी की सजा दी जाए। इस मामले पर विभिन्न संगठनों ने भी आक्रोश जताया है।

इधर आरोपी को बरी करने पर पूरे सीमांत की जनता के भीतर आक्रोश व्याप्त है। विभिन्न संगठनों के लोगों ने प्रदेश सरकार की कड़ी निन्दा करते हुए मौन विरोध जताया। यहां सिमलगैर बाजार में सीमांत यूथ मोर्चा, उत्तराखंड छात्र मोर्चा, नगर यूथ कमेटी के युवाओं ने कहा कि नन्ही परी को जब तक इंसाफ नहीं मिलेगा तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले में ठोस कदम उठाने की अपील की। मौन विरोध में नगर निगम पार्षद सुशील खत्री, सीयूमो के जिला अध्यक्ष जनार्दन पंत, उत्तराखंड छात्र मोर्चा के संयोजक योगेश खर्कवाल, नगर यूथ कमेटी के संयोजक राहुल खत्री, ध्रुव धामी, बहादुर सिंह, पप्पू बिष्ट, नीरज कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

पिथौरागढ़ की बेटी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर नगर निगम सभागार में विभिन्न संगठनों के लोग एकत्रित हुए। इस दौरान सभी ने संकल्प लिया कि जब तक नन्ही परी को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि रविवार 14 सितंबर प्रात: 10.30 बजे विभिन्न संगठन एक जुलूस निकालकर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल, मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित करेंगे। साथ ही सभी प्रतिनिधि मुख्यमंत्री को मामले की पुन: जांच हेतु भी ज्ञापन प्रेषित करेंगे। नन्हीं परी केस के मुख्य आरोपी के सुप्रीम कोर्ट से बरी हो जाने के बाद पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में आक्रोश फैल गया। नगर के युवाओं, महिलाओं सहित विभिन्न संगठनों ने देर सायं नगर में जुलूस निकाला और केस को रि-ओपन कराये जाने की मांग की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

हिंदी पखवाड़ा 2025 का पिथौरागढ़ में शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। डाक विभाग द्वारा मंडलीय कार्यालय, पिथौरागढ़ में हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता आर. के. बिनवाल, अधीक्षक डाकघर, पिथौरागढ़ द्वारा की गई।

कार्यक्रम में प्रकाश राम, सहायक अधीक्षक डाकघर, राम सिंह बोरा, पोस्टमास्टर ख्र प्रधान डाकघर पिथौरागढ़, एवं मंडलीय कार्यालय व प्रधान डाकघर के कर्मचारीगण ख्र भुवन चंद्र जोशी, चंद्र शेखर, सुमित पंत, मोनिका एवं कुमारी गीतिका आदि ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के इतिहास, कार्यालयीन कार्यों में उसके प्रयोग और सरकारी कार्य प्रणाली में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने हिंदी भाषा को सशक्त और सरल माध्यम बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभागीय कर्मचारियों हेतु विविध साहित्यिक एवं भाषाई प्रतियोगिताओंख्रजैसे निबंध लेखन, वाद-विवाद, श्रुतिलेख, कविता पाठ आदिख्रका आयोजन 15 से 28 सितम्बर 2025 तक किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि कर्मचारियों को राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना भी है।

एक नजर

अधिशासी अधिकारी को तबादले पर दी विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। नगर पालिका परिषद टनकपुर के अधिशासी अधिकारी भूपेन्द्र प्रकाश जोशी का उनके मूल उद्यान विभाग में तबादला किया गया है। जिसके चलते देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के तत्वावधान में विदाई एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिसर में आयोजित किया गया।

इस सम्मान समारोह के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ढोल नगाड़ों, फूल मालाओं एवं भगवा पगड़ी पहनाकर भव्य विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया। सम्मान समारोह में सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान पालिका कर्मियों व संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने अधिशासी अधिकारी भूपेन्द्र प्रकाश जोशी के तीन वर्ष के कार्यकाल पर उनके द्वारा विभागीय एवं नगर क्षेत्र के अंतर्गत निष्पक्ष एवं दृढ़ता के साथ किए गए कार्यों की जमकर सराहना की। विदाई व सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा अधिशासी अधिकारी ने हमेशा परिवार के मुखिया की तरह हमारे साथ कार्य किया है। हमारी सभी जायज मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर उनका समाधान किया है। कई मौके पर माहौल बड़ा भावुक भी हुआ, जहां लोगों की आंखे नम हो गई। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा, वरिष्ठ प्रधान लिपिक बसंत राज चंद, हरिदत्त पंत, मनोहर सिंह, अर्जुन सिंह, हेमंत टंडन, प्रिया बिष्ट, पर्यावरण मित्र राकेश वाल्मीकि, कमलेश वाल्मीकि, उर्मिला देवी, नरोत्तम, भगत जी, रामरतन, सुनील, दीपक कुमार, चित्रा देवी, सभासद चर्चित शर्मा, आशा भट्ट, योगेश पांडे, सब्या वाल्मीकि, दिलदार अली, वकील अंसारी सहित आदि मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर बच्चों ने पेश किए कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चम्पावत के दिशा निर्देशानुसार कस्तूरबा गांधी राजकीय आवासीय विद्यालय टनकपुर में हिंदी दिवस मनाया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार रविवार को आयोजित हिंदी दिवस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रियांशी नागरकोटि एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट काजल रानी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की वार्डन प्रेमा ठाकुर एवं संचालन पीएलवी बिजेंद्र अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सिविल जज जूनियर डिवीजन द्वारा हिंदी दिवस की जानकारी देते हुए बताया की 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया और सन 1953 से सम्पूर्ण भारतवर्ष मे हिंदी दिवस को 14 सितम्बर को मनाया जाता है, उन्होंने बताया कि हिंदी महज एक भाषा नहीं बल्कि हमारी पहचान है, हिंदी सिर्फ भाषा का संवाद या साधन नहीं बल्कि हर भारतीय के बीच सामयिक और सांस्कृतिक सेतु:भी है। न्यायिक मजिस्ट्रेट काजल रानी ने बताया की दुनिया भर के 170 से अधिक विश्वविद्यालय मे हिंदी एक भाषा के रूप मे पढ़ाई जाती है, हिंदी हिंदुस्तान के बाहर भी 20 से अधिक देशो मे बोली जाती है। विद्यालय के बच्चों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम, कविता, नृत्य द्वारा हिंदी दिवस पर अपने कार्यक्रम से शानदार प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर उप निरीक्षक जितेंद्र बिष्ट, कांस्टेबल हरीश वर्मा, रामलाल, पीएलवी मित्र अर्जुन सिहं, अजय गुरूरानी, बिजेंद्र अग्रवाल, इजहार अली, शमशाद बानो, किरन गहतोड़ी, दीपा देवी, हरिप्रिया जोशी, पूजा, रेनू गडकोटी, मनु तिगारी, संगीता सिंह, संजू चंद, रेनू कांडपाल, हरीश गौड़, प्रकाश चंद, दीपा देवी, किरन जोशी, सोनी, राधिका, ऋतू महर, प्रियंका पचोली, बबीता पुनेठा, अर्चना लोहनी, रीता कनोजिया, सोनी जहां, प्रोबोनो सुनीता टम्टा, भागीरथी बोहरा, मुन्नी जोशी, देव सिंह, आशीष, प्रीति, स्वाति, एलिश, पूजा चोसाली, मंजू पंत, रुमाना परवीन उपस्थित रही।

इंजी. ललित शौर्य रच रहें हैं प्रेरणादायी बाल साहित्य: सांसद

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। टिहरी सांसद माला राजलक्ष्मी शाह ने देहरादून स्थित निजी आवास पर उत्तराखण्ड के चर्चित बाल साहित्यकार इंजी. ललित शौर्य की पुस्तक बाल तरंग का विमोचन पर किया। हिंदी दिवस के अवसर पर युवा बाल साहित्यकार की पुस्तक हिंदी साहित्य के भंडार को सम्पन्न बनाने का कार्य करेगी।

कार्यक्रम में बोलते हुए सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि इंजी. ललित शौर्य की पुस्तक बाल तरंग बच्चों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इस पुस्तक में हिंदी के साथ-साथ गढ़वाली और कुमाउनी में भी रचनाओं का अनुवाद है। जो क्षेत्रीय भाषाओं को समृद्ध करती हुई से प्रतीत होती हैं। साथ ही रचनाओं का अंग्रेजी अनुवाद पुस्तक को वैश्विक बनाती है। जिससे अंग्रेजी के जानने वाले भी कविताओं से जुड़ पाएंगे। यह कविता जगत में अपनी तरह का अनूठा प्रयोग है। हिंदी, अंग्रेजी, गढ़वाली और कुमाउनी भाषा को एक माला में पिरोकर इंजी. शौर्य ने अभिनव प्रयोग किया है। आज की पीढ़ी को इसकी महती आवश्यकता है। हिमालयन हेरिटेज सोसायटी के निदेशक रजनीश कौंसवाल ने कहा कि पुस्तक बाल तरंग बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा भी देती है। हमारी सोसायटी का उद्देश्य बच्चों के हाथों में मोबाइल की जगह पुस्तकें देने का है। जिसके लिए संस्था इंजी. ललित शौर्य के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

इंजी. ललित शौर्य ने सांसद माला राजलक्ष्मी शाह का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुस्तक नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए लिखी गई है। इसमें हिंदी के साथ-साथ बाल पाठकों को गढ़वाली और कुमाउंनी में भी रचनाएं पढ़ने को मिलेंगी। जिससे उनका क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति सहज लगाव बढ़ेगा। इस अवसर पर इंजी. विपिन शाह, राजपाल जड़धारी, पूर्व दर्जा मंत्री प्रताप सिंह रावत आदि उपस्थित थे।

सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने लाभांश का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताई

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने 12 माह से लाभांश का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताई है।

गल्ला विक्रेताओं ने कहा कि एक साल से उनका भुगतान संबंधित विभाग द्वारा नहीं किया गया। जिसके चलते उनका शोषण हो रहा है। इस संबंध में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रीता कलखुडिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेज कर सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं को विगत 12 माह से लंबित लाभांश भुगतान दिए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कई बार आश्वासन देने के बाद भी संबंधित विभाग भुगतान नहीं कर रहा है। जिससे सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओ के समक्ष आर्थिक संकट पैदा हो गया है। समस्या से पीड़ित राशन विक्रेता वकील अंसारी, रीता कलखुडिया, लक्ष्मण सिंह पाटनी, चर्चित शर्मा, प्रदीप देवपा, मानी चंद, गोपाल सिंह, विकास धामी, नवीन राम आदि ने जल्द से जल्द 12 माह से लंबित लाभांश भुगतान दिए जाने की मांग की है।

प्रयास अस्पताल ने मदरसा गौसिया में लगाया नि:शुल्क चिकित्सा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मानवता के उपकारक, दुनिया पर रहमत रखने वाले हजरत मुहम्मद मुस्तफा की ईद मिलादुन्नबी की 1500 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तंजीम उलेमा-ए-अहले सुन्नत खटीमा द्वारा प्रयास अस्पताल के सहयोग से रविवार को मदरसा गौघसिया में तीसरा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें प्रयास अस्पताल के विशेषज्ञ एवं अनुभवी चिकित्सक एमआरसीपी एमडी डॉ मोहम्मद आरिफ खान, एमबीबीएस एमएस जनरल सर्जरी डॉ. फैजल अंसारी तथा एमबीबीएस एमएस डॉ. ईश्वर सिंह के अलावा लगभग 15 चिकित्सकों ने भाग लिया। शिविर में लगभग सैकड़ों मरीजों की जांच के उपरांत नि:शुल्क उपचार किया गया। धर्म और राष्ट्र के भेदभाव के बिना मानवता के नाम पर यह शिविर आयोजित किया गया था। इस दौरान डॉ. मुहम्मद आरिफ खघन ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी मदद नहीं हो पाती, जो बीमार होने के बावजूद साधनों के अभाव में इलाज नहीं करवा पाते और वे विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे में हमें इन नि:शुल्क शिविरों के माध्यम से उनकी मदद और नि:शुल्क इलाज करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। हम ईश्वर की इच्छा से इसी तरह लोगों की सेवा करने का प्रयास करते रहेंगे।

वहीं उलेमा-ए-अहल-ए-सुन्नत संगठन की ओर से मौलाना इरफान-उल-हक कादरी ने शिविर में उपस्थित सभी चिकित्सकों का फूलों से स्वागत तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर मुफ्ती सईद अनवर इरशाद, मोहाफिघ्ज रजाघ मिस्बाही, हाफिज शराफत अजहरी, हाफिज अब्दुल बासित, मुफ्घ्ती मुकीम रजा, हाफिज जफरुद्दीन, हाफिज इरशाद मुशाहिदी, काघ्री इसरार अहमद, मौलाना अमानुल हकघ कघदरी, मौलाना रजीघ मरकजीघ समेत मदरसा गौसिया के सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्टेडियम की मांग को लेकर पूर्व विधायक/सामाजिक संगठनों ने रखा उपवास

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। सूत मिल जसपुर में अर्धनिर्मित खेल स्टेडियम निर्माण को पूरा करने को लेकर पूर्व क्षेत्रीय विधायक व भाजपा नेता शैलेंद्र मोहन सिंघल ने क्षेत्र के खिलाड़ियों ,जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय जनता के साथ एक दिवसीय उपवास रखकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज सुबह गांधी पार्क जसपुर में स्टेडियम निर्माण की मांग को लेकर आयोजित एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम का पूर्व विधायक डॉक्टर शैलेंद्र मोहन सिंघल ने महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। इस दौरान पूर्व विधायक डॉक्टर सिंघल ने जसपुर क्षेत्र के प्रभावशाली खिलाड़ियों को आगे न बढ़ाने वह प्रोत्साहन प्रोत्साहित होने से वंचित रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार नहीं चाहती की क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय /ओलंपिक खेलों में प्रतिभाग कर गोल्ड मेडल जीते और अपने देश प्रदेश व क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा सितारगंज विधानसभा को विकास कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की, लेकिन अब तक सरकार का ध्यान जसपुर के विकास की ओर नहीं है, जबकि केंद्र में स्थित मोदी सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में प्रोत्साहित करने का काम लगातार कर रही है। उन्होंने कहा कि जब वह कांग्रेस से विधायक थे तो उनकी मांग पर वर्ष 2014 में तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सूत मिल परिसर में खाली पड़ी लगभग 07 एकड़ भूमि में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा करते हुए एक करोड़ की धनराशि भी दी थी, जिससे स्टेडियम के चारों ओर चार दिवारी का निर्माण हो गया था, लेकिन सिडकुल से खेल विभाग को जमीन स्थानांतरित ना होने से स्टेडियम निर्माण अधर में अटक गया।

उन्होंने स्टेडियम निर्माण के लिए कई बार विभिन्न स्थानों पर मांग की, लेकिन सरकार ने एक भी नहीं सुनीं। इस विषय में उन्होंने सांसद अजय भट्ट से भी निर्माण की मांग की थी। उन्होंने बताया कि स्टेडियम ना होने की वजह से क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सड़कों मोहल्ले घास पर खेलते हुए दौड़ते नजर आते हैं, जिस कारण वह अपने सपनों की उड़ान को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। खिलाड़ियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए जसपुर में जल्द से जल्द खेल स्टेडियम का कार्य पूरा हो, इसलिए सरकार का ध्यान खिलाड़ियों की भावनाओं की ओर आकर्षित करने के लिए जसपुर स्टेडियम निर्माण हेतु एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, यह सामाजिक व्यक्तियों द्वारा प्रायोजित सामाजिक कार्यक्रम है, जिसमें सिर्फ स्टेडियम बनाने तक ही सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया जिससे क्षेत्रीय खिलाड़ी आगे बढ़कर स्टेट, राष्ट्रीय, नेशनल, ओलंपिक आदि खेलों में प्रतिभाग कर देश-दुनिया में उत्तराखंड प्रदेश का नाम रोशन कर सके ।

इस अवसर पर पूर्व विधायक पुत्र सिद्धार्थ सिंघल, सांसद प्रतिनिधि तीरथ सिंह, ब्रजवीर चौधरी, ग्राम प्रधान दिलशाद शाह, शाहनवाज प्रधान,व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह , जिला पंचायत सदस्य सनी प्रधान, संजय राजपूत ,अशफाक एडवोकेट, बृजेश चौहान, तरुण गहलोत, प्रधान ब्रह्मानंद लाहौरी, महेंद्र कश्यप, चौधरी रणबीर सिंह, अंकुर सक्सेना, केवल सिंह सिद्धू ,करतार सिंह प्रधान, सलमान सिंह सिद्धू, डॉक्टर सीपी सिंह, राष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकेश यादव ,नीरज कुमार प्रधान, अनुज कुमार ,डॉक्टर आशु सिंगल ,अनिल नगर, शहजाद अली, सूरत प्रजापति, नीरज कुमार समेत सैकड़ो की संख्या में सामाजिक, व्यक्ति ,जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय नागरिक, सामाजिक संस्थाएं व खिलाड़ी मौजूद रहे।

मोहन पाल ने किया निशुल्क स्वास्थ्य कैंप का शुभारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय महिला परिषद और इंडिया हेल्थ लाइन द्वारा आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य कैंप का शुभारम्भ भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहन पाल ने फीता काटकर किया।

आयोजन आशीष आयुर्वेदिक हॉस्पिटल और सारो आई केयर के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विभाग अध्यक्ष भगवन्त सिंह म्यान, जिला महामंत्री देवेंद्र सैनी, नगर महामंत्री राजपाल शाक्य, उदय सिसोदिया, राष्ट्रीय छात्र परिषद के नगर अध्यक्ष अमन यादव, बरहैनी ग्रामीण के अध्यक्ष आनंद सिंह ल, बन्नाखेड़ा ग्राम के अध्यक्ष विनोद सैनी, राहुल सैनी, आशीष हॉस्पिटल के स्वामी डॉ मणिलाल गुप्ता, डॉक्टर ज्योति गुप्ता, बबलू गौतम, कुंदन सिंह, ओमप्रकाश, रॉबिन काम्बोज, कुलदीप काम्बोज, अरूण शर्मा, विमल शर्मा, उशांत सब्बरवाल, इदरीश अहमद, पप्पू कोहली, देवेन्द्र राय, सोनू श्रीवास्तव, रिंकू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर वरिष्ठ कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल को किया याद

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में हिंदी के वरिष्ठ कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल को उनकी उनासवीं पुण्यतिथि पर उनकी कविताओं के साथ याद किया गया।साहित्यिक संस्था दुदबोली की पहल पर पर्वतीय सभी लखनपुर में हुए कार्यक्रम में वक्ताओं ने बर्त्वाल के जीवन और उनके साहित्य पर प्रकाश डाला। प्रो गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि बर्त्वाल ने 28 साल की उम्र में जितना साहित्य रचा वह विश्वस्तरीय है। हिंदी के वरिष्ठ कवि निराला तक ने उनकी कविताओं की प्रशंसा की।मात्र 28 साल की उम्र में हिंदी साहित्य को अनमोल कविताओं का समृद्ध खजाना दे दिया था। समीक्षक चंद्र कुंवर बर्त्वाल को हिंदी का श्कालिद. ासश मानते हैं। उनकी कविताओं में प्रकृति प्रेम झलकता है।सन 1939 में ही इनकी कवितायें ष्कर्मभूमिष साप्ताहिक पत्र में प्रकाशित होने लगी थी, इनके कुछ फुटकर निबन्धों का संग्रह 'नागिनी' इनके सहपाठी श्री शम्भूप्रसाद बहुगुणा ने प्रकाशित कराया। बहुगुणा ने ही 1945 में 'हिमवन्त का एक कवि' नाम से इनकी काव्य प्रतिभा पर एक पुस्तक भी प्रकाशित की। इनके काफल पाको गीति काव्य को हिन्दी के श्रेष्ठ गीति के रूप में 'प्रेमी अभिनन्दन ग्रन्थ' में स्थान दिया गया। इनकी मृत्यु के बाद बहुगुणा के सम्पादकत्व में ष्नंदिनीष गीति कविता प्रकाशित हुई, इसके बाद इनके गीत- माधवी, प्रणयिनी, पयस्विनि, जीतू, कंकड-पत्थर आदि नाम से प्रकाशित हुए। कुमाउंनी कवि निखिलेश उपाध्याय ने कहा कि बर्त्वाल जीवन के अंतिम समय में टीवी के मरीज हो गए और उस समय टीवी को असाध्य बीमारी माना जाता था पर इसके बाबजूद उन्होंने न केवल प्रकृति पर बल्कि राजनीति पर भी काफी उच्च कोटि की कविताएं लिखी हैं। कुमाउंनी पत्रिका दुदबोली के संपादक मंडल के सदस्य नवेंदु मठपाल ने चंद्रकुंवर के काव्य की प्रासंगिकता को सर्वकालिक बताते हुए युवाओं से जीवन और साहित्य के बारे में जानने की अपील की।

जब 12 घंटे काम करने वाले जिलाधिकारी मिल जाएं, तो जिले की तस्वीर तो बदलेगी

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। अभी तीन महीने भी नहीं हुए हैं कि एक किसान के बेटे एवं सरकारी स्कूल से ही शिक्षा लेकर सफलता के सर्वोच्च शिखर में पहुंचने वाले मनीष कुमार को जिलाधिकारी के रूप में पाकर उनकी 'क्विक एक्शन' की कार्य संस्कृति ने आम लोगों को मन से ही खुश नहीं किया है, बल्कि प्रसाशन के प्रति उन्होंने ऐसा भरोसा जगा दिया है कि लोग घर से चलते समय ही सोच लेते हैं कि आज तो मेरा लटका काम हो ही जाएगा।

सिस्टम से परेशान हताश व निराश लोग अपनी आंखों से इस बात के गवाह बन रहे हैं कि सब कुछ पहले जैसा ही है। सिस्टम में वही लोग हैं, जो जनता के कार्यों को प्यार से लटकाते व उन्हें टरकाते आ रहे थे, वही लोग आज मॉडल जिले के लिए ष्हमने आज क्या किया है और कल क्या किया जाना है? की जिलाधिकारी की कार्य संस्कृति से कदम से कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि शुरुआती दौर में जिलाधिकारी की क्विक एक्शन की कार्य संस्कृति से सिस्टम से जुड़े कुछ लोग असहज महसूस कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि स्वयं 12 से 14 घंटा कार्य कर दूसरों से अच्छे कार्य की अपेक्षा जिलाधिकारी के मिजाज को समझने के बाद अब सभी उसी गति से कार्य करने के आदी हो चुके हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष की तुलना में स्वांला डेंजर जोन में अधिक क्षति पहुंचने के बावजूद सड़क को जल्दी यातायात योग्य बनाया जाना संभव हुआ, जबकि गत वर्ष कम नुकसान में अधिक समय तक सड़क अवरुद्ध रही। इस वर्ष यह तेजी तब आई जब जिलाधिकारी सड़क बंद होते ही स्पॉट में पहुंच जाया करते हैं।

मॉडल जिले के विकास की गति और मति तेज होती जा रही है। प्रत्येक सोमवार को लगने वाले जनमिलन के कार्यक्रम ने तो जिला प्रशाशन के प्रति इतना जन विश्वास पैदा हो गया है कि सभागार में फरियादियों के लिए बैठने का स्थान कम पड़ गया है। जिले से पलायन कर चुके लोगों को अपनी माटी से जोड़ने का जिलाधिकारी का प्रयास रंग ला रहा है। जिला प्रशासन के द्वारा तमाम ऐसे नए कार्यों एवं कार्य संस्कृति को अंजाम दिया जा रहा है, उसकी देखादेखी आसपास के जिलों के लोग भी अपने यहां परिवर्तन की हवा महसूस कर रहे हैं। बरसात के बाद जिलाधिकारी का जिला प्रशासन को दूर दराज के गांवों तक ले जाने का उनका इरादा पूरी तरह गांव के लोगों को भले ही वे अपने निजी कार्य के लिए आते हों, लेकिन सरकारी कार्य के लिए उनका जिला मुख्यालय आना बहुत सीमित कर देना है।

दरअसल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी परिकल्पना के अनुसार मॉडल जिले की सजाने संवारने के लिए ट्रायल पर जिस जिलाधिकारी को यहां भेजा था, उसमें वह सफल ही नहीं बल्कि यह आम जनता के जिलाधिकारी के रूप में अपनी पहचान बनाकर उनसे जो अपेक्षाएं थी, उसमें यह नंबर वन साबित हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी के रामनगर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वार कोसी बैराज ग्रीन वैली रेस्टोरेंट में जोरदार स्वागत करके उनसे शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अच्छा काम कर रही है और आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं को विजय संकल्प दिलाया है। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलने जा रहा है।इस दौरान मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती,जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत,पीरुमदारा मंडल अध्यक्ष बलदेव रावत,भाजपा नेता संजय डोर्बी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि नवीन कारगेती,पूर्व राज्यमंत्री दिनेश मेहरा,अशोक गुप्ता,पूर्व नगर अध्यक्ष भावना भट्ट,माया रावत,दीप्ति रावत भरत तिवारी मोहम्मद आदिल,नीमा मठपाल आदि आदि थे।

राजपूताना बिजनेस समिट में भाग लेने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी रामनगर पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री यहां आयोजित राजपूताना बिजनेस समिट में भाग लेने आए थे। कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने उत्तराखंड के व्यवसायिक विकास पर अपने विचार साझा किए। कोश्यारी ने कहा कि राजपूताना समाज अब व्यापार के क्षेत्र में अच्छा योगदान दे रहा है।उन्होंने यह भी बताया कि वे कई ऐसे उद्योगपतियों को जानते हैं जो बिजनेस के माध्यम से देश सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भी उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भी उत्तराखंड में उद्योग क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिला था,लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में सड़कों का विकास भी बहुत अच्छा हो रहा है। यही कारण है कि उत्तराखंड अब देश के कई अन्य राज्यों से आगे निकल चुका है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि महाराष्ट्र और मुंबई जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों से उत्तराखंड की तुलना करना सही नहीं होगा, लेकिन राज्य की प्रगति निश्चित ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य का भौगोलिक स्वरूप और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, उत्तराखंड ने संतुलित तरीके से आर्थिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। उत्तराखंड के विकास में सकारात्मक नजरिए से देख रहे हैं और राज्य की प्रगति को देश के अन्य राज्यों के साथ जोड़कर देखना चाह रहे हैं। यह समिट निश्चित ही उत्तराखंड के व्यवसायिक भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित होगा।

मणिपुर के मयहंगम लिंगलैंग, अर्पिता ने लहराया परचम

नैनीताल में 14वीं मानसून माउंटेन मैराथन, 10 किमी. में मनोज ने मारी बाजी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में रविवार को प्रतिष्ठित रन टू लिव संस्था की ओर से 14वीं मानसून माउंटेन मैराथन का विशेष आयोजन किया गया। मैराथन में नैनीताल समेत देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे युवाओं व महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन किया। विभिन्न वर्गों में आयोजित मैराथन के 1500 से अधिक धावक रन फॉर उत्तराखंड थीम के साथ दौड़े। 21 किमी पुरुष वर्ग में कुमाऊं रेजीमेंट मणिपुर के मयहंगम लिंगलैंग जबकि महिला वर्ग में मुजफ्फरनगर की अर्पिता सैनी तथा वरिष्ठ वर्ग में मुकेश राणा विजेता रहे जबकि 10 किमी पुरुष वर्ग में मनोज सिंह वहीं महिला वर्ग में रुबी कश्यप तथा वरिष्ठ वर्ग में राजेंद्र प्रसाद, पांच किमी पुरुष में राघवेंद्र व महिला वर्ग में दिव्या मेहरा ने पहला स्थान हासिल किया। बता दें रविवार को नैनीताल में मानसून माउंटेन मैराथन का आयोजन रन टू लिव संस्था की ओर से डीएसए खेल मैदान में आयोजन किया गया।

बच्चों के लिए रन फॉर फन रही आकर्षण

मैराथन में 10 साल से कम के छोटे बच्चों को दौड़ और खेलों की तरफ आकर्षित करने के लिए आयोजित रन फॉर फन कार्यक्रम में करीब 300 से अधिक नन्हे मुन्ने बच्चों ने प्रतिभा किया। जिसके बाद नन्हे मुन्ने छात्रों के लिए लकी ड्रा. कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लक्की ड्रा के माध्यम से नन्हें धावकों को विभिन्न पुरस्कार दिए गए।

सुबह 7 बजे बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल प्रबंधक एलआईसी डीके जोशी ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। दौड़ डीएसए मैदान से मस्जिद तिराहा से ठंडी सड़क, तल्लीताल से मालरोड व बिड़ला रोड होते हुए टांकी बैंड से शेरवुड व राजभवन होते हुए हुए डीएसए मैदान पर पर समाप्त हुई। इसके बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जहां प्रतियोगिता के अलग-अलग वर्ग के विजेता प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक मेहरा तथा सूबे के पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्बियाल तथा उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश नेगी, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक एलआईसी देवेंद्र कुमार जोशी, अरविन्द कुमार एआरएम एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, पर्वतारोही योगेश गर्बियाल तथा नैनीताल की वरिष्ठ समाजसेवी व भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष कविता गंगोला ने विजेता धावकों को चेक और मेडल प्रदान किए गए। इस दौरान आयोजक सचिव हरीश तिवारी समेत सागर देवराड़ी, भारत, वीरेंद्र शाह, आरएस अधिकारी, आलोक शाह, धीरेंद्र भाकुनी, भानु शाह, सुधीर वर्मा, भूपाल नयाल, रमेश पंत, रवि, मोहित, पुष्कर, अजय, बसंत, विजय, कमल बिष्ट, आरएस बोरा, खजान सिंह डंगवाल, इंतखाब तथा मनीष जोशी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में आयोजक सचिव हरीश तिवारी ने सभी का आभार जताया।

माउंटेन मैराथन के यह रहे हीरो

नैनीताल। मैराथन में 21 किमी पुरुष वर्ग में कुमाऊं रेजीमेंट मणीपुर के मयहंगम लिंगलैंग ने प्रथम, पिथौरागढ़ के संतोष कुमार जोशी ने द्वितीय, मुजफ्फरनगर के रवि चौधरी ने तृतीय व बागपथ के शिव कुंडू चौथे व रानीखेत के रॉबिन यादव पांचवें स्थान पर रहे। 21 महिला वर्ग में मुजफ्फरनगर की अर्पित सैनी प्रथम, देहरादून की अनीशा द्वितीय, उत्तर प्रदेश की साधना तृतीय, पिथौरागढ़ की माया चतुर्थ व उत्तराखंड की अंजू पांचवें स्थान पर रही। 21 किमी वरिष्ठ वर्ग में कलम सिंह बिष्ट प्रथम, सबल सिंह द्वितीय, समीर कोल्या तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में कांति देवी ने पहला स्थान हासिल किया। 10 किमी पुरुष वर्ग में मनोज सिंह ने पहला, वीरेंद्र सिंह ने दूसरा, अमरदीप ने तीसरा, केंजीम ने चौथा और आशीष रावत ने पांचवा स्थान हासिल किया। 10 किमी महिला वर्ग में रुबी कश्यप ने पहला, पूजा बिष्ट दूसरा, अंजलि ने तीसरा, मेघा ने चौथा, दीपा नेगी ने पांचवा स्थान हासिल किया। 10 किमी वरिष्ठ वर्ग पुरुष में घनश्याम पांडे ने पहला, घनानंद पांडे ने दूसरा, दिनेश चंद्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया जबकि महिला वर्ग में नीमा बिष्ट पहले और नीमा भंडारी ने दूसरा, रेखा कोहली ने तीसरा स्थान हासिल किया। 5 किमी में राघवेंद्र ने पहला, कृष्णा बिष्ट ने दूसरा, पीयूष मेरे ने तीसरा जबकि नीरज रावत ने चौथा व कार्तिक ने पांचवा स्थान हासिल किया। 5 किमी महिला वर्ग में दिव्या मेहरा ने पहला। रजनी लोधियाल ने दूसरा। जिया माहोरी ने तीसरा, लावण्या रावत ने चौथा और मनीषा ने पांचवा स्थान हासिल किया। 4 किमी पुरुष वर्ग में शाश्वत ने पहला, विदित कोहली दूसरे, आदर्श तीसरे, हिमांक बिष्ट चौथे व हर्षित रावत पांचवे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में कनक पांडे पहले, यशस्वी घुघत्याला दूसरे, जागृति तीसरे, आकांक्षा चौथे जबकि समृद्धि पांचवे स्थान में रही।

एक नजर...

सेपक टाकरा टीम का चयन ट्रायल आज

नैनीताल। द सेपक टाकरा एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वावधान में उत्तराखंड सीनियर (महिला/पुरुष) एवं सब जूनियर (बालक/बालिका) सेपक टाकरा टीम के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन सोमवार (आज) शाम कल्याणी व्यू स्थित सेपक टाकरा अकादमी रुद्रपुर में किया जा रहा है। सेपक टाकरा एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के अध्यक्ष आरपी शर्मा के अनुसार सब जूनियर वर्ग में केवल वे खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते हैं जिनका जन्म 1 जनवरी 2011 के बाद हुआ है जबकि सीनियर वर्ग को पूर्ण रूप से ओपन श्रेणी में रखा गया है। ट्रायल में प्रतिभाग करने वाले समस्त खिलाड़ियों को अपने साथ अपना आधार कार्ड एवं 2 पासपोर्ट साइज फोटो को लाना अनिवार्य होगा। ट्रायल हेतु खिलाड़ियों को अपने खेल वेशभूषा अनिवार्य है। ट्रायल में निर्णायक चयनकर्ता की भूमिका में सेपक टाकरा कोच गौरव जोशी तथा सावन मल्होत्रा एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी डा. नागेन्द्र प्रसाद शर्मा रहेंगे। दूसरी ओर डा. नागेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि सीनियर वर्ग की टीम प्रशिक्षण शिविर के उपरांत गोवा में 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी जबकि सब जूनियर टीम प्रशिक्षण शिविर के उपरांत नवंबर प्रथम सप्ताह में झारखंड में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

समृद्धि ने झटका कांस्य पदक

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित मोहन लाल साह विद्या मंदिर की कक्षा 9 की मेधावी खिलाड़ी समृद्धि वर्मा ने अंडर-17 में इटावा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित सीबीएसई नेशनल ताइकवांडों चैंपियनशिप में जो कि 3 से 7 सितंबर को आयोजित हुई उसमें कांस्य पदक हासिल किया। कालेज के मैनेजर विनय साह, प्रधानाचार्या अनुपमा साह समेत कालेज परिवार ने मेधावी खिलाड़ी समृद्धि वर्मा की इस अहम कामयाबी पर खुशी जताते हुए उसे बधाई देते हुए उनके बेहतर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विधायक कैड़ा ने सुनीं जनसमस्याएं

धारी। विधायक राम सिंह कैड़ा ने धारी ब्लॉक के दिनी तल्ली, दिनी मल्ली, चौरापाखा पतलिया आदि गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओ को सुना। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क स्वाथ्य, आदि समस्याओ को विधायक कैड़ा के समक्ष रखा। संबंधित विभाग के अधिकारीयों को फोन कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। विधायक कैड़ा ने कहा हर गांव को सड़क से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जिन जिन गांव में सड़क नहीं है। पीएमजीएसवाई फेस फोर्थ के अंतर्गत रखा गया है, जिस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा पी एम जी एस वाई विभाग के द्वारा गांव को जोड़ने हेतु सर्वे का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है, जिन जिन मोटर मार्गो की वन विभाग से स्वीकृति मिल गई है, उनकी स्वीकृति मिल चुकी है उन पर जल्दी कार्य शुरु होगा। विधायक कैड़ा ने कहा सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को मिले जिस दिशा मै लगातार कार्य किया जा रहा है।

हिन्दी दिवस पर भव्य काव्य सम्मेलन

साहित्यकारों को सम्मानित किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सौहार्द जन सेवा समिति द्वारा रविवार को जय शारदा भवन कुसुमखेडा में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वरिष्ठ साहित्यकार आशा शैली, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार दामोदर जोशी (देवांशु), साहित्यकार कन्हैयालाल व समिति की अध्यक्ष विद्या महतोलिया द्वारा सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित व सरस्वती वंदना के साथ किया।

कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ कवियों ने प्रतिभाग किया और अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों ने श्रृंगार रस, वीर रस, हास्य रस और व्यंग्य पर अपनी कविताएं सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। इसके अलावा, अन्य कवि साहित्यकारों को सौहार्द साहित्य सेवा सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार डा. गीता मिश्रा ने कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रदीप उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में तनुजा पांडे, पीसी पंत, नीरजा बोरा, ईश्वर चंद्र भट्ट, विद्या जोशी, शशि जोशी, अंजू पांडे, कविता तिवारी, रमा पांडे, पुनीता पांडे, पूजा भोला, नीमा बिष्ट, ललित भट्ट, राजेंद्र ढैला, करुणा शंकर, तरुण पुकार, धर्मेंद्र, डा. गुंजन जोशी, हेमा हबॉला, मीना अरोड़ा, डा. भगवती पनेरू, मीना जोशी, योगेश बहुगुणा, दीपा कांडपाल आदि शामिल थे।

यूकेडी का युवा परिवर्तन समारोह, युवाओं ने भरी हुंकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल के युवा प्रकोष्ठ की और से रामपुर रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में युवा परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल एवं केंद्रीय संगठन मंत्री भुवन बिष्ट ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष प्रताप चौहान ने युवाओं को संगठन की नीतियों से जोड़ने का आह्वान किया। इस बीच संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने के लिए सूरज मनराल को प्रदेश उपप्रभारी युवा प्रकोष्ठ, गौरव जोशी को कुमाऊं मंडल प्रभारी और महेंद्र पाल को ब्लॉक प्रभारी कोटाबाग मनोनीत किया गया। केंद्रीय प्रभारी युवा प्रकोष्ठ कमल जोशी ने कहा कि उत्तराखंड का हर युवा एक मशाल है, अगर यह मशालें साथ जल उठे तो पूरे राज्य को नई दिशा और ताकत मिलेगी। यह आंदोलन चाय पर चर्चा से शुरू हुआ था और आज विशाल रूप ले चुका है जो आने वाले समय में प्रदेशभर के लाखों युवाओं को जगाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि केंद्रीय प्रभारी पूरे प्रदेश में दौरा करेंगे और युवाओं को संगठित कर एक सशक्त आंदोलन की नींव रखेंगे।

बढ़ने लगी नैनीताल में पर्यटकों की आमद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। लंबे समय के बाद एक बार फिर से नैनीताल में पर्यटकों की आमद बढ़ना शुरू हो गया है जिस कारण वीकेंड के तहत रविवार को नगर में पर्यटकों की खासी रौनक देखने को मिली।

संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में भी पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। बता दें कि नैनीताल में लगातार वर्षा व आपदा के चलते पर्यटकों की आमद में भारी गिरावट आने से पर्यटन कारोबार पर विपरीत प्रभाव पड़ा था। दूसरी ओर अब वीकेंड से सैलानियों की आमद यकायक बढ़ने जिस कारण नगर में खासी रौनक नजर आई। पर्यटन स्थलों में पूरे दिन रौनक रही। नगर के स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, वाटरफॉल समेत केव गार्डन व चिड़ियाघर में पूरे दिन सैलानियों की आवाजाही बनी रही। नगर की शान समझी जाने वाली माल रोड में भी चहल पहल रही। नौका विहार करने वाले सैलानियों में भी बढ़ोतरी देखी गयी। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट के मुताबिक अब लंबे समय के बाद सैलानियों की आमद बढ़ने लगी है और आने वाले दिनों में भी सैलानियों की आमद बढ़ने की संभावना है। सरोवर नगरी नैनीताल में रविवार सुबह और दोपहर को मौसम का मिजाज बिगड़ा रहा। सुबह को तेज तो दोपहर में हल्की बारिश हुई। नगर में सुबह कुछ देर के लिए तेज बारिश हुई। इससे पूर्व बीती रात हल्की मध्यम बारिश होते रही। इधर दोपहर में भी हल्की बारिश हुई। बारिश के चलते जीवनदायिनी नैनी झील का जल स्तर वृद्धि की ओर अग्रसर है जो 88 फीट पहुंच गया है। इधर मौसम विभाग ने अगले तीन दिन मानसूनी वर्षा जारी रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग देहरादून निदेशक डा. सीएस तोमार ने बताया फिलहाल यलो अलर्ट जारी रखा गया है। 18 सितंबर तक मानसून सक्रिय रहने की संभावना है। इसके बाद ही मौसम में सुधार आने की संभावना रहेगी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 26 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा। वर्षा 6 मिमी रिकार्ड की गयी।

सरोवर नगरी के पर्यटन स्थलों में लौटी रौनक

नशा मुक्ति के लिए निकाली साइकिल यात्रा

देहरादून। नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और स्वस्थ समाज का निर्माण करने के उद्देश्य से रविवार को "एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम" का आयोजन किया गया। इस यात्रा का शुभारंभ सुबह 6 बजे बिंदाल पुल से उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रीतम सिंह ने युवाओं की और से आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज जिस तरह से युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जा रही है वह बहुत ही चिंतनीय है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि जीवन खूबसूरत है युवा पीढ़ी को हौसला रखना चाहिए और सकारात्मक रवैया रखना चाहिए।

लगभग 18 किलोमीटर की इस साइकिल यात्रा का समापन नाथ वेडिंग प्वाइंट, चकराता रोड पर प्रात: 9 बजे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर रावत ने रितेश छेत्री और विकास यादव द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए, नशामुक्त समाज की दिशा में यह पहल युवाओं को प्रेरित करेगी और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करेगी। इस अवसर पर रिटायर्ड कर्नल अनिल गुरुग, वेद प्रकाश दुग्गल (101 वर्षीय साइकिल सवार), विश् धीमान और हिमानी, लाल चंद शर्मा, गरिमा मेहरा दसौनी, कोमल वोहरा, संजय शर्मा, मदन लाल, दीप वोहरा, जगदीश धीमान, प्रदीप जोशी, संजय कन्नौजिया , पिया थापा, प्रमोद गुप्ता, पीयूष जोशी, नितिन चंचल, वंश सूद, अजय रावत, गगन, प्रदीप ओझा, अभिषेक बिष्ट, मुकेश राजपूत, लक्ष्य धिंगरा, वंश चौधरी, सावन, ऋषभ जैन व नवनीत ओलिवर उपस्थित रहे।

35283 वादों का निस्तारण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल सह कार्यपालक अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेशानुपालन में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति नैनीताल एवं समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के द्वारा शनिवार को उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल समेत उत्तराखण्ड राज्य के समस्त 13 जनपदों के जनपद न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालयो एवं वाह्य न्यायालयों तथा राज्य/जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में कुल 146 खण्डपीठ गठित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के सदस्य-सचिव प्रदीप मणि त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु 2 खण्डपीठ गठित की गयी थी। जिसमें न्यायमूर्ति श्री आलोक महरा एवं न्यायमूर्ति श्री सुभाष उपाध्याय की खण्ड पीठ के द्वारा कुल 44 वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रदेश भर में कुल नियत वादों जिनकी संखया 35288 थी में से 35283 वादों का निस्तारण किया गया जिसमें समझौता धनराशि 91,70,64,361 रुपएं रही।

दो शातिर लुटेरे पुलिस के हत्थे चढ़े

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शहर में हुई दो अलग-अलग स्नेचिंग की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी एम.टेक डिग्री धारक है। पुलिस ने इनके पास से चोरी किए गए तीन मोबाइल फोन, नकदी और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र में जब पीड़िता सीमा ममगाईं नाम की एक महिला अपने घर से जा रही थीं तो एमडीडीए कॉलोनी के पास एक मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात लोगों ने उनका बैग छीन लिया, जिसमें उनका मोबाइल और जरूरी कागजात थे। पीड़ित की शिकायत पर, नेहरू कॉलोनी थाने में तुरंत मामला दर्ज किया गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई। टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अमनदीप उर्फ नानू पुत्र धर्म सिंह, निवासी अपर नेहरू ग्राम डोभाल चौक व कुणाल चौहान पुत्र पवन कुमार चौहान निवासी न्यू टाइप 3 सी (ओएफडी स्टेट) रायपुर नाम के दो आरोपियों को फ्लाई ओवर बाईपास के नीचे से गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा।

नशे की लत ने बनाया अपराधी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दोनों पिछले तीन साल से एक-दूसरे को जानते हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए ही उन्होंने इन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी कुणाल चौहान ने श्रीनगर के एक कॉलेज से एम.टेक की डिग्री हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अन्य मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि ये चीजें उन्होंने 11 सितंबर को रायपुर तिराहे के पास एक और महिला से पर्स छीनकर चुराई थीं। इस घटना के संबंध में भी रायपुर थाने में मामला दर्ज है।

विकास कार्ययोजनाओं के सम्पादन में मनमानी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सोमेश्वर। पंचायतीराज एक्ट में निहित प्राविधान के विपरीत क्षेत्र पंचायत समिति ताकुला की पिछले पांच साल के कार्यकाल में मात्र तीन बैठक हुई हैं। लोक सूचना अधिकार

क्षेत्र पंचायत समिति ताकुला की पांच साल में मात्र तीन बैठकें: पाण्डे

अधिनियम के तहत मिली इस सूचना से स्पष्ट हुआ है कि क्षेत्र पंचायत ताकुला में पंचायतीराज अधिनियम का उल्लंघन होने के साथ ही विकास से सम्बन्धित कार्ययोजनाओं के सम्पादन में खुली मनमानी हुई है। ग्राम सूपाकोट निवासी सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पाण्डे द्वारा 12 जून को ताकुला ब्लॉक के लोक सूचना अधिकारी को आवेदन भेजकर गत क्षेत्र पंचायत समिति के 5 साल के कार्यकाल में सम्पन्न कुल बैठकों के कार्यवृत की सूचना मांगी गई थी इसके अलावा अप्रैल 2020 से मार्च 2025 तक राज्य सैक्टर, केन्द्र सैक्टर, जिला योजना, सांसद निधि, विधायक निधि, राज्यसभा सांसद निधि सहित अन्य मदों में स्वीकृत योजनाओं की सूची, योजनावार धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं अद्यावधिक प्रगति की सूचना भी मांगी थी। लोक सूचना अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी खजान चन्द्र जोशी द्वारा आवेदक को पत्र भेजकर 574 पृष्ठ की उक्त सूचना के लिए 1148 रुपये अतिरिक्त शुल्क जमा करने को कहा गया। शुल्क प्राप्त होने पर 13 अगस्त को उक्त सूचना भेजी गई। पांच साल के कार्यकाल में प्रमुख मीनाक्षी आर्या की अध्यक्षता में सम्पन्न क्षेत्र पंचायत समिति की कुल 3 बैठको में से पहली बैठक 4 मार्च 2020, दूसरी 4 जून 2024 एवं तीसरी 30 जुलाई 2024 को हुई। पहली बैठक के कार्यवृत में सदस्यों के स्तर से उठाई गई अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा दिये गये वक्तव्य का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा इस बैठक में नियोजन एवं विकास समिति, शिक्षा समिति, निर्माण कार्य समिति, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति, प्रशासनिक समिति एवं जल प्रबंधन समिति सहित कुल 6 समितियों का गठन किये जाने का उल्लेख है। चार साल बाद सम्पन्न क्षेत्र पंचायत की दूसरी बैठक के पहले प्रस्ताव में पूर्व में गठित क्षेत्र पंचायत समितियों में बिना किसी कारण का उल्लेख किये परिवर्तन कर दिया गया। अन्य प्रस्ताव में 15वां वित्त एवं पंचम राज्य वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त होने वाली राशि से कुल 88 लाख की 66 कार्ययोजनाओं का चयन किया गया। क्षेत्र पंचायत की तीसरी बैठक के कार्यवृत के अनुसार राज्य वित्त के अन्तर्गत 2023-24 की अवशेष राशि एवं 2024-25 में प्रथम किश्त से 20 लाख की लागत से 15 कार्ययोजनाओं का चयन किया गया। सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पाण्डे के अनुसार 7 अप्रैल 2016 को जारी पंचायतीराज अधिनियम की धारा 66 में स्पष्ट प्रावधान है कि कार्य सम्पादन के लिए त्रैमासिक आधार पर क्षेत्र पंचायत की न्यूनतम चार बैठकें होंगी। इस हिसाब से पांच साल के कार्यकाल में न्यूनतम 20 बैठक होनी थी। श्री पाण्डे ने बताया कि क्षेत्र पंचायत के पांच साल के कार्यकाल में कुल स्वीकृत योजनाओं की धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं अद्यावधिक प्रगति की सूचना के रुप में कार्य पंजिका की प्रति उपलब्ध कराई गई है। क्षेत्र पंचायत की बैठक हुए बिना कार्य पंजिका में उल्लिखित योजनाओं के निर्माण कार्य के एवज में करोड़ो की राशि के भुगतान पर भी गम्भीर सवाल उठ रहे हैं। वास्तविक स्थिति को जानने के लिए प्राप्त सूचना का अध्ययन के साथ ही कुछ और सूचनाएं भी मांगी जा रही हैं। फिलहाल यह तो स्पष्ट हो चुका है कि क्षेत्र पंचायत में पंचायतीराज एक्ट का उल्लंघन हुआ है और विकास से सम्बन्धित कार्ययोजनाओं में पीक एण्ड चूज की नीति अपनाते हुए खुली मनमानी हुई है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र पंचायत ताकुला के अन्तर्गत 7 न्याय पंचायत और 89 ग्राम पंचायत हैं तथा 37 क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं।

सहकारिता से बदलेगी हिमालयी राज्यों की तकदीर

शिमला/देहरादून। हिमालयी राज्यों की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच सहकारिता ऐसा माध्यम है, जो यहां की तकदीर बदल सकता है। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में नवाचार और साझा प्रयास आवश्यक हैं। यह बात सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा शिमला में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में कही। डॉ. रावत ने कहा कि हिमालयी राज्यों की परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग हैं। यहां की भौगोलिक विषमताएं विकास में कई बार बाधा बनती हैं, लेकिन सहकारिता ऐसा सशक्त माध्यम है, जो इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देकर ग्राम्य जीवन, महिला सशक्तिकरण, कृषि, दुग्ध उत्पादन तथा कुटीर एवं लघु उद्योगों को नई दिशा दे सकता है।

जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान करता है रक्तदान : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को गजियावाला घट्टीखोला स्थित आदिशक्ति मां कालिका मंदिर परिसर में राष्ट्रीय हिंदू संगठन एवं लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह शिविर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्वर्गीय दीपक पुण्डीर की स्मृति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान करता है। उन्होंने बड़ी संख्या में युवाओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और इसे पुण्य का कार्य बताया।

कैबिनेट मंत्री ने शिविर स्थल पर अपना वजन जांच कर स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया और उपस्थित युवाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।

मंत्री जोशी ने स्वर्गीय दीपक पुण्डीर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका समाज सेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर संस्थापक लक्ष्य फाउंडेशन केदार जोशी, गणेश शर्मा सोती, अनुराग, समुंदर सहित कई रक्तदाता उपस्थित रहे।

मीनाक्षी-जैस्मीन ने मुक्केबाज में जीते स्वर्ण पदक

लिवरपूल, वार्ता। जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्ज़ेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइज़बे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गईं। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

हांगकांग को हरा सुपर-4 में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

● **चरिथ असलंका की अगुवाई में श्रीलंका की टीम पहले मैच में बांग्लादेश को हराकर आत्मविश्वास से भरी हुई है**

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं।

जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की

नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलांका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है। दुबई की पकड़ी पिचों पर वानिंदु हसरंगा की शानदार लेग स्पिन एक सिद्ध मैच-विजेता गेंदबाज बनी हुई है, और प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार, स्पिन आक्रमण में एक और परत जोड़ने के लिए महेश थीक्षाना को लाने पर विचार कर सकता है। हांगकांग की बात की जाये तो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हार के बाद अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है, लेकिन यासिम मुर्तजा की टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। जीशान अली, अंशुमान रथ और बाबर हयात बल्लेबाजी की जिम्मेदारी का भार संभालेंगे, जबकि अतीक इकबाल ने शानदार इकॉनमी से तीन विकेट लेकर गेंद से उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। दुबई की पिच से तेज गेंदबाजो को शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद यह एक भरोसेमंद बल्लेबाजी ट्रैक बन जाएगी। अनुशासन के साथ खेलने वाले स्पिनर बीच के ओवरों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बाद में ओस की संभावना है। यहां टॉस मैच के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

श्रीलंका की संभावित टीम : पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना और महेश थीक्षाना।

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

अबु धाबी, वार्ता। एशिया कप के 7वें मैच में यूएई का सामना सोमवार को ओमान से होगा। यूएई को अपने पहले मैच में भारतीय टीम से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह ओमान को टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 93 रन से बड़ी हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में होंगी।

ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत रेसलिंग विश्व चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई

● **1.7 किग्रा ओवरवेट होने के कारण निकले अमन सहरावत**

नई दिल्ली, वार्ता। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत जाग्रेब में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। वे रविवार को मुकाबले से पहले ओवरवेट पाए गए। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा इवेंट में हिस्सा लेने वाले थे, लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। अमन से इस चैंपियनशिप में मेडल की उम्मीद थी। उनके पास वजन कम करने के लिए पर्याप्त समय था। वे भारतीय पहलवानों के साथ 25 अगस्त को तैयारी के लिए क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंच गए थे। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है कि अमन अपना वजन कंट्रोल नहीं कर पाए। जब वे वजन मापने के लिए खड़ा हुआ तो उसका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था। यह स्वीकार्य नहीं है। उसका वजन इतना ज्यादा कैसे हो गया, यह हमारी समझ से परे है।

सात्विक-चिराग फाइनल में हारे

हांगकांग, वार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी आज हांगकांग में जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी।

उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाई और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालांकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की

● **पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में हार गए**

गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया। भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं।

गैर स्टीड 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश नियुक्त

हैदराबाद, वार्ता। न्यूजीलैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले गैरी स्टीड को 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह टीनू योहानन की जगह लेंगे।

गैरी स्टीड को टीम का कोच बनाए जाने पर आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आंध्र क्रिकेट उनके मार्गदर्शन में एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, और इस सत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने और शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। 53 वर्षीय स्टीड, न्यूजीलैंड के सबसे सफल कोच हैं। उन्होंने तीन वैश्विक सीमित ओवरों के फाइनल (2019 एकदिवसीय विश्व कप, 2021 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) में टीम को पहुंचाया और भारत में 3-0 से ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल की है। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को 2009 एकदिवसीय विश्व कप और 2010 टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2013 से 2017 तक कैंटरबरी को तीन खिताब और न्यूजीलैंड की घरेलू रेड-बॉल प्रतियोगिता प्लंकेट शील्ड के फाइनल में भी कोचिंग दी थी। बतौर खिलाड़ी स्टीड न्यूजीलैंड के लिए पांच टेस्ट मैच खेले और 34-75 की औसत से 278 रन बनाए। उन्होंने 101 प्रथम श्रेणी और 103 लिस्ट ए मैच भी खेले, जहां उन्होंने क्रमश: 4984 और 2173 रन बनाए। आंध्र 2024-25 रणजी ट्रॉफी में सात मैचों में से केवल एक जीत के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर रहा था।

संक्षिप्त खेल समाचार

हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, व कप्तान असलांका के साथ कामिंदु अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

रयान क्राउसर की गोला फेंक में खिताबी हैट्रिक

टोक्यो, वार्ता। संयुक्त राज्य अमेरिका के रयान क्राउसर ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो के साथ लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक और तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ने मेक्सिको के उज़एिल मुनोज को 37 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। मुनोज ने 21.97 मीटर के साथ रजत पदक जीता और इटली के लियोनार्डो फैब्री ने 21.94 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भी जीत हासिल करने के बाद पहले दिन दो स्वर्ण पदकों के साथ समापन किया। सुबह के सत्र में, स्पेन की पेरेज ने 35 किमी रेस वॉक में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि कनाडा के इवान ने पुरुषों की स्पर्धा में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के लिए देर से बढ़त हासिल की।

सौरव गांगुली-हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे

● **हरभजन वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे**

नई दिल्ली, वार्ता। सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं।

हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआई के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। 103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है।

हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं। पूर्व बीसीसीआई दिग्गज और दिल्ली क्रिकेट के कद्दावर नेता दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को दिल्ली ज़िला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने नामित किया है। उन्हें बीसीसीआई में एक प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे। संबंधित राज्य संघों द्वारा नामांकित होना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल वही प्रतिनिधि 28 सितम्बर को होने वाले चुनाव में भाग ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे और यह लगभग तय है कि सचिव देवजीत सैकिया (असम), कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया (छत्तीसगढ़) और संयुक्त सचिव रोहन देस्सा (गोवा) अपने पदों पर बने रहेंगे।

मेघरा ने एयर राइफल में जीता कांस्य

● **फाइनल में मेघना सज्जनार ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता**

निंगबो, वार्ता। एक ऐसे फाइनल में जहां चीन की नई सनसनी पेंग शिनलु ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, भारत की मेघना सज्जनार ने आठ साल बाद अपना पहला विश्व फाइनल खेलते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता।

यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने निंगबो, चीन में आयोजित सीजन-एंड़िग इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता और पेंग ने 255-3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यह स्कोर उनकी साथी वांग ज़ीफेई के पूर्व विश्व रिकॉर्ड 254-8 से बेहतर था। ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निंगबो वर्ल्ड कप का पहला पदक दिलाया था। घरेलू रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के खिलाड़ियों से बनी भारतीय टीम ने विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में सराहनीय प्रदर्शन किया। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कुल 10 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला हुआ। रविवार सुबह दूसरे क्वालिफिकेशन राउंड में शूटिंग करते हुए मेघना ने 632-7 का मजबूत स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया। पेंग 637-4 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष पर रही। चीन की खिलाड़ी ने फाइनल की 24 शॉट्स की सीरीज की शुरुआत ही परफेक्ट 10-9 के साथ की। पहले पांच शॉट्स की सीरीज के बाद मेघना आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे पीछे थीं। दूसरी सीरीज में 52-3 के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले 10 शॉट्स में उन्होंने 10-2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें 12वें शॉट में एक अहम 10-9 भी शामिल था। इस तरह लगभग एक दशक की मेहनत के बाद उन्होंने इस स्तर पर पहला पदक पक्का कर लिया। 19वें शॉट से पहले व्यक्तिगत न्यूट्रल एथलीट मारिया वासिलेवा उनसे सिर्फ 0-3 अंक आगे थीं। लेकिन मेघना के लगातार दो 10-4 स्कोर ने मारिया की उम्मीदों को खत्म कर दिया। भारत ने दिन का दूसरा फाइनल भी हासिल किया, जो निंगबो में चौथा फाइनल था। किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर कर चौथा स्थान प्राप्त किया। हालांकि फाइनल में पहले नीलिंग (घुटने) और फिर प्रोन पोजीशन (लेटकर) में खराब शुरुआत के कारण वे आठवें स्थान पर रहे।

सुमित के दम पर भारत ने स्विट्जरलैंड को हराया

बील, वार्ता। भारतीय पुरुष टेनिस टीम ने डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप आई मुक. ाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर बील में इतिहास रच दिया। यह 32 वर्षों में किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत थी, आखिरी बार 1993 में फ्रांस के खिलाफ आई थी। सुमित नागल ने निर्णायक उलट एकल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट पर 6-1, 6-3 से शानदार जीत के साथ जीत सुनिश्चित की। डेविस कप स्टैंड़िग में 37वें स्थान पर काबिज भारत ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड (24वें स्थान) को हराकर 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में जगह बनाई। पहले दिन भारत ने स्विस टेनिस एरेना में मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया था। डेविस कप में पदार्पण करते हुए दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती एकल मुक. ाबले में घरेलू पसंदीदा जेरोम किम को 7-6(4), 6-3 से हराया। 626वीं रैंकिंग के सुरेश ने उल्लेखनीय धैर्य दिखाया और सीधे सेटों में मैच जीतने से पहले कई ब्रेक प्वाइंट बचाए। बाद में, भारत के अगुआ सुमित नागल ने दो बार के ओलंपियन मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6(4) से हराया। नागल ने पहले सेट में दो बार ह्यूस्लर की सर्विस तोड़ी और दूसरे सेट के टाईब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा, जिससे भारत को पहले दिन के बाद 2-0 की बढ़त मिल गई। जैकब पॉल और हेनरी बर्नेट की स्विस जोड़ी ने वापसी करते हुए एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोल्लीपल्ली को युगल मुकाबले में हराया। पहले उलट एकल में 18 वर्षीय बर्नेट का सामना करते हुए, भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल ने शुरुआत में ही ब्रेक लिया और बेसलाइन से दबदबा बनाया। यह जीत 1993 के बाद से किसी यूरोपीय देश पर भारत की पहली डेविस कप जीत है, एक ऐसा परिणाम जो टीम के लचीलेपन और गहराई को दर्शाता है।

● **32 साल में पहली बार किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत**

यह 2019 में शुरू किए गए नए डेविस कप प्रारूप के तहत भारत की पहली विदेशी सफलता भी है। यह जीत भारत की 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में प्रगति सुनिश्चित करती है, जबकि स्विट्जरलैंड को 2026 विश्व ग्रुप ए प्ले-ऑफ में भाग लेना होगा। तीन बार का डेविस कप उपविजेता (1966, 1974, 1987) भारत अब प्रतियोगिता के एलीट चरणों में वापसी की अपनी खोज में इस गति को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

केन्या की चेबेट ने विश्व एथलेटिक्स में 10000 मी. दोड़ में जीता पहला खिताब

● **दौड़ में बीट्राइस चेबेट के साथ हमवतन एग्नेस चेबेट एथियोपिया की गुडाफ और फोटियन व इटली की नादिया भी थी**

टोक्यो, वार्ता। केन्या की बीट्राइस चेबेट ने यहां 2025 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30 मिनट 37:61 सेकंड में अपना पहला विश्व खिताब जीता। 25 वर्षीय विश्व रिकॉर्ड धारक चेबेट ने 4,000 मीटर स्प्लिट के बाद बढ़त बना ली, उनके साथ हमवतन एग्नेस जेबेट नेगेटिच, इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे और फोटियन टेस्फे, और इटली की नादिया बट्टोक्लेट्टी भी थीं। हालांकि गत चैंपियन त्सेगे 9,200 मीटर स्प्लिट के बाद आगे निकल गईं, लेकिन दो बार की ओलंपिक चैंपियन चेबेट ने निर्णायक अंतिम दौड़ में 30 मिनट और 37:61 सेकंड में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता बैटोक्लेट्टी 30:38:23 सेकंड में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने एक नया इतालवी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। त्सेगे 30:39:65 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहीं, जो इथियोपियाई खिलाड़ी का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। चेबेट ने कहा कि यह एक कठिन, बहुत ही रणनीतिक दौड़ थी, लेकिन मैंने आखिरी 800 मीटर बहुत मेहनत से दौड़ा। त्सेगे ने बहुत ज़ोर लगाया और मुझे लगातार दौड़ते रहना था। मैं उस स्वर्ण पदक को बहुत चाहती थी। मैंने विश्व चैंपियनशिप में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था, इसलिए मुझे यकीन था कि मुझे इसे हासिल करना ही होगा। दौड़ के दौरान यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। शायद, लॉस एंजे. लिस (2028 ओलंपिक) के बाद, मैं मैराथन में भाग लूंगी। लेकिन अभी के लिए, मैं ट्रैक पर ही रहूंगी।

दिल्ली से लौटते ही मुख्यमंत्री से विधायकों के मिलने का सिलसिला शुरू

मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के बीच मुख्यमंत्री आवास दौड़ की हो रही चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल में विस्तार की संभावनाओं और चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को कई वरिष्ठ विधायकों ने अलग-अलग पहुंचकर मुलाकात की है। इनमें वो विधायक भी शामिल हैं जो पूर्ववर्ती सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। मुख्यमंत्री धामी के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में विधायकों ने पहुंचकर मुलाकात की और अपने क्षेत्रों से संबंधित अलग-अलग मामलों में चर्चा की है।

- सीएम पुष्कर धामी ने जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने का दिया संदेश
- विधायकों से आपदा प्रभावितों की मदद में सहयोग का सीएम ने किया आग्रह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में विधायक सहदेव पुंडीर, खजान दास, सुरेश चौहान, भरत चौधरी, संजय डोभाल, अनिल नौटियाल, प्रीतम पंवार एवं अन्य जनप्रति. निधियों ने शिष्टाचार भेंट की। शिष्टाचार भेंट के दौरान जनप्रति. निधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विभिन्न विकासपरक मांगों एवं स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने विधायकों से किया आग्रह

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से समस्याओं का समाधान और विकास कार्य और अधिक प्रभावी होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण करने और जरूरतमंद परिवारों तक समयबद्ध सहायता पहुँचाने में सहयोग का विधायकों से आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावित सभी परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी और राहत-पुनर्वास कार्यों की गति तेज की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल एवं ऊर्जा जैसे बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का संतुलित और सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को निकटता से सरकार तक पहुंचाएं और सभी मिलकर प्रदेश की प्रगति में भागीदारी सुनिश्चित करें।

मंत्रिमंडल में पांच पद खाली जल्द विस्तार की फिर चर्चाएं

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार की कैबिनेट में विस्तार को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। कैबिनेट में फिलहाल पांच पद खाली चल रहे हैं, विस्तार के साथ ही पोर्टफोलियो रिशफलिंग की चर्चाएं भी उठ रही हैं। मंत्रिमंडल में वर्तमान समय में 6 मंत्री ही हैं, और 7वें खुद मुख्यमंत्री हैं। यानी नियमानुसार कुल 70 विधानसभा सदस्यों के 15 फीसदी मंत्रिमंडल के हिसाब से उत्तराखंड में मुख्यमंत्री सहित कुल 12 मंत्रियों की कैबिनेट होनी चाहिए। जिसमें से 5 सीटें खाली चल रही हैं। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल में 3 पद तो सरकार के गठन के समय से ही खाली हैं। बाद के वर्षों में मंत्री चंदन राम दास के निधन होने और इसी वर्ष मंत्री प्रेमच. ंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद 2 सीटें और खाली हो गई थीं। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं को लेकर खुद मुख्यमंत्री धामी भी सकारात्मक इशारा दे चुके हैं। और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने जल्दी ही कैबिनेट के खाली पदों को भरने की बात कही थी। मुख्यमंत्री धामी के दिल्ली दौरे के बाद इन संभावनाओं को अक्सर बल भी मिलता रहा है। पिछले दिनों भी कई विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल की संभावना भी जताई जा रही हैं। क्योंकि मंत्रियों के विभागों की प्रगति की भी मुख्यमंत्री पिछले दिनों समीक्षा कर चुके हैं।

इस बदलाव की गैरसैंण में हुए मानसून सत्र से पहले भी संभावना थी क्योंकि मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद से संसदीय कार्य मंत्री का पद खाली था जो कि विधानसभा सत्र से पहले भरा जाना जरूरी थी। लेकिन मुख्यमंत्री ने सिर्फ मंत्री सुबोध उनियाल को ही संसदीय कार्यमंत्री की जिम्मेदारी देकर उस समय कैबिनेट की संभावना पर अल्पविराम लगा दिया था।

डीएम की पहल: बेसहारा बेटियों की शिक्षा को मिला सहारा

देहरादून। मां की मौत और पिता की बेरोजगारी के कारण अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी तीन बेसहारा बहनों को जिला प्रशासन की कार्रवाई से अब शिक्षा का अधिकार मिल गया है। जिलाधिकारी (डीएम) की पहल पर इन बच्चियों को न केवल स्कूल में दाखिला मिला है, बल्कि उन्हें मुफ्त में यूनिफॉर्म और किताबें भी दी गई हैं। इसके साथ ही, उनकी बड़ी बहन को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। पिछले सप्ताह जिलाधिकारी संविन बसंल से मुलाकात कर सरिता ने अपनी पीड़ा बताई थी कि उनकी मां की डूबने से मृत्यु हो गई है और पिता बेरोजगार हैं। जिसके कारण उनकी छोटी बहन काजल (कक्षा 5), प्रीति (कक्षा 4), और रागिनी (कक्षा 3) की पढ़ाई छूट गई है और उनके पास फीस देने के लिए पैसे नहीं हैं। डीएम ने इस मामले पर संज्ञान लिया और मुख्य शिक्षा अधिकारी को बच्चियों का दाखिला कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, उन्होंने सरिता को भी रोजगारप. रक प्रशिक्षण दिलाने के लिए जीएमडीआईसी को निर्देशित किया।

हरियाणा का वांटेड अपराधी दून में ढेर

पुलिस के खोप में दबिश के दौरान खुद को लाइसेंसी पिस्टल से मारी गोली, हरिद्वार में दरोगा को गोली मारकर हुआ था फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में हरियाणा पुलिस के एक उप-निरीक्षक को गोली मारकर फरार हुए मोस्ट वांटेड अपराधी सुनील कपूर ने देहरादून में एक रिश्तेदार के घर में छिपा हुआ था।

जिंद, हरियाणा के रहने वाले सुनील कपूर पुत्र ओम प्रकाश कपूर निवासी मोहल्ला बाजरान थी। 13 सितंबर, 2025 को हरियाणा पुलिस के उप-निरीक्षक सुरेंद्र, हरिद्वार बस स्टैंड के पास सुनील को गिरफ्तार करने गए थे। इसी दौरान सुनील ने पुलिस टीम

पुलिस की घेराबंदी के दौरान खुद को इस लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जिस पिस्टल से दरोगा को गोली मारी गई थी। यह घटना देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र में लक्ष्मण चौक इलाके में हुई, जहां अपराधी अपने आसरीगेट जिंद हरियाणा पर धोखाधड़ी और कई अन्य मामलों में केस दर्ज थे। मुकदमे दर्ज होने के बाद सुनील कपूर हरियाणा से फरार हो गया था और हरिद्वार में चेक कर रह रहा था।जिसकी सूचना हरियाणा पुलिस को मिली पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी, जिससे उप-निरीक्षक के पेट और हाथ में चोट लगी। इस घटना के बाद हरिद्वार पुलिस में हड़कंप मच गया था और आनंन-फानन में एसएसपी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा था ओर घायल पुलिसकर्मी को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद हरिद्वार पुलिस ने भी सुनील के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया था। हरिद्वार पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अपना जाल बिछा रही थी।

ऐसे चला पुलिस का अभियान

गोलीकांड के बाद से ही हरिद्वार और जिंद पुलिस सुनील की तलाश कर रही थीं। पुलिस को जानकारी मिली कि वह देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मण चौक में अपने एक रिश्तेदार के घर में छिपा हुआ है। सूचना मिलने पर देहरादून, हरिद्वार और जिंद पुलिस ने एक संयुक्त टीम बनाकर सुनील के ठिकाने पर छापा मारा।पुलिस ने घर को चारों तरफ से घेरकर सुनील को आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन, सुनील ने समर्पण करने की बजाय अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली।

घटनास्थल पर जांच में जूटी पुलिस

देहरादून के नगर कोतवाली क्षेत्र में लाइसेंस पिस्टल से खुद को गोली मारने वाले आरोपी के मामले को लेकर घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर सबूत इकट्ठा किए। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सुनील कपूर का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है, जिसमें हरियाणा में दर्ज कई मामले शामिल हैं।

जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट घोटाले में कांग्रेस का बड़ा हमला

सरकार ने 30 हजार करोड़ की जमीन एक करोड़ में दे दी: माहरा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट परियोजना को लेकर बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने रविवार को सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह प्रदेश का सबसे बड़ा घोटाला है जिसमें राज्य की हेरिटेज जमीन को कौड़ियों के भाव बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की कंपनियों को सौंप दिया गया।

माहरा ने दावा किया कि मसूरी स्थित जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट की 142 एकड़ हेरिटेज भूमि, जिसकी बाजार कीमत करीब 30,000 करोड़ रुपये है, उसे सिर्फ 1 करोड़ रुपये वार्षिक किराए पर दे दिया गया है। यह सौदा उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के माध्यम से दिसंबर 2022 में किया गया, जिसमें टेंडर प्रक्रिया को लेकर भी गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। माहरा ने कहा कि यह घोटाला भाजपा के क्रोनी कैपिटलिज्म का जीता-जागता उदाहरण है। टेंडर में भाग लेने वाली तीनों कंपनियां, राजस एरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, भारूवा एग्री साइंस प्राइवेट लिमिटेड और प्रकृति ऑर्गेनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सीधे आचार्य बालकृष्ण से जुड़ी हैं। यह टेंडर पूरी तरह से नियमों और कानूनों का उल्लंघन करता है।

सीबीआई से जांच की मांग: कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की है, और वह भी उत्तराखंड हाईकोर्ट की निगरानी में। माहरा ने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी और राज्य की जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी।

एडीबी के पैसे से बना प्रोजेक्ट, फायदा निजी कंपनी को

देहरादून। माहरा ने आरोप लगाया कि इस प्रोजेक्ट को एशियन डेवलपमेंट बैंक से मिले 23.5 करोड़ रुपये के ऋण से तैयार किया गया था। लेकिन इसके बाद इस पूरी परियोजना को एक निजी कंपनी को सौंप दिया गया, जिससे उसकी आमदनी 8 गुना बढ़ गई, जबकि राज्य को नाममात्र का लाभ हुआ। यह सिर्फ सरकारी लापरवाही नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया आर्थिक अपराध है। भाजपा सरकार ने बाबा रामदेव के पतंजलि साम्राज्य को खुला संरक्षण दिया है। माहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके अफसर इसमें बराबर के जिम्मेदार हैं।

धारचूला में जमीन पर कब्जे व निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के भी आरोप

देहरादून। माहरा ने धारचूला के गूंजी क्षेत्र का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां वर्षों से रह रहे स्थानीय लोगों की जमीनों को जबरन अधिग्रहित कर उन्हें हटाया जा रहा है, जबकि "शिव धाम" प्रोजेक्ट के नाम पर पर्यटन विभाग को भूमि सौंपकर किसी निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि एक निजी एविएशन कंपनी यात्रियों को ओम पर्वत और छोटा कैलाश दर्शन के लिए ले जा रही है और उन्हें अपने ही होमस्टे में ठहरा रही है, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। कहा कि भर्ती घोटाले, पेपर लीक, और अब पर्यटन घोटाला उत्तराखंड भाजपा के शासन में घोटालों का गढ़ बन चुका है।

136.68 करोड़ की विकास योजनाओं की सीएम ने दी वित्तीय स्वीकृति

जनपद चंपावत, बागेश्वर, देहरादून, टिहरी की विभिन्न योजनाओं को मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 136.68 करोड़ रुपये की मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वित्तीय मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में जिला मुख्यालय के निकट मुडियानी में उद्यान फार्म बनाये जाने हेतु रू. 37.51 लाख तथा अमोडी में हाउस ऑफ हिमालयाज के विपणन केन्द्र की स्थापना हेतु रू. 49. 82 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

जनपद बागेश्वर व टिहरी की योजनाएं

मुख्यमंत्री ने जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र कपकोट के अन्तर्गत शिखर मूल नारायण परिसर अलखनाथ मंदिर किलपारा भनार बज्यैण, काण्डा सिमकुला, घटवारिया, शिव मंदिर सुंदर गुफा कांडा, बज्यैण मन्दिर ढाई ईजर, नन्दा देवी मंदिर दोफाड को पर्यटन के रूप में विकसित किये जाने तथा अलखनाथ मंदिर किलपारा के सौंदर्यीकरण हेतु रू. 58.64 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद टिहरी के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के अन्तर्गत द्वारिकापुरी में यात्रियों के लिए यात्री विश्राम गृह बनाये जाने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर में वार्ड 86, सेवला कलां के अन्तर्गत विभिन्न गलियों में पुरानी जीर्णशीर्ण पाइप लाइन बदलने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

15वें वित्त आयोग की भी संस्तुतियां: मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में ग्रामीण पी.एच.सी. एवं एस.सी. (उपकेन्द्र) को स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र में परिवर्तित करने सम्बन्धी योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में रु. 35.50 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

समस्त शहरी स्थानीय निकायों को अनाबद्ध-अनिर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम किस्त रू. 39.41 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में समस्त शहरी स्थानीय निकायों को आबद्ध अनुदान-निर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम किस्त रू. 59.11 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

नगर निगम के लिये भाजपा-कांग्रेस जिम्मेदार: यूकेडी

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष प्रवीण रमोला ने देहरादून नगर निगम में 31 वार्ड में हुए घोटाले के लिए भाजपा और कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। कहा की भाजपा की जीरो टॉलरेंस की सरकार अपना दम दिखाए और इन सभी पार्षदों और उनके साथ भ्रष्ट कर्मचारियों जिन्होंने वेतन में घोटाला किया है को तत्काल गिरफ्तार कर जेल में भेजें। कहा कि नगर निगम देहरादून घोटाले का अड्डा बनकर रह गया है। वहां पर आज भी घर से कूड़ा उठाने के खेल के लिए बनाई गई स्वच्छता टेंडर में जबरदस्त घोटाला किया जा रहा है।

हिंदी दिवस पर बोले निशंक, 'मेरे देश की पहचान है हिन्दी'

'राष्ट्रीय एकता और हिंदी' पर संवाद, लेखक गांव थानों में आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के पहले लेखक गांव थानों में आयोजित संवाद कार्यक्रम ष्राष्ट्रीय एकता और हिंदीष में विभिन्न साहित्यकारों, कवियों और हिंदी शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल, कार्यक्रम की अध्यक्ष पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सविता मोहन और स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय की उपाध्यक्ष विदुषी निशंक ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

इस संवाद कार्यक्रम में लेखक गांव के संरक्षक, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल श्निशंकश ने अपने उद्बोधन में कहा, षहिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक है। हमें इस भाषा को और भी सशक्त बनाना होगा ताकि यह हर भारतीय के दिल में घर कर सके और राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर सके। हर वर्ष 14 सितंबर का हिंदी दिवस हमे स्मरण कराता है कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं है बल्कि हमारी आत्मा का संगीत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल ने कहा, षहिंदी भाषा में न केवल भारतीयता की भावनाएं समाहित हैं, बल्कि यह एकता का संदेश भी देती है। हमें इसे केवल भाषा के रूप में नहीं, बल्कि एक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के रूप में देखना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्ष, पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. सविता मोहन ने कहा, षहिंदी का महत्व शिक्षा और साहित्य दोनों में अत्यधिक है। यह हमारे विचारों को व्यक्त करने का सबसे प्रभावी साधन है, और इसे सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।

राष्ट्रीय एकता की दिशा में महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में काव्य पाठ का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रगाढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस अवसर पर साहित्य जगत के अनेक प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं, जिन्होंने इस संवाद कार्यक्रम को समृद्ध किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ममता गुप्ता, डॉ. क्षमा कौशिक, मोनिका शर्मा, रचना शर्मा, डा. नूतन स्मृति, कविता बिष्ट, माणिक अग्रवाल, मनमोहन सकलानी, तनुजा सिंह, डा. मुकेश नौटियाल, वीरेंद्र डंगवाल, कुसुम रावत, बीना बेंजवाल रहे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती मिश्रा ने किया।

अवरुद्ध सड़कों को युद्धस्तर पर खोला जाए: जोशी

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में यूआरआरडीए के अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत बरसात से बाधित सड़कों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के कारण अवरुद्ध हुई सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर युद्धस्तर पर खोला जाए तथा क्षतिग्रस्त और बह चुके पुलों का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क कटान से निकलने वाले मलवे को चिन्हित डंपिंग जोन में ही डाला जाए ताकि किसानों की खेती को नुकसान न पहुंचे।

सम्पादकीय

सोमवार, 15 सितम्बर 2025

मणिपुर को सौगात

मणिपुर में 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार पीएम मोदी मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे। वहां उन्होंने जहां कुकी बाहुल चूड़ा चांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित किया, वहीं इम्फाल में 1200 करोड़ की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की, वहीं साथ ही कहा कि यहां के लोग विकास को प्राथमिकता देते हैं और राज्य में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनका कहना था कि कहीं भी विकास के लिए शांति जरूरत है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं, लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। शांति प्रयासों से लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो प्रयास किए हैं वह राज्य में साफ दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में पहाड़ी और घाटी में विभिन्न समझौतों के साथ समूहों में बातचीत को प्राथमिकता दी। जहां तक बात विपक्ष की है, विशेष रूप से कांग्रेस पीएम मोदी की मणिपुर की यात्रा को इस समय गैर जरूरी बता रही है। उसकी नजर में अब मणिपुर जाने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने साफ कहा है कि पीएम मणिपुर जाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उनका मकसद लोगों के दुख में शामिल होना नहीं बल्कि बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करना मकसद है ताकि उनको प्रचार मिल सके। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हालांकि उनकी मणिपुर की यात्रा का स्वागत किया, लेकिन यह बेहद देर से उठाया गया कदम भी बताया। उनका कहना था कि पीएम मोदी को बहुत पहले यहां आना चाहिए था। वैसे विपक्ष के तमाम नेता समय-समय पर पीएम मोदी से वहां का दौरा करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन वह तमाम मांगों को अनसुना कर मणिपुर नहीं गए।

जैसाकि खड़गे ने कहा कि जब से मणिपुर में हिंसा हुई है तब से पीएम मोदी दर्जनों विदेश यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर की कभी सुध नहीं ली। विपक्ष का यह आरोप अतार्किक भी नहीं कहा जा सकता। पीएम होने के नाते मोदी को वहां बहुत पहले जाना चाहिए था। निश्चित रूप से मणिपुर के दंगे बेहद सिरहन पैदा करने वाले हैं, क्योंकि कुकी और मेतेई समुदाय के बीच जिस तरह की दुश्मनी देखने मे आई, वह राज्य व देश के लिए बेहद खतरनाक है और वर्तमान में भी हम देख रहे हैं कि वहां हिंसा में कमी आई है। मेतेई और कुकी नेता आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन अभी पूरी तरह शांति नहीं कही जा सकती। निसंदेह महिलाओं के साथ जिस तरह दुराचार की खबरें आई हैं, उसने पूरे देश को ही एक तरह से हिलाकर रख दिया। बात यहीं खत्म नहीं होती, मणिपुर को लेकर पीएम मोदी ने कोई बड़ा बयान दिया हो ऐसा भी याद नहीं आता, लेकिन देर से ही सही, अगर पीएम मोदी इस समय मणिपुर गए हैं, तो उसका भी स्वागत किया जाना चाहिए और जिन बड़ी परियोजनाओं की उन्होंने घोषणा की है वह भी राज्य के लिए बड़ी बात है। हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखना ठीक नहीं है। विपक्ष को भी समझना होगा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर को बड़ा पैकेज दे रहे हैं, तो इससे राज्य के लोगों का ही भला होगा।

पीडीए के कारण नेपाल में हो गया तख्तापलट

भाजपा सरकार में लगातार पीडीए का अपमान और उपेक्षा हो रही है, पीडीए के कारण ही नेपाल में आग लगी और तख्तापलट हो गया। इसे ध्यान में रखना चाहिए, भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है विधानसभा चुनाव में भाजपा को हटाना ही लोकतंत्र और जनता के हित में है, पीडीए एकजुट हो रहा है, सपा बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर और डॉ राममनोहर लोहिया की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर गैरबराबरी, आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, भाजपा सरकार में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पीडीए की उपेक्षा हुई है, पीडीए को हिस्सेदारी नहीं मिली। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

क्यों कूटा गया नेपाल में भारतीय मीडिया

पवन सिंह

प्यार तो होना ही था। प्यार तो होना ही था। बेशक गाने की ये लाइनें फिल्मी हैं लेकिन कभी यह गाना भारतीय मीडिया के संदर्भ में खांचे में फिट होता था। अखबारों में छपी खबर को जनता इस हद तक सच मानती थी और विश्वास करती थी जितना कि सुबह फिर से सूरज उगेगा का सच। भारतीय मीडिया के लिए वह प्यार व सम्मान हम जैसों ने देखा है। 1980 के दशक के हमारे जर्नलिज्म के जो साथी हैं और हम लोगों के दौर से पहले के जो वरिष्ठ पत्रकार जीवित हैं, जर्नलिज्म से जुड़ी इस पीढ़ी को जाकर उनसे पूछना चाहिए कि ऐसा क्या हुआ कि सब बदल गया।

अब प्यार तो होना ही था गाने को अगर बदल दें तो यह ऐसे गाया जाएगा पिटना ही था। पिटना ही था। ये आखिर हुआ क्यों? भारतीय पत्रकार थपड़ियाए क्यों गए। बेहतर होता अगर इसकी पड़ताल और समीक्षा की जाती। घटना पर भारतीय पत्रकारों का गुस्सा बेशक जायज है, लेकिन सवाल फिर वहीं आकर खड़ा होता है कि आखिरकार भारतीय मीडियाकर्मियों को नेपाली जनता ने थपड़ियाया क्यों? अकारण और बेवजह ऐसी घटना का होना स्वाभाविक नहीं है?

नेपाल में मेरा काफी दिन रहना हुआ। उस दौरान मैं दैनिक हिन्दुस्तान में संवाददाता था। फैलोशिप पर मारीशस अध्ययन के बाद भारत लौटा तो नेपाल जाने का मौका मिला। यहां मुझे पर्यटन अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया था। वर्ष, 2000 में पर्यटन अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए पुस्तक लिखी। चूंकि आने-जाने और अध्ययन का खर्चा लखनऊ विश्वविद्यालय से ही दिया गया था लिहाजा विश्वविद्यालय ने ही किताब प्रकाशित करवाई। नेपाल को जितना मैं समझ पाया में वह लगातार भारत से दूर हुआ है। भारत से लगी नेपाली सीमाओं में रह रहा मधेशी जितना भारत के करीब है, उतना ही नेपाली राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाला पहाड़ क्षेत्र का नेपाली भारत को पसंद नहीं करता है। इस वर्ग में ताकतवर नेपाली ब्राह्मण व क्षत्रिय लॉबी है। यह ठीक वैसे ही है जैसे पाकिस्तान की सत्ता व सेना में केवल पंजाबियों का जबरदस्त वर्चस्व है और शेष हाशिए पर हैं।

मूल विषय यह है भारतीय मीडिया पिटा क्यों? भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

आप कौन होते हैं दूसरे देश में जाकर, वहीं की जनता के बिहाफ पर यह कहने वाले कि किस देश को किस तरह का प्रधानमंत्री चाहिए? आप किसी दूसरे देश कि राजनीति की दिशा तय करने वाले कौन होते हैं? कौन सा देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा या मुस्लिम या इसाई देश। आप कौन होते हैं? उस देश की जनता और उस देश के राजनीतिक नेतृत्व को तय करने दीजिए। आप खामखां कौन? और जब आप जबरिया किसी देश के आंतरिक मामलों में घुसेंगे तो पिटेंगे और वही हुआ। आप पिटे भी। नमस्ते ट्रंप और अबकी बार ट्रंप सरकार टाइप्स की हरकतें जब करेंगे तो रिश्ते दरकेंगे। क्योंकि यह सीधे-सीधे किसी भी संप्रभु राष्ट्र राजनीति में हस्तक्षेप का मामला बनता है। साहेब को लगा कि ट्रंप दोबारा आएगा लेकिन आए जो. बाइडेन अब मामला गले में फंसी हड्डी जैसा हो गया। उधर साहेब पहुंचे अमेरिका, अमेरिकी मीडिया ने छापा कि साहेब अपने पुराने दोस्त से जरूर मिलेंगे और ट्रंप ने भी बयान जारी किया कि उनका दोस्त मिलने आएगा, लेकिन दोस्त गायब हो गया। अमेरिकी मीडिया में ट्रंप का जबरदस्त मजाक बना। लेकिन घूमकर ट्रंप फिर आ गया और इस बार आप देख ही रहे हैं। रिश्ते दरक गए और आज जग-हंसाई अलग से हो रही है। भारतीय मीडिया का मजाक और उस पर मीम्स अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में जाए हुए हैं, क्योंकि आपने कलम को लिपिस्टिक बना लिया है और पत्रकारिता को कोठा, जहां पत्रकारिता आज मुजरा कर रही है। नेपाल में भारतीय मीडिया रिपोर्टिंग करने नहीं एजेंडा सेट करने गया था और जब आप पत्रकारिता से इतर एजेंडा सेट करने दूसरे देश में जाएंगे तो पिटेंगे ही और आप ठीक-ठाक बेइज्जत हुए और थपड़ियाए भी गए।

आइए समझते हैं नेपाल की नाराजगी- नेपाली अब यह मानने लगा कि भारत उसका शोषण करता है। भारत अकारण नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप करता है। एक नेपाली पत्रकार साथी बताते हैं कि 26 मई, 2006 को बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नेपाल के संदर्भ में टिप्पणी की कि नेपाल की मूल पहचान एक हिंदू राष्ट्र की है और इसे मिटने नहीं देना चाहिए और बीजेपी को इससे प्रसन्नता नहीं होगी कि नेपाल अपनी मूल पहचान माओवादियों के दबाव में खो दे। यहीं से माओवादियों और चीन प्रभावित नेपाली लॉबी खुलकर चीन की ओर आ गई। नेपालियों ने माना कि यह सीधा-सीधा हस्तक्षेप है।

इसके बाद रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल, पीएम ओली से मिले और भारत के सेना प्रमुख जनरल नरवणे ओली से मिलने पहुंच गए। फिर विदेश सचिव आए। इसके तुरंत बाद बीजेपी के विदेशी मामलों के प्रभारी विजय चौथाई भी ओली से मिले। ये सारी मुलाकातें गोपनीय हुईं लेकिन नेपाली मीडिया खबरें करता रहा। जनता को आधिकारिक रूप से कोई भी जानकारी नहीं दी गई। अचानक पीएम ओली ने संसद को भंग कर दिया जबकि ओली के पास बहुमत भी नहीं था। नेपाली मीडिया और राजनीतिक दलों ने यह कह कर तूल दिया कि भारत नेपाल में अस्थिरता फैलाना चाहता है। ओली यह सब भारत की शह पर कर रहे हैं। समय बीता और वर्ष, 2015 में भारत के विदेश सचिव एस जयशंकर नेपाली नेतृत्व के सामने अजीब से कड़े तेवर में नजर आए। यह नेपाल की राजनीतिक पार्टियों को बुरा लगा और यह सब तब हो रहा था जब नेपाल इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपना संविधान लागू कर रहा था। हां नया संविधान था और इस बात की संभावनाएं थीं कि इसमें कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन समय के साथ यह संवैधानिक कमियां दूर हो जातीं। भारत की मधेसियों को लेकर जो चिंता थी वह सही थी लेकिन कोई दूसरा देश, किसी दूसरे संप्रभु देश को यह कैसे कह सकता है कि संविधान को लागू करने से रोक दीजिए। एस जयशंकर के इसी रवैये के बाद नेपाल के सभी राजनीतिक दल एक हुए और भारत के दबाव को दरकिनार कर संविधान को लेकर आम सहमति बनाई। नाराज भारत ने नाकेबंदी कर दी और इससे नेपाल में मानवीय संकट खड़ा हो गया और यही वह भारत विरोधी माहौल था जब चीन ने सीधे-सीधे इसे अपने पक्ष में किया। नेपाल के लोग आज भी उस नाकेबंदी को याद करते हैं जब वर्ष 2015 में नेपाल को पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। पेट्रोल व डीजल की मीलों लंबी लाइनें थीं। नमक के पैकेट तक की मारा-मारी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। रसोईयों के चूल्हे बंद हो चुके थे, क्योंकि गैस सप्लाई तक बंद थी। यहीं से नेपाल ने उस रास्ते को तलाशना शुरू कर दिया कि चीन से ट्रांजिट रूट को कैसे मजबूत हो। बस सब कुछ पलटता चला गया। नेपाल के एक पत्रकार साथी कहते हैं कि भारत के लद्दाख और अरुणाचल में सेना घुसी हुई है, भारत को पहले अपने आंतरिक मामले देखने चाहिए, नेपाल में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मातृभाषा का राष्ट्र भ्रमण

व्यंग्य
हिन्दी सप्ताह पर मौलिक प्रस्तुति

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई।

अज़ीम राजा

स्टेशन पर लगी दो फुट की तख्ती पर मोटा-मोटा लिखा देख हिन्दी खुश हो गई। उसके दिल में देशवासियों के प्रति ममता हिलौरे लेने लगी। प्रेम के वशीभूत हिन्दी इधर-उधर नजरें घुमाने लगी। आनन्द आ रहा था, अपनी सन्तान को देखकर। प्लेटफार्म के एक कोने पर दिखा। एक कागज बोतल चुगने वाला बालक कोट-पैंट धारी थुलथुले साहब की आधी पीकर फेंकी हुई फ्रूटी पी रहा था।

हिन्दी माता खुश हो गई। दिल से निकला वाह क्या भाईचारा है। मेरी संतान मिल बांटकर खाती-पीती है। बालक फ्रूटी पीकर खड़ा हुआ तो एक सज्जन से टकरा गया। सज्जन को गुस्सा आ गया और बोला हराम खोर देखकर नहीं चल सकता, कपड़े खराब कर दिए और बालक को थप्पड़ जड़ दिया। हिन्दी एक दम सकते में आ गई। फिर दिल को दिलासा दिया कि एकाध संतान तो चलो बिगड़ भी जाती है। पर हिन्दी का मन अब स्टेशन पर नहीं लगा वह बाहर आ गई। चलते-चलते एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। वहां कोई पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चल रहा था। मंच की पीछे की दीवार पर एक बड़ा सा बैनर लगा था। जिस पर लिखा था जिला स्तर पर हिन्दी सेवियों का सम्मान। हिन्दी माता के चेहरे की मुस्कान बढ़ गई। चुपके से जाकर दूसरी पंक्ति में खाली पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गई। मंच पर संचालक ने माइक से बोलना शुरू किया। Ladies and gentlemen our next prise goes to mr RED MOON

देखिए इनका नाम तो लालचंद है, लेकिन नए दौर को देखते हुए इन्होंने अपना नाम अंग्रेजी में ट्रांसलेट करके रेडमून कर लिया है। इनकी उपलब्धियों में डाकू चमेली फिल्म का गाना अपने होठों की खिला दे रसमलाई जैसे हिन्दी गीत हैं। संचालक आगे भी कुछ-कुछ बोलता जा रहा था, लेकिन हिन्दी के कानों से सिर्फ इतना ही सुनकर खून बहने लगा। आगे सुनने की शक्ति समाप्त होने लगी। उबकाई आने लगी तो समारोह छोड़कर बाहर आ गई और लम्बे-लम्बे सांस भरने लगी। सड़क पर एक चाय की दुकान पर रखे टीवी में एक नेताजी का इंटरव्यू चल रहा था। नेताजी कह रहे थे हम चाहते हैं कि स्कूलों में केवल हिन्दी ही पढ़ाई जाए। विदेशी फिल्में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएं। अगर हम सत्ता में आते हैं तो हम इसको पूरे देश में लागू कराएंगे। हिन्दी ने सोचा चलो कोई तो है स्वभाषा प्रेमी। जो भी हो नेताओं में अभी हिन्दी प्रेम सबसे ज्यादा है।

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई। अपनी छोटी बहन को सुनकर। मंत्री जी दक्षिण से थे। जवाब देने के लिए खड़े हो गए। मन उत्साहित हो उठा। वाह-वाह। अब दूसरी बहन से भी भेंट होगी, लेकिन मंत्री जी ने तो अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। हिन्दी की मुस्कराहट कुछ कम हो गई। मंत्री जी जवाब दे ही रहे थे कि एक दूसरे सदस्य खड़े हो गए और बोले मंत्री जी आप अंग्रेजी में जवाब क्यों दे रहे हैं। हिन्दी माता ने सर सम्मान से उठाकर देखा। मंत्री जी बोले फिर कैसे जवाब दूं। टोकने वाले एमपी साहब बोले अजी मलयालम में दीजिए। यह सुनकर सदन में ठहाका गूंजा। हिन्दी को लगा जैसे उसकी छोटी बहन का मजाक उड़ाने के लिए यह बात कही गई है। देखिए आप जानते हैं मुझे यह भाषा नहीं आती मंत्री जी ने जवाब दिया। कुछ सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। एक ने कहा मंत्री जी बात केवल हिन्दी में कीजिए। मंत्री जी बोले लगता है आपको हिन्दी की बीमारी लग गई है। यह शब्द सुनकर हिन्दी रोने लगी। संसद में हंगामा खड़ा हो गया। एक तरफ से आवाज आई। रास्कल, बास्टर्ड। दूसरी तरफ कोई चीखा। हरामी कुत्ते। पहली बार संसद पहुंचे एक नौजवान सांसद ने एक पुराने नेता से पूछा यह क्या हो रहा है जी?? क्या ये लोग भाषा के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। जवाब मिला नहीं आज हमारा काम करने का मूड नहीं था। इसलिए हंगामा खड़ा किया है। इतने में संसद में जूते-माइक हवा में चलने लगे। एक सनसनाता माइक आया और दीवार पर टंगे हिन्दी भाषा राजभाषा के बोर्ड पर लगा। हिन्दी नीचे गिरकर बेहोश हो गई और कोमा में पहुंच गई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उत्तराखंडी पकवान, व्यंजन स्वास्थ्य का खजाना

डा. जयंती प्रसाद नौटियाल

उत्तराखंड की संस्कृति भारत की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। उत्तराखंड में ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति तथा खानपान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन गढ़वाल से निरंतर हो रहे पलायन और आधुनिकता के परिणाम स्वरूप नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को भुलाती जा रही है और आज अपनी मूल संस्कृति से दूर होती जा रही है। यहां तक कि हमारे सामान्य रीति-रिवाज और परम्पराएं भी धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसलिए आज आवश्यक का इस बात की है कि हम अपनी इस प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेज कर रखें ताकि आने वाले समय में यह ज्ञान का लुप्त होने से बच जाए। इस प्राचीन ज्ञान को समेटते हुए ज्ञान का एक संचित कोष तैयार करना होगा ताकि हम अपने नई पीढ़ी को बता सकें की हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और विरासत कितनी समृद्ध थी। यद्यपि यह संतोष का विषय है कि उत्तराखंड के साहित्यिक, सांस्कृतिक विषयों पर काफी कुछ लिखा जा रहा है लेकिन उत्तराखंड कि समृद्ध खान-पान कि परंपरा प्राय: लुप्त होने के कगार पर है। इस लुप्त होती ज्ञान परंपरा को सहेजने की एक श्रंखला के रूप में आज हम आपको उत्तराखंड के खान-पांच संबंधी पकवानों एवं व्यंजनों के बारे में बताने जा रहे हैं। उत्तराखंड के यह पकवान जहां स्वास्थ्य के लिए हितकर हैं वहीं स्वाद से भरपूर हैं। ये व्यंजन हमारे आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप भी हैं। आपने यह देखा होगा की पहाड़ों में जो बुजुर्ग पुरुष या महिलाएं आपको दिखाई देंगी वे जीवन के अंतिम समय तक सुंदर एवं कर्मठ रहते रहती हैं। उनके चेहरे पर लालिमा भरी आभा दिखाई देती है वृद्धावस्था में भी वे शक्ति की पुंज दिखाई देते हैं। इस स्वस्थ शरीर के पीछे उत्तराखंड के खान-पान का महत्व सर्वाधिक है साथ ही उत्तराखंड वासियों का प्रदूषण रहित पर्वत श्रंखलाओं में रहना, स्वछ जल और उनके संघर्षमय जीवन को और भी अधिक सक्रिय बना देता है। मैंने देखा है कि उत्तराखंड का भोजन परोसने वाले होटलों में भी बहुत ही सीमित प्रकार के उत्तराखंडी व्यंजन मिलते हैं। यद्यपि उनका यह प्रयास सराहनीय है, लेकिन इन होटेलों में भी केवल प्रचलित किस्म के ही पकवान परोसे जाते हैं। इसका कारण ही यह है कि उत्तराखंड के व्यंजनों के बारे में जन सामान्य की जानकारी बहुत कम होती जा रही है।

जहां तक उत्तरखंडी भोजन का स्वस्थ्य से संबंध है तो इस विषय मे आपको एक सच्ची घटना बताना छहता हूं। उत्तराखंड में उफल्डा नाम की सब्जी होती है। यह छोटी-छोटी पत्तियों की सब्जी होती है। यह भी उत्तराखंड के जंगलों में घास की तरह उगती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट और आंखों के लिए इतनी कारगर होती है कि यदि एक माह इसका सेवन कर लिया जाए तो आंखों की ज्योति इतनी बढ़ जाएगी की आपको कभी जीवन में चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बारे में एक छोटी सी कहानी आपको बताना चाहूंगा एक बार एक अंग्रेज इस उफल्डा की पत्तियों की सब्जी अपने रसोइए से बनवाता था और रोज खाता था उसका खानसामा सब्जी बनाने से पहले जब पत्तियां निकाल लेता था तो उन डंठल अलग रख लेता था और बाद में उन डंठलों की सब्जी अपने लिए बना लेता था।

एक बार वह अंग्रेज के साथ शिकार पर गया अंग्रेज ने बहुत दूर सड़क में पड़े हुए एक मरे हुए हिरण को देखा। सामान्य लोगों उतनी दूर नहीं दिखाई दे सकता है, चूंकि अंग्रेजउफल्डा की सब्जी खाता था इसलिए वह इतनी दूर देख पाया।

इस अंग्रेज में अपने खानसामा से कहा जरा देखो तो सही मुझे काफी दूरी पर एक हिरण मारा हुआ दिख रहा है, क्या तुम्हें भी दिखाई दे रहा है? तब खानसामा (रसोइए) ने कहा वह मरा हुआ तो है ही साथ ही वह सड़ चुका है, क्योंकि उसके ऊपर मक्खियां और कीड़े रेंग रहे हैं। अंग्रेजी या सुनकर आश्चर्यचकित हुआ और इस तथ्य की सच्चाई जानने के लिए उसने कहा चलो वहां चलकर देखते हैं।

जब भी वहां पहुंचे तो देखते हैं की हिरण मरा हुआ है उस से दुर्गंध निकल रही है और छोटे-छोटे कीड़े और मक्खियां उसके ऊपर रेंग रहे हैं। उस अंग्रेज ने खानसामा से कहा कि तुम यह बताओ कि तुम्हारी नजर इतनी तेज कैसे हैं जो मैं नहीं देख पाया वह तुम कैसे देख पाए तब उस रसोइए ने कहा हुजूर जो सब्जी आप खाते हैं मैं उसके डंठल अपने लिए रख लेता हूं और उन डंठलों की सब्जी में खा लेता हूं क्योंकि मुझे मालूम था कि इस सब्जी में आंखों कि ज्योति को बढ़ाने कि क्षमता है। आइए हम आपको ले चलते हैं उत्तराखंड के उन व्यंजनों की ओर जो स्वास्थ्य का खजाना हैं। इनसे प्रौढ़ एवं बुजर्ग उत्तराखंड वासी तो शायद परिचित होंगे परंतु नई पीढ़ी इन व्यंजनो मे से अधिकांश व्यंजनों से परिचित नहीं होगी।

उत्तरखंडी मुख्य भोजन

उत्तराखंड में दाल, रोटी, सब्जी, पराठा, जैसे सामान्य व्यंजन तो खाए ही जाते हैं, साथ ही पंजाबी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, बंगाली पकवान भी उत्तराखंड में प्रचलित हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे विशिष्ट व्यंजन भी होते हैं जो आपको केवल उत्तराखंड में ही खाने को मिलेंगे। इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नवत है-

नाश्ता

उत्तराखंड में नाश्ते में आधुनिक नाश्ते के सभी व्यंजन खाए जाते हैं। उत्तराखंड की विशेषता यह है की यहां के निवासी चाय के साथ परांठा या रोटी भी खा सकते है। चाय की मात्रा गिलास भर कर होती है। आजकल आचार, दही के साथ नाश्ते का प्रचलन है। पारंपरिक रूप में चाय, रोटी, सब्जी, परोठा, आचार और दही के साथ हरी मिर्च या भूट्वा मिर्च प्रचलित है इन आधुनिक पकवानो के अलावा उत्तराखंड में नाश्ते में निम्नलिखित विशिष्ट भोजन बनाए जाते हैं इनकी जानकारी अगले अंक में देंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल हिंसा में मरने वालों को मिलेगा शहीद का दर्जा

अंतरिम पीएम बोलीं: पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे, मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेईएन-आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है।

कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, श्मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितम्बर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। जेईएन-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को इनके घरों को फूंक डाला

■ कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ

था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बकिग्रार के किग्रारों जैसे पोखरा में रहना चकिग्राते हैं, ताकि फिर से जेईएन-के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को प्रधानमंत्री ओली के घर में आग लगा दी थी। वहीं, पीएम बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डा. भगवान कोइराला, डा. संदुक रुइत, डा. जगदीश अग्रवाल और डा. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन- के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि इसे सोमवार तक के लिए टाला भी जा सकता है।

नेपाल के प्रमुख दलों को कार्की का नेतृत्व स्वीकार

काठमांडू। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ शांति और सामान्य जनजीवन बहाल होने लगा है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। सोमवार से सभी शिक्षण संस्थान भी खुल जाएंगे। नेपाली कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल कार्की सरकार को स्वीकार करते दिख रहे हैं, पर संसद भंग करने के फैसले का दलों ने कड़ा विरोध किया है। इसे असांविधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए गंभीर झटका बताया है। नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी समेत आठ दलों ने साझा बयान में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की आलोचना की है। उन्होंने इसे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध करार दिया। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक उपलब्धियां खतरे में पड़ जाएंगी। बयान में सभी दलों ने संसद का सत्र तत्काल बुलाने की मांग की है, ताकि लोगों एवं आंदोलनकारी समूहों की मांगों को पूरा किया जा सके।

मुंबई। भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता अपने सिंदूर लगे हाथ दिखाते हुए।

जापान में एक लाख बुजुर्गों की आयु 100 से अधिक

■ 55वीं बार बनाया रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना, बुजुर्ग दिवस आज

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87784 महिलाओं और 11979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81 प्रतिशत है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है। जापान में 15 सितम्बर को बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा। देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो इजरायल पहुंचे

वाशिंगटन/यरूशेलम। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को एक आधिकारिक यात्रा पर इज़रायल पहुंचे। रुबियो की यह यात्रा इजरायल के कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमले के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार वह और रुबियो रविवार को यरूशलेम में एक साथ वेस्टर्न वॉल का दौरा करेंगे। इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यालय ने दोनों नेताओं के लिए औपचारिक कार्य बैठक के लिए योजना की घोषणा नहीं की। दोनों नेता गाजा में इज़रायल के अभियान के भविष्य पर तथा साथ ही वेस्ट बैंक को पूरी तरह से कब्जे की प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा करेंगे।

इक्वाडोर: गोलीबारी में सात लोगों की मौत, तीन घायल

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबारी में कम से कम सात लोग मारे गये और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समाचार पत्र प्रिमिसियास की रिपोर्ट के अनुसार सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के एक हमले में सात लोग मारे गए थे।

इक्वाडोर ने सरकारी मुख्यालय को लाताकुंगा स्थानांतरित किया

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने शनिवार को कार्यकारी शाखा के मुख्यालय को अस्थाई रूप से कोटोपैक्सी प्रांत की राजधानी लाताकुंगा शहर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। नोबोआ ने एक आदेश में कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों के करीब पहुंचना और ज़मीनी स्तर पर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। आदेश में उप राष्ट्रपति मारिया जोस पिटो को अस्थाई रूप से उत्तरी इम्बाबुरा प्रांत के ओटावालो शहर से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

श्रीलंका में प्रांतीय चुनाव में अभी और देर

परिसीमन रिपोर्ट को संसद से मंजूरी के बाद ही होगी तैयारी

कोलंबो। श्रीलंका के नौ प्रांतों की परिषदों के लंबे समय से टलते आ रहे चुनाव जल्द होने की उम्मीद नहीं हैं। रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव तभी कराए जा सकते हैं, जब संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को अपनाए।

पिछले हफ्ते जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान इन चुनावों को जल्द कराने की अपील की गई थी। चुनाव आयोग के महानिदेशक समन रत्नायके ने रविवार को मीडिया से कहा कि जब तक संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करती, तब तक चुनाव नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही संसद जरूरी बदलावों को मंजूरी देगी,

■ चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है
■ श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं

आयोग चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है। 2017 में एक नया कानून लाया गया था, जिसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट दोनों प्रणाली अपनाई गई। लेकिन उस कानून के तहत परिसीमन समिति की रिपोर्ट को कभी संसद में पेश नहीं किया गया। जब तक इस रिपोर्ट को संसद से मंजूरी नहीं मिलती, तब तक चुनाव नहीं हो सके। श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं। लेकिन अब कई राजनीतिक दल बिना परिसीमन के पुराने तरीके में लौटने की मांग कर रहे हैं।

यूएनएचआरसी की बैठक में भारत ने भी अपना पक्ष दोहराया और कहा कि श्रीलंका को जल्द प्रांतीय चुनाव कराने चाहिए। भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने जिनेवा में कहा, भारत लगातार यह कहता आया है कि श्रीलंका को अपने संविधान को पूरी तरह और प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए और प्रांत की परिषदों के चुनाव जल्द से जल्द कराने चाहिए और राजनीतिक शक्ति का अर्थपूर्ण विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी का मामला यूएन पहुंचा

मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कानूनी टीम ने उनकी हिरासत में हो रहे कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की है। टीम ने यूएन के टॉर्चर पर विशेष प्रतिवेदक के समक्ष अपील दाखिल की है।

इसमें दावा किया गया है कि खान को जिस तरह कैद में रखा जा रहा है, वह न केवल अमानवीय है, बल्कि पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन भी है। पाकिस्तान की मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है। इसमें कहा गया है कि खान के साथ व्यवस्थित तरीके से बुरा व्यवहार किया जा रहा है। अपील में एक पैटर्न का जिक्र है, जिसमें लंबे समय तक एकांत कारावास, चिकित्सा सुविधाओं से वंचित करना, दूषित भोजन देना और वकीलों व परिवार से मिलने पर पाबंदी शामिल है। खान की कानूनी टीम ने कहा कि

पाक की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है

इन हालातों से पाकिस्तान ने जिस 'कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर' (कैट) और 'इंटरनेशनल कॉवेनेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स' (आईसीसीपीआर) पर हस्ताक्षर किए हैं, उनका उल्लंघन होता है। टीम का कहना है कि यह सीधा-सीधा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की धज्जियां उड़ाने जैसा है। इस अपील में शामिल बयान में इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने कहा कि उनके पिता को जिन परिस्थितियों में रखा गया है, वे किसी भी इंसान के लिए असहनीय हैं। उन्होंने इसे सीधा-सीधा यातना करार दिया। वहीं, उनके दूसरे बेटे कासिम खान ने कहा कि यूएन पहले ही मान चुका है कि इमरान खान की गिरफ्तारी अवैध है। अब उन्हें जिस तरह से तोड़ने की कोशिश हो रही है, वह उनकी हिम्मत नहीं तोड़ पाएगी। इमरान खान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने कहा कि यह अपील खान की दृढ़ता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि खान अवैध कैद और अपमानजनक बर्ताव झेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वे साहस और शांतिपूर्ण प्रतिरोध का प्रतीक बने हुए हैं। खान की टीम ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए ताकि इमरान खान की शारीरिक और मानसिक स्थिति सुरक्षित रहे।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा एक्शन

अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच, बढ़ा दोनों के बीच व्यापारिक तनाव

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालाग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है।

ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमेरिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और

■ इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं
■ बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था

विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बातचीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चर्चाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वार को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रोकने पर सहमति बनी है। वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलाजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में 19 सैनिकों की मौत, 45 आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच झड़पों में कम से कम 19 सैनिक और 45 आतंकी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री किग्राबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, 10 से 13 सितम्बर के बीच खैबर पख्तूनख्वा के तीन अलग-अलग हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 45 आतंकियों को ढेर किया गया। प्रधानमंत्री शकिग्राबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बन्नू का दौरा किया और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी ताकत से जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अस्पष्टता या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों के पीछे बैठे आतंकी सरगना और उनके मददगार अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं। शरीफ ने दावा किया कि कई आतंकी वारदातों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता पाई गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

स्लोवेनिया। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी।

ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रम्प की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100 प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं। स्लोवेनिया में वहां

कहा: चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वांग ई ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। इसके साथ ही वांग ई ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही।

यूक्रेन का रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मास्को। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने रूस की एक सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे वहां आग लग गई। रूसी अधिकारियों और यूक्रेनी सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित कीरीशी रिफाइनरी पर किया गया। यह वही रिफाइनरी है, जिसे पिछले कई हफ्तों से यूक्रेन रूसी तेल ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी में देख रहा है। यूक्रेन का कहना है कि तेल आपूर्ति से रूस की युद्ध क्षमता को ताकत मिल रही है, इसलिए ऐसे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या करीब 3.55 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, वहां कई धमाकों और आग की सूचना मिली। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें रात के अंधेरे में आग की लपटें और धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर डोजडेनको ने कहा कि कीरीशी इलाके में तीन ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उनके गिरने से रिफाइनरी में आग लग गई।

लंदन में अवैध प्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा: लड़ो या मरो, प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टामी राबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलान मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टामी राबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबाल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब किग्रार में हिंसा हो रही थी। इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बकिग्रार किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थ इसी दिन 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपालिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे।

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108

धामी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले भाजपाई मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, और दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले मुख्यमंत्री भी। पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड राज्य के अब तक के बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे पहली बार 04 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री बने थे और तब से लगातार दूसरी बार 2022 में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर रहकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ तेज गति से निर्णय, डिजिटल परिवर्तन और जनता से सीधा संवाद प्राथमिकता में हैं।

धामी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां:

विकास योजनाएं: उत्तराखंड वैश्विक निवेश सम्मेलन (2023): जिसमें रु. 3 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आए। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की ग्राउंडिंग करने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विकासनगर-यमुनोत्री टनल, घनानंद-मसूरी सुरंग, और चारधाम कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी अहम उपलब्धी है।

कानून-व्यवस्था सुधार: यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने वाला पहला भाजपा-शासित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर। महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और युवाओं में अपराध नियंत्रण को लेकर कई ठोस कदम। अवैध धर्मांतरण रोकने वाला कानून, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून, भू-कानून जैसी कई उपलब्धियां हासिल की।

नेतृत्व में विश्वास और विकास का समर्पण

युवाओं के लिए रोजगार: पारदर्शी नौकरी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और नकल विरोधी नया कानून। 24 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

डिजिटल उत्तराखंड: e-Governance को बढ़ावा, डिजिटल हेल्थ कार्ड, ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन, e-FIR सुविधा का विस्तार। **आपदा प्रबंधन:** जोशीमठ भू-धसाव, मानसून आपदाओं जैसे मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया, पुनर्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया। आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में तीव्रता के लिए प्रबंधन तंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य।

एकजुट होकर आगे बढ़ें

उत्तराखंड की यह रजत जयंती यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता का प्रतीक है। यह राज्य हिमालय की ऊंचाइयों जैसा अडिग, गंगा की धारा जैसा प्रवाही और अपनी सांस्कृतिक विरासत जैसा गहराई लिए हुए है। इसी तरह शाह टाइम्स भी इन 25 वर्षों में न केवल समाचार जगत का स्तंभ बना रहा, बल्कि राज्य के विकास में जन-जागरूकता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त बनाता रहा। रजत जयंती के इस विशेष अवसर पर यह आवश्यक है कि हम अतीत की उपलब्धियों से प्रेरणा एवं सी लें, वर्तमान में पूरी शक्ति लगाएं, और भविष्य को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

भविष्य की दिशा: हरित विकास मॉडल: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की रणनीति पर कार्य। ग्राम्य विकास: स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाना। शिक्षा और तकनीकी कौशल: युवाओं को हाई-टेक स्किल्स के लिए तैयार करना।

उत्तराखंड @25 yrs पहाड़ों से प्रगति तक की एक रजत यात्रा

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड, भारत का 27वां राज्य, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर अस्तित्व में आया। हिमालय की गोद में बसे इस राज्य का जन्म एक जन आंदोलन से हुआ था, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक, सामा. जिक और आर्थिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक राज्य की मांग की गई थी। 25 वर्षों में उत्तराखंड ने खुद को एक प्रगतिशील, पर्यावरण-संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, इस वर्ष दैनिक शाह टाइम्स भी अपनी रजत जयंती मना रहा है। जो उत्तराखंड के साथ-साथ बढ़ता रहा, राज्य के हर पड़ाव का साक्षी बना। उत्तराखंड ने अपने गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कई दौर देखे। कई बार नेतृत्व में अस्थिरता आई, परन्तु हर मुख्यमंत्री ने अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार राज्य के विकास में योगदान देने का प्रयास किया।

अवसंरचना विकास

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना। सड़कों, पुलों, जल-विद्युत परियोजनाओं, और ग्रामीण संपर्क मार्गों में निरंतर विकास हुआ है। आज लगभग हर ब्लॉक मोटर सड़कों से जुड़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

राज्य बनने के बाद स्कूल, इंटरमीडियट कॉलेज और तकनीकी संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश, कई मेडिकल कॉलेज और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की गई।

पर्यटन और तीर्थाटन

उत्तराखंड का सबसे बड़ा प्राकृतिक संसाधन है। उसका आध्यात्मिक व प्राकृतिक पर्यटन। चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी जैसे स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य हुआ। चारधाम ऑल वेदर रोड और हेली सेवा जैसी योजनाएं राज्य के राजस्व और रोजगार को सशक्त बना रही हैं।

कृषि व पलायन पर नियंत्रण

कृषि विविधीकरण, जैविक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। "रिवर्स पलायन" को संभव बनाने के लिए होम स्टे नीति, वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाएं लाई गईं।

अब तक 11 मुख्यमंत्रियों ने संभाली बागडोर

नित्यानंद स्वामी
9 नवम्बर 2000 – 29 अक्टूबर 2001

भगत सिंह कोश्यारी
30 अक्टूबर 20011–मार्च 2002

नारायण दत्त तिवारी
2 मार्च 2002–7 मार्च 2007

भुवन चंद्र खंडूरी
7 मार्च 2007–26 जून 2009

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
27 जून 2009 –10 सितम्बर 2011

भुवन चंद्र खंडूरी (द्वितीय)
11 सितम्बर 2011–12 मार्च 2012

विजय बहुगुणा
13 मार्च 2012 –31 जनवरी 2014

हरीश रावत
1 फरवरी 2014–18 मार्च 2017

त्रिवेन्द्र सिंह रावत
18 मार्च 2017–10 मार्च 2021

तीरथ सिंह रावत 10 मार्च 2021–4 जुलाई 2021

उत्तराखंड की आर्थिक यात्रा

@25 वर्षों में आत्मनिर्भरता की ओर

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब न तो राज्य पास संसाधनों की भरमार थी, न ही आर्थिक शक्ति का कोई विस्तृत आधार। एक सीमांत राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए उत्तराखंड ने इन 25 वर्षों में जिस प्रकार आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मोर्चों पर तरक्की की है, वह न केवल प्रेरक है बल्कि देश के अन्य नवगठित राज्यों के लिए एक मिसाल भी बन चुकी है।

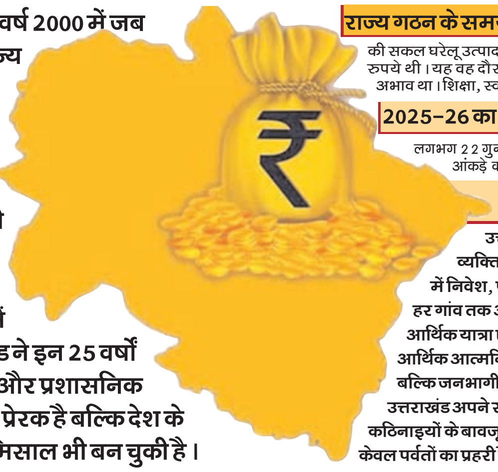

राज्य गठन के समय की आर्थिक स्थिति

उत्तराखंड राज्य के गठन के समय वार्षिक बजट लगभग 4,500 करोड़ रूपये के आसपास था। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) मात्रा 14,501 करोड़ रूपये थी, और प्रति व्यक्ति आय लगभग 15,285 रुपये थी। यह वह दौर था जब बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित औद्योगिक गतिविधियां और संसाधनों का अभाव था। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पहाड़ी इलाकों में सीमित पहुंच में थीं।

2025-26 का आर्थिक परिदृश्य

वर्तमान में उत्तराखंड का कुल वार्षिक बजट 1,01,175.33 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह 25 वर्षों में राज्य के बजट में लगभग 22 गुना वृद्धि को दर्शाता है। राज्य की अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) 4,29,308 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। वहीं प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2,95,751 रुपये तक पहुंच गई है।

लक्ष्यः आत्मनिर्भर और समावेशी उत्तराखंड

उत्तराखंड सरकार ने 2027 तक राज्य की जीडीपी को दोगुना करने और प्रति व्यक्तिगत आय को 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आधारभूत ढांचे में निवेश, पर्यटन को वैश्विक स्तर पर ले जाना, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, और हर गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उत्तराखंड की 25 वर्षों की आर्थिक यात्रा एक ऐसे राज्य की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। यह न केवल आंकड़ों की सफलता है, बल्कि जनभागीदारी, दूरदर्शिता और सतत विकास की नीति का प्रतिफल है। आज जब उत्तराखंड अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, यह लेख उस आर्थिक यात्रा का साक्षी है जो कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रही। यह वही उत्तराख्संड है जो आज ना केवल पर्वतों का प्रहरी है, बल्कि आर्थिक समृद्धि की चोटी की ओर भी अग्रसर है।

चुनौतियों के बीच संतुलित अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहा है- उत्तरकाशी एवं चमोली की आपदाएं हों, चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो या बाद की वर्षा व भूस्खलन की अनगिनत घटनाएं, लेकिन इन सभी आपदाओं के बावजूद राज्य ने विकास की रफ्तार थमने नहीं दी है। वर्ष 2025-26 के बजट में राजस्व अधिशेष का होना यह दर्शाता है कि राज्य संतुलित वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही, वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में नियंत्रित रखा गया है।

तुलनात्मक आर्थिक तालिकाः उत्तराखंड 2000 बनाम 2025

आर्थिक मानक	वर्ष 2000	वर्ष 2025-26 (अनुमानित)
वार्षिक बजट	4,500 करोड़	1,01,175.33 करोड़
राज्य की GSDP	14,501 करोड़	4,29,308 करोड़
प्रति व्यक्ति आय	15,285 रुपये	2,95,751 रुपये
वित्तीय घाटा		12,604.92 करोड़
राजस्व अधिशेष		2,585.89 करोड़

आर्थिक नीतियों व योजनाओं का योगदान

उत्तराखंड की सरकारों ने बीते दो दशकों में पर्यटन, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में विशेष योजनाएं लागू कीं। विशेषकर चारधाम यात्रा, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, ऑर्गेनिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों ने राज्य को आर्थिक मजबूती दी। राज्य की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद, योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढाली गईं। यही कारण है कि पहाड़ों में अब सड़कें, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

देवभूमि: पर्वतों की गोद से बहती शिक्षा की धारा

'ज्ञान की गंगा' बनकर भारत के भविष्य को सिंचित कर रहा उत्तराखण्ड

मौहम्मद शाह नजर

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, सदियों से आस्था, प्रकृति और संस्कृति का केंद्र रहा है। पिछले 25 वर्षों में इस पर्वतीय राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह किसी भी प्रगतिशील राज्य के लिए प्रेरणास्पद है। ब्रिटिश काल में जहां मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून और रूडकी जैसे शहर शिक्षा के केंद्र बने, वहीं उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद उच्च शिक्षा, कोचिंग, अनुसंधान और सैन्य प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में जबरदस्त विकास हुआ। आज उत्तराखंड भारत में शिक्षा के सबसे मजबूत केंद्रों में से एक बन चुका है, यहां के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, देश के भविष्य को गढ़ने वाले छात्र तैयार हो रहे हैं। यहां के पारंपरिक बोर्डिंग स्कूलों से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कोचिंग सेंटरों तक, यह राज्य अब भारत के युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन चुका है। पर्वतों की गोद में पला-बढ़ा यह राज्य अब केवल पर्यटन या तीर्थाटन के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि शिक्षा के नए तीर्थ के रूप में भी पहचान बना चुका है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उत्तराखंड का उभार

पिछले दो दशक में उत्तराखंड के कई शहर खासकर देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, और हरिद्वार प्रतियोगी परीक्षाओं के मुख्य केंद्र के रूप् में स्थापित हुए है। यहा खुले कोचिंग संस्थान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे हैं। यह षहर कोचिंग का हब बन गये है, अब छात्र दिल्ली और कोटा के स्थान पर देहरादून, हल्द्वानी में रह कर कोचिंग करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई के लिए देशभर के छात्र यहां आकर तैयारी करते हैं। यही नही एनडीए, सीडीएस, और एएफसीएटी के लिए यहां विशेष संस्थान हैं जो छात्रों को फिजिकल से लेकर इंटरव्यू तक की तैयारी कराते हैं। आईएएस, पीसीएस और पीसीएस जे जैसी प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी यहा प्रयाग आईएएस अकादमी जैसे विशेष कोचिंग सेंटर स्थापित हुए हैं। यहा आकाष, एलन, बलूनी कोचिंग सेंटर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन शहरों में छात्रों के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, कैफे, साइलेंट जोन, स्मार्ट क्लासरूम और साइंस लैब्स जैसे संसाधनों में तेजी से सुधार हुआ है।

ब्रिटिश काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा दून

ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य ने अंग्रेजों को आकर्षित किया, जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के लिए आदर्श माना गया। कई प्रमुख स्कूल इसी काल में स्थापित हुए, जिनमें आज भी गुणवत्ता की परंपरा कायम है। सतीश संजन दास की और से 1935 में स्थापित दून स्कूल भारत के जाने-माने निजी/स्वतंत्र विद्यालयों मे से एक है। इस विद्यालय का उद्देश्य युवा भारतीयों को एक उदारवादी शिक्षा प्रदान करना है, जिससे उनमें धर्मनिरपेक्षता, अनुशासन और समानता के सिद्धांतों के प्रति आदर भाव जागे। दून स्कूल केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों में गिना जाता है। इसे 'भारत का ईटन' कहा जाता है। यहां से निकले छात्र देश-विदेश में राजनीति, साहित्य, सेना, व्यापार और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजीव गांधी, रामचंद्र गुहा और विक्रम सेठ जैसे कई प्रसिद्ध नाम इस स्कूल से जुड़े हैं। वेल्हम बॉयज और गर्ल्स स्कूल, दून स्कूल के समान ही, वेल्हम स्कूल्स ने भी लड़कों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन मूल्य प्रदान किए हैं। ये स्कूल अनुशासन, सौम्यता और आधुनिकता का संगम हैं। शेरवुड कॉलेज, नैनीताल की स्थापना 1869 में हुई। नैनीताल स्थित यह स्कूल उत्तर भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से है। इसकी स्थापत्य भव्यता, अनुशासन और पाठ्यक्रम का संतुलन इसे विशेष बनाता है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व यहीं से निकले हैं। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की स्थानप 1966 में हुई।यह स्कूल भारतीय सेना के लिए भविष्य के अधिकारी तैयार करता है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अफसर बनने का सुनहरा अवसर देता है। यह स्कूल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके अलावा प्रदेष भर में स्कूली षिक्षा के हजारों केंद्र छात्रों का भविश्य संवार रहें हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का जाल

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का विस्तार उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तेजी से हुआ। आज यहां दर्जनों नीजी विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं जो हर क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वहीं,सरकारी शिक्षण केंद्र भी भविष्य संवार रहे हैं। आज उत्तराखंड में दर्जनों विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं। जीबी पंत विवि का मतलब गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना 1960 में उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी, जिसका बाद में नाम बदलकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कर दिया गया। इसे भारत में हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन 17 नवंबर, 1960 में किया था। इसका नाम भारत के महान स्वतंत्रा सेनानी गोविन्द बल्लभ पंत के नाम पर रखा गया है। यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सफल साझेदारी का प्रतीक है। कुमाऊं विष्वविद्यालय, नैनीताल, 1973 में स्थापित यह विष्वविद्यालय कुमाऊं क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विष्वविद्यालय, श्रीनगर, एक केंद्रीय विष्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्थान गढ़वाल क्षेत्र के शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का केंद्र है। उत्तराखंड तकनीकी विष्वविद्यालय (अब वीर माधो सिंह भंडारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी) यह विष्वविद्यालय इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराता है, जिससे सैंकड़ों कॉलेज संबंद्ध है। दून विष्वविद्यालय,देहरादून में स्थित यह राज्य सरकार का विष्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, भाषा, पर्यावरण और मीडिया जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और शोध कार्य करता है। इसके अलावा श्री देव सुमन उत्तराखंड विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आवासीय विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विष्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विष्वविद्यालय हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विष्वविद्यालय आदि उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा रहें है।

निजी विश्वविद्यालयों का भी अहम योगदान

उत्तराखण्ड में सरकारी षिक्षण संस्थानों के साथ-साथ नीजी षिक्षण संसथान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस), दून ग्रप ऑफ कालेजेज देहरादून, एमीटी यूनिवर्सिटी देहरादून, आईएमएस विश्वविद्यालय देहरादून, श्री गुरू राम राय विष्वविद्यालय देहरादून, ईकफाई विष्वविद्यालय देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विष्वविद्यालय देहरादून, उत्तराँचल यूनिवर्सिटी देहरादून, सरदार भगवान सिंह विष्वविद्यालय देहरादून, हिमगिरि जी विश्वविद्यालय देहरादून, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय देहराद.

ून, हिमालयीय विश्वविद्यालय डोईवाला देहरादून, देवभूमि उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय देहरादून, पतंजलि विष्वविद्यालय हरिद्वार, देव संस्कृति विष्वविद्यालय हरिद्वार, क्वांटम विष्वविद्यालय रूड़की, मदरहुड विष्वविद्यालय रूड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एडं टैक्नोलॉजी रूडकी,हिमालयन गढ़वाल विष्वविद्यालय पोखड़ा, भगवन्त ग्लोबल विष्वविद्यालय कोटद्वार, सूरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, कोर विष्वविद्यालय रूड़की आदि शामिल है। ये विष्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा, वैष्विक एक्सपोजर और प्लेसमेंट के लिहाज से अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तकनीकी व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड स्कूली शिक्षा ही नही तकनीकी और उच्च षिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहा आईआईटी, आईआईएम से लेकर विष्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की बड़ी तादात यह साबित करने के प्रयाप्त है कि प्रदेष अब उच्च षिक्षा के क्षेत्र में नये अयाम स्थापित करने की दिषा में अग्रसर है। आईआईटी रुड़की: आईआईटी रुड़की का इतिहास भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा के इतिहास से जुड़ा है। पहले थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, यह एशिया का सबसे पुराना तकनीकी संस्थान है। स्वतंत्रता के बाद इसे यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की और फिर 2001 में आईआईटी का दर्जा मिला। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, जल संसाधन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। यहाँ से निकले अभियंता देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और सरकारी संगठनों में नेतृत्व कर रहे हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून की स्थापना 1932 में हुई। आईएमए भारत की सेना के लिए अफसर तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है। इस अकादमी से अब तक हजारों सैन्य अधिकारी निकल चुके हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा की है। आईएमए केवल प्रशिक्षण नहीं देता, बल्कि यह नेतृत्व, साहस और समर्पण का प्रतीक हैं, यहा देष के साथ-साथ मित्र देषों के सैनिकों को भी प्रषिक्षण दिया जाता है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआइ), देहरादून वन अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसकी भव्य इमारत और परिसर इसे एक आकर्षक शैक्षणिक केंद्र बनाते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यह संस्थान वन्यजीव अनुसंधान, संरक्षण और जैव विविधता पर कार्य करता है। दुनियाभर के शोधार्थी यहां अध्ययन और फील्ड वर्क के लिए आते हैं। वहीं, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देकर और स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन के क्षेत्र में नाम स्थापित कर रहा है, इन षिक्षण संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड ही नही देष-दुनिया के छात्र उठा रहे हैं।

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

"यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़

सड़क के लिए

₹40,000 करोड़

रेल के लिए

₹100 करोड़

हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधरोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2.5 लाख और रोजगार सृजन की संभावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— **अमित शाह,** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 जिलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विजन

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास अनिवार्य हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप और फिल्म नीति में निवेश शामिल है। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिजनेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023: स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सात जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टाम्प शुल्क से छूट
- त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलसीटी) गठित की गई हैं।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क से छूट
- नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिजाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोजगार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इंवेंटरी सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025: बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिनमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इनमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के छठे से 15वें वर्ष तक किस्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टाम्प शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

Text by Taresh Dutta

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

'आंचल डेयरी' का कायाकल्पः तीन वर्षों में मिली नई पहचान

देहरादून। उत्तराखंड की सहकारी दुग्ध विपणन संस्था आंचल डेयरी (UCDF & Uttarakhand Cooperative Dairy Federation) ने बीते तीन वर्षों (वर्ष 2022 से अगस्त 2025) के दौरान नवाचार, उत्पाद विविधता, ब्रांड विस्तार और किसानोन्मुखी नीतियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल और सक्रिय दिशा-निर्देशों के चलते आंचल ब्रांड ने खुद को सिर्फ दूध उत्पादक इकाई तक सीमित न रखते हुए उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने का प्रयास किया है। विगत तीन से अधिक वर्षों के इस कालखंड में जहां 'आंचल' ब्रांड के अंतर्गत नए उत्पाद बाजार में उतारे गए, वहीं 'आंचल कैफे' जैसी अभिनव अवधारणाओं ने शहरी युवाओं और पर्यटकों के बीच इसे लोकप्रियता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। आइए, जानते हैं कि आँचल डेयरी ने इस अवधि में कौन-कौन सी प्रमुख उपलब्धियां अर्जित की हैं।

नवीन बधानी

दुग्ध उत्पादन मेलेः किसानोन्मुखी पहल

अक्टूबर 2024 में आंचल डेयरी द्वारा रानीपोखरी में एक दुग्ध उत्पादन मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दो-दो हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस मेले में मंत्रात्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 'आंचल ब्रांड' अब केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी वर्षों में इस प्रकार के मेले हर जिले में आयोजित किए जाएंगे, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आंचल कैफेः एक नई पहल

दिसंबर 2022 में देहरादून के घंटाघर स्थित एमडीडीए परिसर में उत्तराखंड का पहला "आंचल मिल्क कैफे" उद्घाटित किया गया। यह पहल दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसके अंतर्गत राज्य में 100 मिल्क कैफे खोलने का प्रारंभिक लक्ष्य तय किया गया। इस कैफे श्रृंखला का उद्देश्य केवल आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों को बेचना नहीं था, बल्कि युवाओं, महिलाओं, सैनिकों के परिजनों और दिव्यांग. जनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना भी था। कैफे के माध्यम से उपभोक्ता को फ्रेश दूध, छाछ, लस्सी, पनीर, घी, मिठाइयां और आंचल के अन्य उत्पाद सहजता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2023 में इस पहल को और विस्तार देते हुए उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में दो नए आंचल कैफे खोले गए। वहीं, राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक 500 मिल्क कैफे खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जून 2023 में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत हुई, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जैसे जिलों को प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2024 में बागेश्वर जिले में एक नया आंचल कैफे स्थापित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस प्रकार आंचल कैफे, एक नवा चार बनकर उभरा है, जो न केवल उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है।

नवा चार, विकास और भविष्य की राहः आंचल डेयरी की ये उपलब्धियाँ स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि एक पारंपरिक सहकारी इकाई कैसे नवाचार और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से ब्रांडिंग, विपणन और उत्पाद विविधता में नए आयाम स्थापित कर सकती है। जहां एक ओर आंचल कैफे जैसे प्रोजेक्ट राज्य में ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हैं, वहीं टेट्रा पैक उत्पादों और नई पैकेजिंग के माध्यम से यह ब्रांड बाजार प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर स्थिति में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट समर्थन, नीति निर्देश और बाजार की बदलती जरूरतों को समझते हुए उठाए गए ये कदम आंचल को उत्तराखंड के सफल सहकारी ब्रांडों की अग्रणी सूची में ला खड़ा करते हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में आंचल के उत्पाद

राज्य सरकार द्वारा आंचल उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा निर्देश जारी किए गए कि अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। इस निर्णय का उद्देश्य सहकारिता मॉडल को मजबूती देना, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना और राज्य के राजस्व को आंचल जैसे घरेलू ब्रांडों के माध्यम से सुदृढ़ करना था। इसके अलावा, आंचल ने अपने ऑनलाइन स्टोर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। राज्य के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में अब आंचल वैन और होम डिलीवरी सेवाएं चालू हैं, जिससे उपभोक्ताओं की पहुंच आसान हुई है।

टेट्रा पैक से लेकर शहद तक का सफर

आंचल डेयरी ने इस अवधि में उत्पाद विविधता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। जुलाई 2023 में मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा टेट्रा पैक दूध, छाछ और लस्सी को लॉन्च किया गया। यह पहली बार था जब उत्तराखंड की कोई सहकारी डेयरी इकाई अपने उत्पादों को टेट्रा पैक के माध्यम से बाजार में लेकर आई। इस कदम का उद्देश्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना, लंबी दूरी की आपूर्ति संभव बनाना, और उपभोक्ताओं को साफ-सुथरा व सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना था। इसके अलावा, इस पहल से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बेहतर दाम और स्थायी मांग मिलने की संभावना बनी। वर्ष 2024 में आंचल डेयरी ने शहद और 6 किलोग्राम दूध पैकेजिंग जैसे नए उत्पाद लॉन्च किए। नैनीताल दुग्ध संघ द्वारा तैयार इन उत्पादों को किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई आजीविका का स्रोत बताया गया। साथ ही, इन उत्पादों की बिक्री को राज्य के पर्यटन स्थलों और शहरी बाजारों में बढ़ावा मिला।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

पत्रांकः 2220-22/पीएस0-पत्रा0/2025-26

उत्तराखण्ड सहकारी डेरी फैडरेशन लि0
मंगल पड़ाव, हल्द्वानी-263139

फोन/फैक्स नं0: 05946-255867, 255358
Email id: ucdfltd@gmail.com

AANCHAL

सेहत के लिए उपहार, खुशियों का भंडार, आंचल का परिवार

1. प्रदेश में फैडरेशन द्वारा 'आंचल ब्राण्ड' का टेट्रा पैक तरल दूध, लस्सी, क्रीम एवं छांछ आदि को शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
2. फैडरेशन द्वारा 06 प्रकार की आंचल आईसक्रीम 42 प्रकार के अलग-अलग फ्लेवर में पैकिंग कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जा रही है।
3. दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 75 प्रतिशत अनुदान पर साईलेज एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर भूसा पशु चारा के रुप में मुहैया कराई जा रही है।
4. जायका योजना के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर साइलेज बनाने का प्रशिक्षण, प्रदर्शन, हरा चारा विकास एवं जागरुकता कार्यक्रम, चौफकटर, साइलोबंकर व साइलेज बनाने हेतु बैग वितरण आदि कार्य किए जा रहे हैं।
5. यूसीडीएफ0 द्वारा स्पेशल उत्पाद के रुप में बद्री काउ घी व पहाड़ी घी तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो जनपदीय दुग्ध संघों से सीधे एवं ऑन लाईन फ्लिपकार्ट, अमेजन व फैडरेशन की वैबसाईट से क्रय किया जा सकता है।
6. आंचल ब्राण्ड का शुद्ध शहद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
7. यू0सी0डी0एफ0 द्वारा मुख्यमंत्री 'आंचल अमृत योजनान्तर्गत आंगनवाड़ी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फोर्टिफाइड मीठा सुगन्धित दुग्ध चूर्ण उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है।
8. केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, एन0पी0डी0डी0 के अन्तर्गत दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण कार्य किया जा रहा है।
9. जायका योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक पशुचारा उत्पादन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

(इं0 आर0एम0 तिवारी)
सामान्य प्रबंधक (प्रशा0)

एमडीडीए की उपलब्धियाँ सस्ते घरों से अवैध निर्माण नियंत्रण तक

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण पहलों को अंजाम दिया है, जिनका उद्देश्य निम्न आय वर्ग को सुलभ आवास प्रदान करना, अवैध निर्माण पर लगाम लगाना तथा नक्शा पासिंग प्रक्रिया में सुधार लाना रहा है।

सस्ते एवं सुलभ आवास परियोजनाएँ

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आवासीय योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राधिकरण ने पारदर्शी, पर्यावरण अनुकूल और आमजन केन्द्रित योजनाओं को प्राथमिकता दी है। एमडीडीए ने इस अवधि में अति विक. सित और अविकसित दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में काम करते हुए कई नई हाउसिंग स्कीमें शुरू कीं। इनमें ऋषिकेश, जोगीवाला, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड और डोईवाला क्षेत्र की आवासीय योजनाएं प्रमुख हैं, जिनमें मध्यम व निम्न आय वर्ग के लिए किफायती दरों पर भूखंड और मकान आवंटित किए गए।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा पिछले चार वर्षों में अब तक अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। इस अवधि में प्राधिकरण ने न केवल सैकड़ों अवैध इमारतों को सील किया, बल्कि हजारों बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को भी ध्वस्त किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देहराद. ून और मसूरी क्षेत्र में 600 से अधिक अवैध निर्माणों की पहचान की गई, जिनमें से कई को सील किया गया। इसी वर्ष जाखन और डोईवाला क्षेत्रों में अवैध रूप से निर्मित कई दुकानों और बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर चला। ऋषिकेश में चल रही अवैध निर्माण गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमडीडीए ने 14 निर्माणाधीन इमारतों को सील किया। रिस्पना नदी के किनारे 59 अवैध घरों को ध्वस्त किया गया, जो वर्ष 2016 के बाद बिना अनुमति के बनाए गए थे। शिमला बाईपास, तुन्तोवाला, बडोवाला और धर्मावाला क्षेत्रों में लगभग 5000 बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को रोका गया।

> "हमारा लक्ष्य है कि देहरादून को अव्यवस्थित निर्माण से मुक्त कर एक संतुलित और सुव्यवस्थित शहरी विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए एमडीडीए पारदर्शी प्रक्रिया के साथ आवासीय योजनाएं ला रहा है, जिससे आम नागरिकों को भी भरोसा हो..."
>
> **बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण**

उपाध्यक्ष बंशीधार तिवारी के नेतृत्व में पहल

साफ झलकती है वीसी की त्वरित एक्शन की कार्यशैली

एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल किया गया, साथ ही ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से प्लॉट्स की पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित की गई। आवंटन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दलाली या अनियमितता रोकने के लिए डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। एमडीडीए ने पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ग्रीन जोन आधारित विकास और सोलर पॉवर उपयोग प्रोत्साहन जैसे पहल भी शुरू की हैं। इसके अलावा, योजनाओं में सामुदायिक पार्क, जल संचयन प्रणाली, और हरित क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।प्राधिकरण के अनुसार, आगामी समय में स्मार्ट कॉलोनियाँ, सस्ती दरों पर अपार्टमेंट योजनाएं, और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए विशेष आवास योजना भी प्रस्तावित है।एमडीडीए ने 2022, 2025 के बीच न केवल अवैध निर्माण पर शिकंजा कसा, बल्कि आवासीय योजनाओं में भी संरचित, पारदर्शी और जनख्रहितैषी सुधार किए। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में प्राधिकरण ने आम नागरिकों के विश्वास को पुनः प्राप्त करते हुए शहरी विकास को नई दिशा दी है।

नक्शा पास करने की प्रक्रिया में सुधार

एमडीडीए ने विगत वर्षों में नक्शा पासिंग प्रक्रिया में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। इन पहलों के तहत अब भवन नक्शा स्वीकृति के लिए नागरिकों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। ऑनलाइन मैप अप्रूवल सिस्टम के माध्यम से नक्शा जमा करना, स्थिति ट्रैक करना और अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया है। साथ ही, नक्शा पासिंग की प्रक्रिया को 7 से 15 कार्यदिवस के भीतर पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। पंजीकृत आर्किटेक्ट्स के लिए अलग लॉगिन पोर्टल, एसएमएस/ईमेल अलर्ट, और जीआईएस आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का समावेश कर प्राधिकरण ने प्रक्रिया को दक्ष और जवाबदेह बनाया है।

पर्यटन का नया तीर्थ बना देवभूमि

तौसीफ कुरैशी

राज्य गठन के बाद पर्यटकों की आमद में जबरदस्त इजाफा

राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई

देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और साहसिक पर्यटन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है। साल 2000 में उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहाँ पर्यटन का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बीते 24 वर्षों में उत्तराखंड पर्यटन ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उत्तराखंड अब केवल तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि एडवेंचर, नेचर, योग, वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का भी वैश्विक हब बन चुका है। राज्य बनने के बाद सड़कों, हवाई संपर्क, होटल व होम-स्टे योजनाओं और प्रचार-प्रसार ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। देवभूमि उत्तराखंड आज सचमुच पर्यटन का नया तीर्थ है, जहाँ हर साल करोड़ों कदम श्रद्धा, रोमांच और सुकून की तलाश में आते हैं।

2000 में स्थिति

सन् 2000 में, जब उत्तराखंड नया-नया राज्य बना था, यहाँ कुल मिलाकर लगभग 1.11 करोड़ पर्यटक पहुँचे थे। इनमें अधिकतर घरेलू यात्री थे जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 56 हजार के आसपास थी।

लगातार बढ़ता ग्राफ

- 2005 तक यह आँकड़ा लगभग 1.63 करोड़ पर पहुँच गया है।
- 2010 आते-आते पर्यटकों की संख्या 3.11 करोड़ हो गई।
- 2015 में यह बढ़कर 2.94 करोड़ पर पहुँची और
- 2019 में पर्यटन ने चरम छुआ, 3.92 करोड़ से ज़्यादा लोग उत्तराखंड आए।

यानी राज्य बनने के दो दशक में पर्यटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई।

कोविड का असर और फिर वापसी

2020 में कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर गहरा असर पड़ा और केवल 78 लाख लोग ही राज्य पहुँच पाए। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य हुए,

- 2022 में फिर से 5.39 करोड़ पर्यटक आए।
- 2023 में 5.96 करोड़।
- और 2024 में रिकॉर्डतोड़ 5.95 करोड़ से अधिक लोग उत्तराखंड पहुँचे।

राज्य गठन से अब तक वर्षवार उत्तराखण्ड पहुंचे पर्यटकों का विवरण

वर्ष	देशी	विदेशी	कुल
2000	11078814	56766	11135580
2001	10548784	54701	10603485
2002	11652018	55974	11707992
2003	12929593	63499	12993092
2004	13830045	74761	13904806
2005	16280765	92744	16373509
2006	19358453	96264	19454717
2007	22154250	106150	22260400
2008	23064170	112423	23176593
2009	23154214	118243	23272457
2010	30972134	136459	31108593
2011	26665753	142687	26808440
2012	28329686	140524	28470210
2013	21028010	103596	21131606
2014	22520097	109948	22630045
2015	29295152	111094	29406246
2016	31663782	112799	31776581
2017	34581097	142102	34723199
2018	36697678	154526	36852204
2019	39066776	158964	39225740
2020	7836002	38763	7874765
2021	20002705	15410	20018115
2022	53916849	64489	53981338
2023	59488189	148412	59636601
2024	59373869	176408	59550277

वन्यजीव पर्यटन की नई पहचान

उत्तराखंड केवल धार्मिक और प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन का भी केंद्र बना है। यहाँ के राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

- कॉर्बेट नेशनल पार्क

- 2000 में यहाँ केवल 61 हजार लोग आए थे।
- 2019 में यह संख्या बढ़कर 2.83 लाख हो गई।
- 2024 में कॉर्बेट आए पर्यटकों की संख्या 3.61 लाख रही, जिनमें 10,120 विदेशी शामिल थे। यानी यहाँ विदेशी पर्यटकों की भारी मौजूदगी दर्ज की गई।

पर्यटकों की खास पसंद बने कई स्थल

हरिद्वारः हर वर्ष सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार ही आए

- 2000 में हरिद्वार में करीब 53 लाख लोग आए थे।
- 2019 तक यह संख्या 2.17 करोड़ हो गई।
- 2024 में हरिद्वार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, 3.49 करोड़ यात्री यहाँ पहुँचे।

ऋषिकेश व नैनीताल विदेशी पर्यटकों के लिए खास पसंद बने। योग, गंगा आरती और हिमालयी अनुभवों ने ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया।

- 2024 में ऋषिकेश आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,857 रही।
- वहीं नैनीताल में 9,537 विदेशी पर्यटक पहुँचे।

टिहरी झील और एडवेंचर टूरिज्म ने टिहरी को नई पहचान दी।

- केवल 2024 में ही यहाँ 58,855 विदेशी पहुँचे, जो सभी स्थलों में सबसे अधिक था।

राजाजी नेशनल पार्क

देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच फैला राजाजी नेशनल पार्क भी रोमांचक अनुभव का केंद्र है। यद्यपि यहां आने वाले पर्यटकों का आँकड़ा अलग से दर्ज नहीं किया जाता। मगर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिनकी संख्या हरिद्वार और ऋषिकेश के आँकड़ों का हिस्सा बनकर सामने आती है। अनुमान है कि हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

पर्यटन को राज्य गठन ने दी नई पहचान

आँकड़ों की सीधी तुलना बताती है

- 2000 में कुल 1.11 करोड़ पर्यटक
- 2024 में कुल 5.95 करोड़ पर्यटक

यानी राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

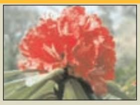

हमारी ताकत...

तीन राज्य, आठ संस्करण, 19.52 लाख पाठक

उत्तराखण्ड-गढ़वाल संस्करण (देहरादून)

एम फहीम 'तन्हा'
एस आलम अंसारी
मौहम्मद शाहनज़र
मयूर गुप्ता
इमरान चौधरी
नवीन बधानी
विकासनगर:-एसएम आसिम, महेंद्र तोमर
चकराता:-विक्रम सिंह तोमर, संजय वर्मा
मसूरी:-अभीषेक सक्सेना
डोईवाला:-संजय अग्रवाल, सलमान राव
हरिद्वार:-डी एस वर्मा
रूडकी:-अख्तर मलिक
पौड़ी:-त्रिभूवन उनियाल
श्रीनगर:-देवेंद्र गौड, सूदेश गौड
कोटद्वार:-गोरव गोदियाल
उत्तरकाशी:- चिरंजीव सेमवाल
बडकोट:-सचिन रावत व संदीप चौहान
टिहरी:- जय प्रकाश पाण्डेय
रूद्रप्रयाग:-रोहित डिमरी
चमोली/गोपेश्वर:-रणजीत नेगी
गोचर:-देवेंद्र गुंसाई

उत्तराखण्ड-कुमाऊं संस्करण (हल्द्वानी)

नैनीताल-अफजल हुसैन फौजी
हल्द्वानी-शाहवेज खान, दीपक भण्डारी, डॉ.ए.एन तिवारी व आसिम जमाल
लालकुआं-मोहन जोशी, मनोज जोशी, रंजीत कुमार
बिन्दुखत्ता-जीवन गोस्वामी
कालाढुंगी-शाकिर हुसैन
अल्मोड़ा-नसीम अहमद
बागेश्वर-महीप पाण्डे
काशीपुर-नवीन अरोरा
शांतिपुरी-आकाश मेहता
रानीखेत-बलवंत रावत
उधमसिंह नगर-उस्मान अली
सुल्तानपुर-मौ.आशिक
बाजपुर-मौ. नौशाद
रूद्रपुर-कमल सुयाल, मौ. समी, समी आलम
खटीमा-मुस्तकीम मलिक
नानकमत्ता-राजीव सक्सेना
सितारगंज-धर्मेन्द्र चौधरी
किच्छा-अब्दुल राही तंहा
शक्तिफॉर्म-विक्की मंडल
चंपावत-जीवन सिंह बिष्ट
टनकपुर-आबिद हुसैन

मुख्यालय

स्थानीय सम्पादक-चेतन गुरूंग
तौसीफ कुरैशी
ज़िया अब्बास ज़ैदी
आजम खान
शाहनूर राणा
अफसार अहमद
मौ. शारिक
रोहिताश वर्मा
नसीम राणा

कार्यकारी सम्पादकः-
आनन्द बत्रा 'सुमन'

बनबसा-अर्जुन कुमार
लोहाघाट-गणेश पाण्डे
पिथौरागढ़-खालिद पाशा
जसपुर-शरीफ खान
बाजपुर-सलमान
गदरपुर-उमर अली
रामनगर-नदीम वारसी

उत्तर प्रदेश

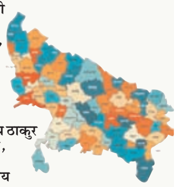

लखनाऊ-विरेश तरार
सहारनपुर-अबु बकर शिब्ली
देवबंद-अतहर उस्मानी
मुजफ्फर नगर-शरद गोयल, नसीम कुरैशी
मीरांपूर-नलिन वर्मा,
खतोली- आशीष सैनी
शामली-नसीम सैफी
बागपत-चांद मिया
मेरठ- शाहवेज खान, अजय ठाकुर
गाजियाबाद-नोशाद मलिक,
मोदीनगर-विनय कुमार
नोएडा-प्रवेश चौधरी व संजय त्यागी
अलीगढ़-प्रदीप शर्मा
बुलंदशहर-मौ. नईम खान
हापुड़-चांद मिया, बिजनोर-समीउल्लाह
नजीबाबाद-सोनू आदित्य, धामपूर-अभीषेक गुप्ता
मुरादाबाद-जितेंद्र जैन, ठाकुरद्वारा-सतीश चौधरी
बरेली-इरफान मुनीम,
रामपुर-इमरान हुसैन
पीलीभीत-विकास दीक्षित
संभल-मुजफ्फर हुसैन, बहजोई-राशिद अली
चंदोसी- सक्सेना
अमरोहा-नासिर अली
मथूरा-खलील अहमद
बदायूं-कामिल खान
दिल्ली-सफदर अली व राम गौपाल

सभी देश व प्रदेश वासियों को शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

★ सभी व्यापारी अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहें
★ छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा दुकान से खरीदारी करें।
★ समय पर जीएसटी का भुगतान किया जाए, जिससे कि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।
★ संगठन की शक्ति सदस्य हैं और सभी व्यापारी संगठन की मजबूती के लिए भी कार्यरत रहें

प्रतीक कालिया शर्मा
महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी
ऋषिकेश
महामंत्री
नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, ऋषिकेश

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित। सम्पादक: एस.एन. राना, *कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन', देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून, 0135-2743363, R.N.I. No.UTTHIN 2001/05656, 'मोबाइल-9720007290, www.shahtimesnews.com, ' *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों/लेखों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सरोवर नगरी का 'शाह टाइम्स'

ढाई दशक का स्वर्णिम सफर, बना जन-जन की आवाज

नैनीताल। उत्तराखंड की शांत सरोवर नगरी नैनीताल में 'शाह टाइम्स' ने अपने ढाई दशक के पत्रकारिता के सफर को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। इस प्रमुख समाचार पत्र ने न केवल स्थानीय मुद्दों को मुखरता से उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर अपनी गहरी पैठ बनाई है।

अफजल फौजी

ऐसे दौर में, जब अखबारी दुनिया का दायरा क्षेत्रीय स्तर तक सिमटता जा रहा है, 'शाह टाइम्स' ने नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों की आवाज को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने स्थानीय जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनकर खुद को स्थापित किया है।

एक स्थानीय व्यवसायी रमेश चंद्र ने इस अखबार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'शाह टाइम्स' ने हमेशा हमारी स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि हमारी आवाज है जिसे प्रदेश स्तर पर सुना जाता है। सामाजिक, राजनैतिक और व्यावसायिक वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के कारण इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। यही वजह है कि यह समाचार पत्र पाठकों का प्रिय बन चुका है।

अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, 'शाह टाइम्स' ने नगर की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया है और शासन-प्रशासन को उनसे अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास किए हैं। नैनीताल के एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, 'शाह टाइम्स' ने यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों की आमद को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंधन ने भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके साथ ही, ऐतिहासिक सरोवर नगरी की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रखने में भी समाचार पत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा है। यहाँ के तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों को कलम के माध्यम से उजागर कर इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। शिक्षाविद् डॉ. अंजलि शर्मा के अनुसार, 'नैनीताल को शिक्षा का गुरुकुल कहा जाता है, जिसकी महत्ता ब्रिटिशकाल से चली आ रही है। शाह टाइम्स ने इस शशिक्षा के मंदिरश की गरिमा को बनाए रखने और इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय सहयोग दिया है।'

नगर की सामाजिक सौहार्द की अनूठी पहचान देश-विदेश में है। 'शाह टाइम्स' ने इस पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी अपना दायित्व प्रमुखता से निभाया है। अखबार प्रबंधन ने पाठकों के निरंतर स्नेह और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि शशाह टाइम्सश आगे भी शपत्र नहीं, मित्रश के अपने आदर्श वाक्य के साथ जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उत्तराखंड में एयरपोर्ट व एयर स्ट्रिप की सूची

1. देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट- स्थान: देहरादून (जौलीग्रांट)-स्थिति: यह राज्य का प्रमुख व सबसे व्यस्त घरेलू एयरपोर्ट है, जिसमें नया टर्मिनल अक्टूबर 2021 में खोला गया था। 2. पंतनगर एयरपोर्ट-स्थान: पंतनगर, उधम सिंह नगर जिला (कुमाऊं क्षेत्र)-स्थिति: यह एक घरेलू विमानक्षेत्र है और कुमाऊं क्षेत्र का मुख्य प्रवेश मार्ग है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में परिवर्तित करने की योजना है। 3. नैनी सैनी एयरपोर्ट (पिथौरागढ़)-स्थान: पिथौरागढ़ (नैनी-सैनी)-स्थिति: यह घरेलू एयरपोर्ट है, जो UDAN योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हाल ही में यहां से नियमित उड़ानें शुरू हुई हैं। 4. भारकोट (चिन्यालीसौड़) एयरस्ट्रिप, स्थान: चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी जिला-स्थिति: इसे मां गंगा या धरासू एयरपोर्ट भी कहा जाता है। वर्तमान में यह आईएएफ द्वारा एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग होता है। 5. गौचर एयरस्ट्रिप-स्थान: गौचर, चमोली जिला,स्थिति: यह एक एयरस्ट्रिप है यह एयरस्ट्रिप चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाओं हेतु उपयोग की जाती है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि

विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

विद्युत समस्याओं के निवारण हेतु 1912(टोल फ्री) पर कॉल करें।

सार्वजनिक सूचना

- ... Online ... www.upcl.org ...
- ... Online ... 1 क्रेडिट कार्ड (Credit card) 2 डेबिट कार्ड (Debit card) 3 नेट बैंकिंग (Net Banking)
- विद्युत बिलों का Online भुगतान प्रदेश के समस्त उपभोक्ता कर सकते हैं।
- ... SMS ... Counter Foil ...

राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी कॉमन सर्विस सेन्टरों (सीएससी) पर विद्युत भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। सम्मानित विद्युत उपभोक्ता इसका लाभ उठायें।

... 9219503400 पर SMS कर जानकारी प्राप्त करें।

बिल विवरण की सूचना हेतु	BD<space><13 digit Service Connection No.>
बिल भुगतान की सूचना हेतु	PYD<space><13 digit Service Connection No.>
नये संयोजन की स्थिति जानने हेतु	NC<space><12 digit Registration No.>
शिकायत की स्थिति जानने हेतु	CD<space><11 digit Complaint No.>
मोबाईल नं० पंजीकृत करने हेतु	RMN<space><13 digit Service Connection No.>
13 Digit Service Connection No टाइप करने का तरीका	3 digit ... + 4 digit ... + 6 digit ...

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें"

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक संख्या 769/XIII/स्टोर/जि0पं0दे0दून/2025-26 दिनांक 20/08/2025

"जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायरत व्यवसायियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत द्वारा आरोपित वार्षिक विभव एंव सम्पत्ति कर व व्यवसायिक लाईसेन्स का भुगतान समय से जिला पंचायत कार्यालय में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत, देहरादून जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु सदैव तत्पर है। साथ ही समस्त व्यवसायियों एंव ग्रामवासियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने गाँव को भी स्वच्छ रखें। घरों का कूड़ा नालों एंव सड़कों के किनारे न फेंकें तथा गीला एंव सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के उपरान्त ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें एंव अपने गाँव व क्षेत्र को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। सिंगल यूज प्लास्टिक एंव पॉलिथीन का प्रयोग करने से बचें, तथा डेंगू, मलेरिया एंव चिकनगुनिया से बचाव हेतु अपने घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें एंव अपने घरों के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें। स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें एंव जनभागीदारी द्वारा अपने गाँव को स्वच्छता में प्रथम बनाने में अपना आवश्यक योगदान दें।'

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून।

सौजन्य से

जिला पंचायत, देहरादून।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

'जल संचय' 'जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान

'जल भवन', बी-ब्लॉक नेहरु कॉलोनी, देहरादून

सार्वजनिक अपील

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। कतिपय नगरों/क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं।

इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर में संबंधित शिकायत के लिए 'शिकायत निवारण केन्द्र' टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800-180-4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यत: पाइपलाइन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाइप के साथ-साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनेक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस-पास लगे पाइप की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एवं छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जांच के समय यदि व्यक्तिगत कनेक्शन के पाइप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनेक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाइन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न हो अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। प्राय: जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।
- इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिए हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं।
  1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
  2. पेयजल की बर्बादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अत: कृपया ऐसा न करें।
  3. विभाग को देयकों का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

देवभूमि में बदला अपराध का स्वरूप

मयूर गुप्ता

देवभूमि में साइबर सेंधः सरिया-सब्बल से साइबर अटैक तक, उत्तराखंड में बदल गई अपराध की 'मोडस ऑपरेंडी'

देवभूमि उत्तराखंड में अपराध की दुनिया ने भी समय के साथ अपनी चाल बदल ली है। कभी जहां चोरों के हाथ में सरिया और सब्बल होता था, आज उनकी उंगलियां कीबोर्ड पर चलती हैं और निशाना सीधे आपके बैंक खाते पर होता है। राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूरे होने के बाद, अपराध के इस डिजिटल कायापलट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जहाँ परंपरागत चोरों ने अब साइबर अपराधी का चोला ओढ़ लिया है।

ढाई दशक पहले की अपराध तस्वीर

आज से लगभग ढाई दशक पूर्व, जब उत्तराखंड ने एक अलग राज्य के रूप में जन्म लिया था, तब अपराध की तस्वीर काफी सीधी-सादी थी। घरों और दुकानों में चोरी की वारदातें अक्सर किसी टूटे शटर या क्षतिग्रस्त ताले की गवाही देती थीं। चोरों की 'मोडस ऑपरेंडी' (कार्यप्रणाली) में सरिया, सब्बल और हथौड़े जैसे औजार शामिल होते थे, जिनसे वे भौतिक रूप से सेंधमारी करते थे। रात के अंधेरे में, शांत वादियों में, ऐसी वारदातें अक्सर ग्रामीणों और छोटे कस्बों के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनती थीं।

दीपम सेठ, डीजीपी

तकनीक ने बदली अपराध की राहः अपराधियों का 'डिजिटल अपग्रेड'

देहरादून। लेकिन, समय के चक्र ने तेजी से घूमना शुरू किया। देश में आधुनिकता की लहर आई और तकनीक ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई, तो अपराधी भी भला कैसे पीछे रहते? उन्हें भी यह आभास हो गया कि सरिया और सब्बल से दुकानों के शटर और घरों के ताले तोड़ने वाले चोर, आधुनिकता के इस दौर में अपने परंपरागत अपराध के पेशे में पिछड़ जाएंगे। यह एक ऐसी क्रांति थी जिसने अपराधियों को भी अपग्रेड होने पर मजबूर कर दिया।

अपराधियों को किसी सूरत में पैर पसारने नहीं दिया जाएगाः राजीव स्वरूप

देहरादून। गढ़वाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने बताया कि रेंज के अंदर अपराधियों को पैर पसारने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अपराध को अंजाम देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह रखा है कि अपराधी चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला क्यों न हो और राजनीति में उसकी कितनी भी दखल हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी गढ़वाल रेंज के सभी सातों जिलों के एसएसपी और एसपी व सभी क्षेत्राधिकारियों के निर्देश दें रखे है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई अपराधिक वारदात घटित होती है तो तत्काल मौके का निरीक्षण कर उसकी जानकारी से उन्हे भी अवगत करवाएं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने कहा कि अपराध करने वाले की जगह या तो जेल में है या फिर वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने एक साक्षत्कार के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि अपराध करने वाले का कोई धर्म और जाति नहीं होती वह एक अपराधि होता है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा एक अपराधि के साथ किया जाएगा।

देहरादून पुलिस के लिए नई चुनौतीः अदृश्य दुश्मन से मुकाबला

देहरादून। सीसीटीवी कैमरों की बढ़ती संख्या, मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स की अनिवार्यता ने अपराधियों की पुरानी योजनाओं पर पानी फेर दिया। अब ताला तोड़ने या शटर उखाड़ने की कोशिश करना, पकड़े जाने का सीधा निमंत्रण था। पुलिस की मुस्तैदी और तकनीक के उपयोग ने परंपरागत चोरों के लिए मैदान तंग कर दिया। इसी मोड़ पर अपराध की दुनिया ने एक नई करवट ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्पहले हमें चोरों का पीछा भौतिक रूप से करना पड़ता था, उनकी पहचान के लिए मुखबिरों पर निर्भर रहना

पड़ता था। अब चुनौती डिजिटल है। साइबर अपराधी अदृश्य दुश्मन की तरह हैं, जो कहीं भी बैठकर किसी को भी निशाना बना सकते हैं। यह हमारे लिए एक पूरी तरह से नया युद्धक्षेत्र है।

साइबर अपराधों का बढ़ता जाल और नए हथियार

अपराध की इस दुनिया में एक सीढ़ी और आगे चढ़ते हुए, शातिर चोरों ने साइबर अपराधों की दुनिया में कदम रखा। जनता के बैंक खातों और निजी विवरण को साइबर अटैक के जरिए हैक करने का प्रचलन तेजी से बढ़ा। फिशिंग, स्पूफिंग, ओटीपी फ्रॉड और मालवेयर अटैक जैसे नए हथियार उनके तरकश में शामिल हो गए। उत्तराखंड की शांत छवि के विपरीत, साइबर अपराधियों को यहाँ की डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लेनदेन में बढ़ती रुचि ने एक श्उपजाऊ भूमिश प्रदान की, जहाँ वे आसानी से भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना सकते थे।

देहरादून में अपराधियों के हौसलों को हर सूरत में किया जाएगा पस्तः अजय सिंह

देहरादून। देहरादून जनपद के अंदर अगर कोई व्यक्ति आपराधिक चोला ओढ़कर यहां के भोले-भाले लोगों को अपनी गुण्डागर्दी के बल पर उनसे लूटपाट करना, डकैती की वारदात को अंजाम देना और उनसे उगाही करने की सोच रखता है तो यह सोच उसकी आखिरी सोच होगी। जनपदवासियों को अपराधियों से सुरक्षा प्रदान करना खाकी का कर्तव्य है और खाकी पहनकर आम जनमानस और महिलाओं की सुरक्षा करने वाले मित्र पुलिस के अधिकारी और जवान अपने कर्तव्य से पीछे हटने वाले नहीं है। यह कहना है देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह का। **शाह टाइम्स** के रजत जयंती पर अपनी बेबाक टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दून पुलिस अपराधियों के लिए काल है और अगर कोई अपराधी यह सोचता है कि देहरादून को अपनी शरणस्थली बनाकर अपराध कर आराम से अपना जीवन व्यतीत करेगा तो यह उसकी गलत सोच है। अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाने और अपराधी को शरण देने का काम करने वालों को कानून के दायर में रहकर उसकों सबक सिखाते हुए सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा का दायित्व भी पुलिस के कंधों पर है और मित्र पुलिस के जवान महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं।

उत्तराखंड में 'डिजिटल अरेस्ट' का आतंकः साइबर ठगी के मामले बढ़े

देवभूमि उत्तराखंड में साइबर अपराधों ने जिस तरह से अपनी जड़ें जमाई हैं, उससे राज्यवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। विशेषकर शडिजिटल अरेस्टश के नाम पर डरा-धमकाकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सभी जनपदों से कार्रवाई के लिए करीब 200 साइबर अपराध के मामले भेजे गए हैं। इनमें से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 105 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पूरे प्रदेश में साइबर ठगों के खिलाफ 61 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 39 अपराधियों को देश के विभिन्न राज्यों से दबोचा गया। इसके अतिरिक्त, 10 को वारंट भेजकर तलब किया गया और 56 को नोटिस तामील कराए गए। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के अलावा, ऑनलाइन ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट, फेसबुक फ्रेंड, गिफ्ट, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूट्यूब लाइक, लोन ऐप और ऐप डाउनलोड के जरिए ठगी के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। इन बढ़ती चुनौतियों से निपटने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बढ़ते आंकड़े

देहरादून। बीते पांच वर्षों में उत्तराखंड में साइबर अपराध के हैरतअंगेज आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि अपराध का यह नया चेहरा कितना भयावह होता जा रहा है। ये आंकड़े न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि किस तरह अपराधियों ने अपनी रणनीति को सूक्ष्म और तकनीकी रूप से उन्नत कर लिया है। अब पीड़ित को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसकी निजी जानकारी भी खतरे में पड़ जाती है, जिससे मानसिक परेशानी और पहचान चोरी का खतरा भी बढ़ जाता है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती का

इमरान चौधरी

सामना करने के लिए पुलिस और जनता दोनों को ही अधिक जागरूक और तकनीकी रूप से सशक्त होना पड़ेगा।

भयावह परिणाम और आगे की राह

साइबर अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामा. जिक मुद्दा भी बन गया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान और तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उत्तराखंड, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है,

अब अपराध के एक नए मोर्चे पर खड़ा है। यह समय की मांग है कि हम इस डिजिटल अंधकार से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि देवभूमि की शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनी रहे

प्रदेश में तेजतर्रार अधिकारियों की तैनाती

देहरादून। मित्र पुलिस अधिकारियों की रणनीति की प्रदेश को अपराध मुक्त करना है ने अमली जामा पहनना प्रारंभ कर दिया। उत्तराखंड की सीमाओं से लगती उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर बनी कोतवालियों और थाने पर तेजतर्रार इंस्पेक्टरों और दरोगाओं की तैनाती की जाने लगी और इसका सीधा असर दिखाई देने लगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश और अन्य जनपदों के कुख्यात डकैत और लुटेरे या तो पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने लगे या फिर उन्हे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

उत्तराखंड पुलिस के मुखिया के तौर पर कार्यभार संभालने वाले तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों निवर्तमान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार और प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कार्यभार संभालते ही बदमाशां को खुली चुनौती दी। अशोक कुमार ने तो अपने कार्यकाल में स्पष्ट कहा था कि बदमाश या तो प्रदेश छोड़कर चले जाए या फिर यमराज से मिलने को तैयार रहे। इसी चेतावनी को कार्यवाह पुलिस महानिदेशक रहे अभिनव कुमार ने भी दोहराया। उन्होंने भी पदभार संभालते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि उत्तराखंड में अपराधियों और उनकों पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अपराधियों को या तो कानून के दायरे में आना होगा या फिर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

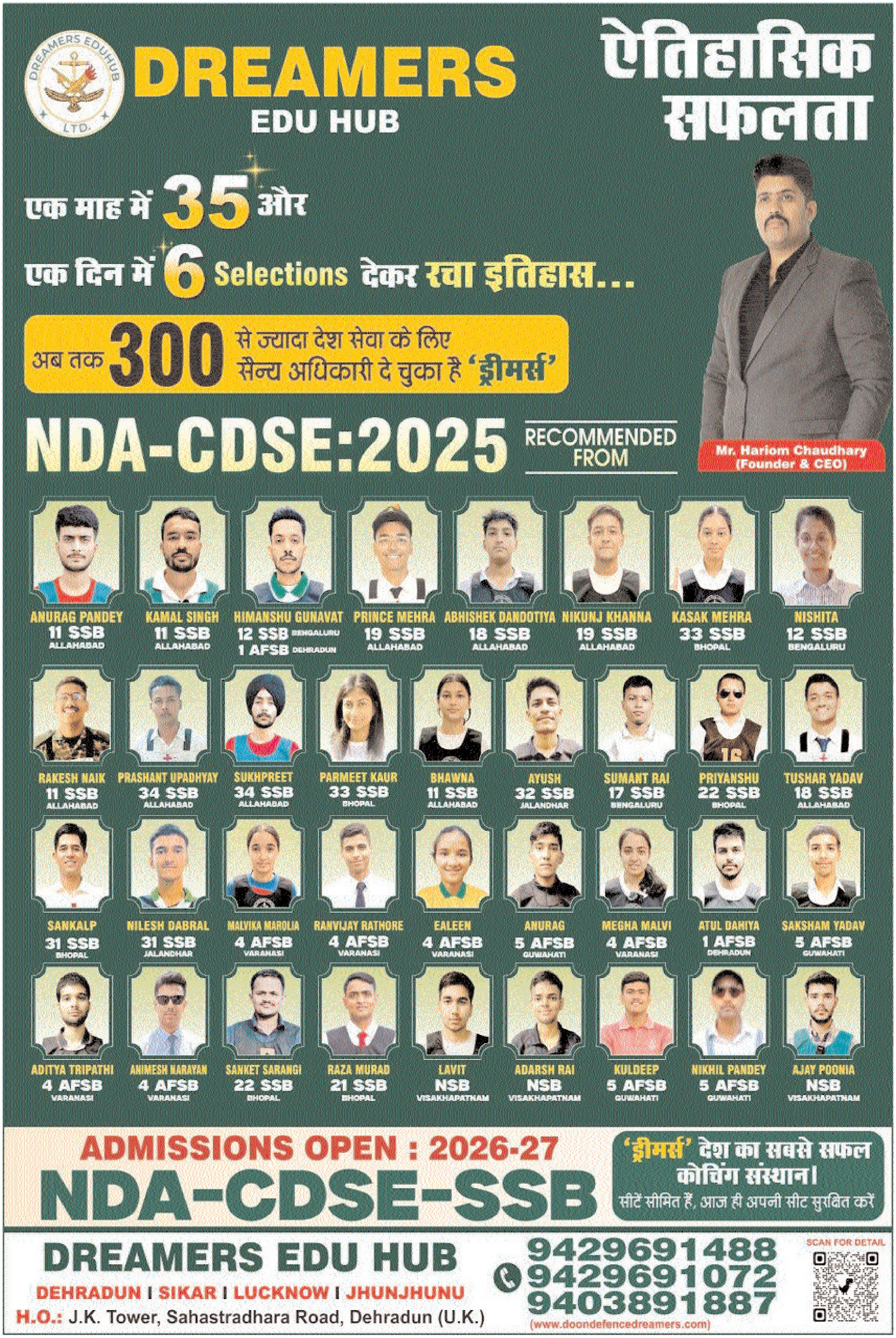
DREAMERS EDU HUB LTD.
DREAMERS
EDU HUB
ऐतिहासिक सफलता
एक माह में 35 और
एक दिन में 6 Selections देकर रचा इतिहास...
अब तक 300 से ज्यादा देश सेवा के लिए सैन्य अधिकारी दे चुका है 'ड्रीमर्स'
NDA-CDSE:2025
RECOMMENDED FROM
Mr. Hariom Chaudhary (Founder & CEO)
ANURAG PANDEY 11 SSB ALLAHABAD
KAMAL SINGH 11 SSB ALLAHABAD
HIMANSHU GUNAVAT 12 SSB BENGALURU 1 AFSB DEHRADUN
PRINCE MEHRA 19 SSB ALLAHABAD
ABHISHEK DANDOTIYA 18 SSB ALLAHABAD
NIKUNJ KHANNA 19 SSB ALLAHABAD
KASAK MEHRA 33 SSB BHOPAL
NISHITA 12 SSB BENGALURU
RAKESH NAIK 11 SSB ALLAHABAD
PRASHANT UPADHYAY 34 SSB ALLAHABAD
SUKHPREET 34 SSB ALLAHABAD
PARMEET KAUR 33 SSB BHOPAL
BHAWNA 11 SSB ALLAHABAD
AYUSH 32 SSB JALANDHAR
SUMANT RAI 17 SSB BENGALURU
PRIYANSHU 22 SSB BHOPAL
TUSHAR YADAV 18 SSB ALLAHABAD
SANKALP 31 SSB BHOPAL
NILESH DABRAL 31 SSB JALANDHAR
MALVIKA MAROLIA 4 AFSB VARANASI
RANVIJAY RATHORE 4 AFSB VARANASI
EALEEN 4 AFSB VARANASI
ANURAG 5 AFSB GUWAHATI
MEGHA MALVI 4 AFSB VARANASI
ATUL DAHIYA 1 AFSB DEHRADUN
SAKSHAM YADAV 5 AFSB GUWAHATI
ADITYA TRIPATHI 4 AFSB VARANASI
ANIMESH NARAYAN 4 AFSB VARANASI
SANKET SARANGI 22 SSB BHOPAL
RAZA MURAD 21 SSB BHOPAL
LAVIT NSB VISAKHAPATNAM
ADARSH RAI NSB VISAKHAPATNAM
KULDEEP 5 AFSB GUWAHATI
NIKHIL PANDEY 5 AFSB GUWAHATI
AJAY POONIA NSB VISAKHAPATNAM
ADMISSIONS OPEN : 2026-27
NDA-CDSE-SSB
'ड्रीमर्स' देश का सबसे सफल कोचिंग संस्थान।
सीटें सीमित हैं, आज ही अपनी सीट सुरक्षित करें
DREAMERS EDU HUB
DEHRADUN I SIKAR I LUCKNOW I JHUNJHUNU
H.O.: J.K. Tower, Sahastradhara Road, Dehradun (U.K.)
9429691488
9429691072
9403891887
(www.doondefencedreamers.com)
SCAN FOR DETAIL